हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, बुधवार | 19 मार्च 2025 | वर्ष : 03 अंक : 74 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

सीएम रेड्डी और पीएम मोदी की मुलाकात, सरकार ने मांगा समय

एजेंसी

पटना: तेलंगाना में इन दिनों आरक्षण को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। तेलंगाना विधानसभा में आरक्षण को लेकर दो विधेयक पारित हुए है। इसमें शिक्षा, नौकरियों और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव पेश करने वाले दो विधेयकों को पारित किया गया है। वहीं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा है। रेड्डी ने पीएम मोदी से इन विधेयकों पर चर्चा करने के लिए समय भी मांगा है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री शिक्षा, रोजगार क्षेत्रों और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के संबंध में विधानसभा द्वारा पारित दो अलग-अलग विधेयकों पर चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस, भाजपा, एआईएमआईएम और सीपीआई के नेताओं के एक समूह से मिलने का अवसर मांगा, जो तेलंगाना विधानसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इन विधेयकों पर केंद्र सरकार का समर्थन मांगा है।

लोकसभा में पीएम मोदी ने 1857 की क्रांति से की महाकुंभ की तुलना, कहा-

पूरे विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग

एजेंसी

दिल्ली: लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज में हुए महाकुंभ पर वक्तव्य देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आज मैं सदन के माध्यम से देशवासियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार, समाज के सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देश भर के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश व विशेष रूप से प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। यह जनता जनार्दन का, जनता जनार्दन के संकल्पों के लिए, जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था...महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत के इतिहास में ऐसा ही क्षण था, जैसा 1857 की क्रांति, भगत सिंह का बलिदान और गांधी का डांडी मार्च था। इन घटनाओं ने देश को एक नया मोड़

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

दिया और ऐसा ही महाकुंभ के विशाल आयोजन से भी हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है। आज पूरे विश्व में जब बिखराव की स्थितियां हैं, उस दौर में एकजुटता का ये विराट प्रदर्शन हमारी ताकत है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है, ये हम हमेशा कहते आए हैं और इसी के विराट रूप का अनुभव हमने प्रयागराज महाकुंभ में किया है। हमारा दायित्व है, अनेकता में एकता की इसी विशेषता को हम निरंतर समृद्ध करते रहें। पीएम मोदी ने कहा कि ये उमंग, उत्साह यहीं तक सीमित नहीं था। बीते सप्ताह मैं मॉरीशस में था, मैं त्रिवेणी से महाकुंभ के समय का पावन जल लेकर गया था। जब उस ?पवित्र जल को मॉरीशस के गंगा तलाब में अर्पित किया गया, तब वहां जो श्रद्धा का, आस्था का, उत्सव का माहौल था, वो देखते ही बनता था। ये दिखाता है कि हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को आत्मसात करने की भावना कितनी प्रबल हो रही है। पिछले वर्ष, अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हमने महसूस किया था कि कैसे देश एक हजार वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद, महाकुंभ के आयोजन ने हम सबके इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की ये सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो ।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों को संबोधित करेंगे नीतीश कुमार, बिहार पर होगी चर्चा

एजेंसी

पटना: अमेरिका की प्रतिष्ठित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक छात्र संगठन ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आमंत्रण भेजा है। जनता दल यूनाइटेड के सांसद संजय झा ने इस बात की जानकारी दी है। सांसद संजय झा ने बताया है कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों ने सीएम नीतीश से अप्रैल के महीने में ऑनलाइन समय मांगा है। सांसद ने यह भी बताया कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में सीएम बिहार के विकास और विजन पर चर्चा करेंगे। खउ्व सांसद ने बताया है कि इस कार्यक्रम में अगले दस साल के लिए बिहार को लेकर सीएम नीतीश कुमार के विजन पर चर्चा होगी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पब्लिक पॉलिसी डिपमार्टमेंट के स्टूडेंट यूनियन की तरफ से संपर्क किया गया है। इस बात पर चर्चा होगी कि बिहार कैसे एक बीमारू राज्य से इमरजिंग हब बन गया। एक न्यूज चैनल से बातचीत में जदयू सांसद ने कहा कि खासकर इन्फ्रास्ट्रक्चर, गुड गवर्नेस और बिहार का आर्थिक विकास यह उनकी नजर में पूरा स्टडी केस है। बिहार के विकास को लेकर मुख्यमंत्री का क्या विजन है? और बिहार के विकास में सीएम नीतीश का क्या रोल रहा है? उसपर चर्चा के लिए उन लोगों ने सीएम नीतीश से समय मांगा है। हालांकि, ऑनलाइन ही समय मांगा गया है। जो उनका (हार्वर्ड प्रबंधन) तजुर्बा है उसके हिसाब से उनको लगता है कि बिहार एक बीमारू स्टेट से इमरजिंग स्टेट का केंद्र बनता जा रहा है इसलिए सीएम नीतीश को न्योता दिया गया है। संजय झा ने कहा कि यह सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए ही नहीं बल्कि पूरे बिहार के लिए बेहद ही सम्मान की बात है। सीएम नीतीश ने बिहार के लिए जितना भी काम किया है उसपर काम करने के लिए हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने निमंत्रण दिया है। सांसद संजय झा ने बताया है कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों ने सीएम नीतीश से अप्रैल के महीने में ऑनलाइन समय मांगा है।

सीएम नीतीश को सम्राट चौधरी का पत्र, मां के नाम राजकीय समारोह को लेकर की खास अपील

एजेंसी

पटना: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजनीति में शुचिता का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने अपनी मां पूर्व विधायक स्वर्गीय पार्वती देवी के नाम पर राजकीय समारोह आयोजित करने के निर्णय को वापस लेने का अनुरोध किया है। इस बाबत उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा है। दरअसल 12 मार्च को मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से एक आदेश पारित कर कहा गया है कि पूर्व विधायक पार्वती देवी के सामाजिक एवं विकास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक वर्ष 15 मार्च को उनकी जयंती तारापुर (मुंगेर) में राजकीय समारोह के रूप में मनाई जाएगी। इसकी जानकारी मिलने पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 17 मार्च को सीएम को पत्र लिखा। पत्र में कहा कि मेरे लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि मुझे आपके (सीएम) कुशल नेतृत्व में एनडीए सरकार में दायित्व निर्वहन का अवसर मिला है। यह आपकी संवेदनशीलता है कि मेरी माता पूर्व विधायक पार्वती देवी के सामाजिक व राजनीतिक कार्यों को पहचानते हुए ।

पहली बार कोई पीएम करेगा RSS मुख्यालय का दौरा, BJP अध्यक्ष के चुनाव से पहले Modi-Bhagwat Meeting पर सबकी नजर

एजेंसी

नई दिल्ली: भाजपा और संघ के रिश्तों में एक बार फिर मधुरता देखने को मिल रही है। पिछले एक महीने में कई बार आरएसएस की तारीफ कर चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब नागपुर स्थित संघ मुख्यालय जाने वाले हैं। यह किसी भी प्रधानमंत्री की ओर से संघ मुख्यालय का पहला दौरा होगा। प्रधानमंत्री के संघ मुख्यालय के प्रस्तावित दौरे के कई राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ होने वाली मुलाकात ऐसे समय पर हो रही है जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष जल्द ही चुनने वाली है। हम आपको बता दें कि 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस होता है। माना जा रहा है कि तब तक पार्टी को नया अध्यक्ष मिल जायेगा। बताया जा रहा है कि 18 अप्रैल

को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बेंगलुरु में होगी जिसमें नये अध्यक्ष का स्वागत किया जायेगा। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री का दौरा हिंदू कैलेंडर के पहले दिन 30 मार्च को होना है। यह दिन महाराष्ट्र के लिए अहम है क्योंकि इस दिन गुड़ी पड़वा मनाया जायेगा। उसी दिन मोदी माधव नेत्रालय की आधारशिला रखेंगे। इस अवसर पर मोदी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ मंच साझा करेंगे, जो 2014 के बाद से तीसरा और 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद पहला ऐसा अवसर होगा। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम के बाद मोदी नागपुर के रेशिम बाग में आरएसएस मुख्यालय का दौरा कर सकते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मोहन भागवत और प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले पिछले साल अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा संबंधी कार्यक्रम के दौरान मंच साझा किया था। उसके बाद दोनों नेता सार्वजनिक रूप से पहली बार एक मंच पर होंगे। हम आपको बता दें कि पिछले साल हुए लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा और संघ के रिश्तों में जो खटास आई थी उसे दूर कर भाजपा को काफी लाभ हुआ है।

पाकिस्तान के बिगड़ते हालात को देखते हुए पूरे जम्मू कशमीर में सुरक्षा संबंधी हाई अलर्ट जारी किया गया

एजेंसी

जम्मू कशमीर: आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर के मारे जाने समेत पाकिस्तान में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हाई अलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा प्रतिष्ठान के अधिकारियों ने बताया कि राजनीतिक नेताओं सहित सुरक्षा प्राप्त सभी व्यक्तियों को चौकस रहने और अपनी सुरक्षा के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों को क्षेत्र में गश्त और तलाश अभियान

तेज करके, विशेष रूप से आसान लक्ष्यों पर किसी भी हमले को अंजाम देने के राष्ट्र विरोधी तत्वों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी और ह्यह्यअसाधारणह्लह्ल सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण और लश्कर के शीर्ष कमांडर जिया-उर-रहमान उर्फ नदीम उर्फ अबू कताल उर्फ कताल सिंधी की हत्या सहित हाल में हुए कई आतंकवादी हमलों के बाद सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। हम आपको बता दें कि रहमान, जनवरी 2023 में राजौरी में सात लोगों की हत्या और जून 2024 में रियासी में नौ तीर्थयात्रियों की हत्या सहित जम्मू कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा वांछित था।

महाकुंभ पर जैसे ही संसद में पीएम मोदी ने शुरू किया बोलना, विपक्ष ने किया वॉकआउट, अयोध्या के सांसद ने बताई वजह

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में महाकुंभ पर लोकसभा को संबोधित किया और भव्य आयोजन के लिए सभी का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाकुंभ के दौरान पूरी दुनिया ने भारत की भव्यता देखी। उन्होंने कहा कि मैं प्रयागराज में महाकुंभ की सफलता में योगदान देने वाले देश के करोड़ों लोगों को नमन करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज के महाकुंभ पर बोलने के लिए यहां खड़ा हूं। मैं करोड़ों देशवासियों को बधाई देता हूं जिनकी

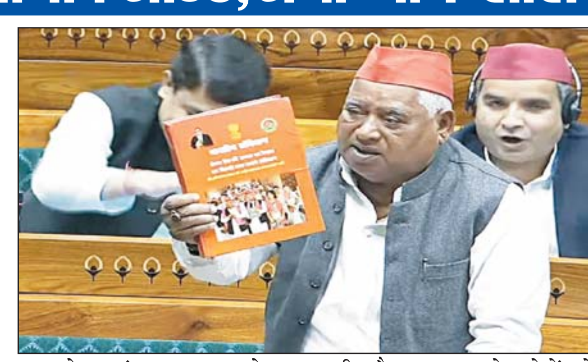

वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हो सका। महाकुंभ की सफलता में कई लोगों ने योगदान दिया। मैं भारत, यूपी और प्रयागराज के लोगों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि पिछले वर्ष राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सभी ने देखा कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए खुद को तैयार कर रहा है। महाकुंभ के दौरान यह विचार और भी मजबूत हुआ। देश के सामूहिक जागरण ने सामूहिक शक्ति को बढ़ाया। इसके बाद उनके इस भाषण को लेकर विपक्ष ने विरोध जताया और सदन से वॉकआउट कर लिया। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा कि प्रधानमंत्री ने एकतरफा बयान दिया और सदन से चले गए।

मणिपुर बनाने की साजिश...

नागपुर हिंसा पर आदित्य ठाकरे के बयान ने मचाया तहलका

एजेंसी

नागपुर: नागपुर हिंसा पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि भाजपा इस मामले में बेशर्म है क्योंकि यह घटना महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गृहनगर में हुई है। दुख की बात है कि जब भाजपा शासन नहीं कर पाती है, तो वे हिंसा, दंगे का सहारा लेते हैं और हर राज्य में यही उनका तय फॉमूर्ला है। अगर आप मणिपुर को देखें, तो वे महाराष्ट्र को भी यही बनाना चाहते हैं। वे 300-400 साल पहले जीने वाले किसी व्यक्ति का इतिहास खोदने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे भविष्य के बारे में नहीं बोल सकते। वे वर्तमान के बारे में नहीं बोल सकते। विडंबना यह है कि कब्र की रक्षा केंद्र सरकार करती है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे यह जानना है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई रिएक्शन क्यों नहीं आया जब अफवाहे फैलने लगी थी, जब किसी शहर में ऐसी घटना होती और यह तो मुख्यमंत्री का शहर है वे मुख्यमंत्री भी हैं और गृह मंत्री भी हैं... कभी भी ऐसी घटना होती है तो पहला मैसेज सीएमओ, गृह विभाग को आता है। दोनों उनके पास हैं तो क्या उन्हें पता नहीं था कि यह घटना होने वाली है। मेरा अंदाजा यही है कि भाजपा को महाराष्ट्र का मणिपुर बनाना है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने नागपुर हिंसा पर कहा कि मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं, ।

जिनकी मृत्यु हुई...महाकुंभ को लेकर राहुल गांधी ने ऐसा क्या कहा?

बांसुरी स्वराज हो गई हैरान

एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा कि मैं प्रधानमंत्री की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा कुंभ में गए उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उसपर भी बोलना चाहिए था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष को तो बोलने का मौका दिया जाना चाहिए था लेकिन नहीं देते हैं, यह नया भारत है।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि मैं विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और प्रियंका गांधी की नकारात्मक टिप्पणियों से हैरान हूं। महाकुंभ इतना सफल आयोजन था, 66 करोड़ श्रद्धालु आए और इसमें भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आयोजन न केवल एक धार्मिक आयोजन है बल्कि एकता की शक्ति का भी प्रतीक है। लेकिन ऐसा लगता है कि भारत और भारतीयों को गौरवान्वित करने वाली हर चीज की कांग्रेस पार्टी हमेशा आलोचना करती है और नफरत की राजनीति फैलाती है। मैं प्रियंका गांधी से कहना चाहती हूं कि सदन नियमों के मुताबिक चलता है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा कि आज प्रधानमंत्री ने संसद में महाकुंभ के भव्य आयोजन पर अपना वक्तव्य दिया, जिसे सभी ने सुना। लेकिन यह बहुत दुख की बात है कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और इंडी गठबंधन के घटक दलों को ऐसी कोई बात पसंद नहीं आती जिससे भारत बढ़ता दिखे, दुनिया में भारत का नाम ऊंचा होता दिखे, इसीलिए जब जी20 होता है ।

विधेयक के लाभ: शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में क्रांति

भविष्य की दिशाडॉ. शाहिद अख्तर, जेपीसी की सराहना और मंच की जीत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नई दिल्ली: मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से मंजूरी मिलने को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए इसे समाज के हर वर्ग के उत्थान और समानता की दिशा में एक मील का पत्थर करार दिया. मंच के राष्ट्रीय संयोजक और मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने कहा, "यह विधेयक समाज की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ वंचित और कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम बनेगा. वक्फ संपत्तियों का अब केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे क्षेत्रों में भी उपयोग किया जाएगा."शाहिद सईद ने बताया कि यह कामयाबी मंच की मेहनत, संघर्ष और जागरूकता अभियानों का परिणाम है, जिसमें देशभर में 1000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर जनता को विधेयक की प्रासंगिकता समझाई गई. इसके अलावा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के विभिन्न संगठनों के 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने जेपीसी के समक्ष पेश हो कर अपनी दलीलों को प्राथमिकता से रखा. साथ ही मंच के देश भर में फैले कार्यकताओं ने लाखों की तादाद में जेपीसी को पत्र और मेल के द्वारा समर्थन और सुझाव रखे. इन सभी को जेपीसी ने

पूरी गंभीरता के साथ लिया. इस दौरान जेपीसी में विपक्षी नेताओं की तीव्र आलोचना भी मंच के सदस्यों को सुननी पड़ी लेकिन मंच के नुमाइंदों ने सहजता, सरलता, साक्ष्यों, तर्क और पूरी शिद्दत के साथ अपने सुझाव रखे. महिला विंग की प्रमुख और राष्ट्रीय संयोजक डॉ. शालिनी अली ने इसे वंचित वर्गों और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम बताया. उन्होंने कहा, "यह विधेयक पारदर्शिता और जिम्मेदारी को सुनिश्चित कर समाज में समानता और समृद्धि लाएगा. हमने समाज के हर वर्ग को जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाए और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया.डॉ. शालिनी ने कहा, "वक्फ संपत्तियों का सही प्रबंधन पूरे समाज के लिए लाभकारी होगा. डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित ऑडिट, और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की सिफारिशें इस विधेयक में शामिल की गई हैं. यह विधेयक शिक्षा और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा."डॉ. अख्तर ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और टाटा ट्रस्ट जैसे मॉडलों का उदाहरण देते हुए कहा कि वक्फ संपत्तियों का सही उपयोग एक बड़े सामाजिक परिवर्तन का जरिया बन सकता है.जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के नेतृत्व में विधेयक में पारदर्शिता, भ्रष्टाचार उन्मूलन, और अतिक्रमण रोकने के लिए 14 संशोधनों को मंजूरी मिली. राष्ट्रीय संयोजक शाहिद अख्तर ने इसे 'सड़क से संसद तक की यात्रा' बताया और कहा, "यह विधेयक समाज को एकजुट करने का माध्यम बनेगा. मंच ने 'वक्फ बिल 2024: रिस्पेक्ट टू इस्लाम एंड गिफ्ट फॉर मुस्लिम' नामक पुस्तक का विमोचन कर विधेयक के महत्व को रेखांकित किया. इस किताब का विमोचन अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू, जेपीसी चेयरमैन जगदंबिका पाल, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, संघ के संपर्क प्रमुख राम लाल, ऑल इंडिया इमाम संगठनों के चीफ इमाम उमेर इलियासी समेत कई गण्यमान्य व्यक्तियों ने किया था. किरण रिजिजू और जगदंबिका पाल ने इस पुस्तक को वक्फ पर इनसाइक्लोपीडिया और समय की जरूरत बताया था.

भविष्य की दिशा

डॉ. शाहिद अख्तर ने वक्फ संशोधन विधेयक को समाज में समानता और विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया. उन्होंने इसे केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत करार दिया, जो वक्फ संपत्तियों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा. मुस्लिम राष्ट्रीय मंच से जुड़े अन्य संगठनों ने इसे समाज के सभी वर्गों के लिए उम्मीद और समृद्धि का प्रतीक बताया.

मधुबनी शहर में वैश्य सूड़ी समाज की बैठक, नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी शहर के सन्तू नगर चौक स्थित एक निजी होटल के सभागार में वैश्य सूड़ी समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वैश्य सूड़ी समाज के संरक्षक हनुमान प्रसाद राउत, अध्यक्ष पद पर विष्णु कुमार राउत, सचिव संतोष सम्राट, कोषाध्यक्ष अमरेन्द्र मंडल के रूप में मनोनीत किया गया ।इस अवसर पर सभी स्वजातीय बंधुओं ने संगठन की मजबूती और आने वाला विधानसभा चुनाव में सूड़ी समाज की सत्ता में भागीदारी और संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा हुई और अगामी 23 मार्च को दरभंगा में उत्तर बिहार सूंड़ी प्रतिनिधि सम्मेलन में मधुबनी जिला से बड़ी संख्या में लोग भाग लेने हेतु अभी से लग जाएं ।इस बैठक में भाग लेने वाले में नागेंद्र कुमार राउत,मनोज कुमार मुन्ना,कृष्णा महासेठ,मनोज पूर्व,बबलू पंजियार,राकेश कुमार,सरोज महतो,विश्वनाथ कारक,राजेश खर्गा,प्रवीण कुमार,लाल बाबू राउत, रंजीत कुमार,दरभंगा वैश्य सूड़ी समाज समिति के जिला अध्यक्ष रामनाथ पंजियार,अरूण प्रसाद,गनीनाथ प्रसाद,बैधनाथ महथा,भोजेश महतो,पवन कारक,सुनील राउत,प्रकाश पुर्वे,मिथिलेश प्रधान,प्रमोद राउत,हरे राम चौधरी,अजय राउत,संतोष महतो,दिनेश कारक,शिव कुमार मंडल सहित सूड़ी समाज के अन्य कई लोग उपस्थित हुए

सुल्तान हॉस्पिटल में किया गया दावत - ए - अफतार पार्टी का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड के तहत इलमासनगर स्थित कोल्ड स्टोर से सटे सुल्तान हॉस्पिटल में सोमवार को दावत - ए - अफतार पार्टी का आयोजन किया गया। दावत - ए - अफतार पार्टी में आम आवाम के अलावा जन प्रतिनिधियों समेत एक हजार से अधिक लोगों ने शिरकत की और अफ्तार किया। अफ्तार के उपरांत मुस्लिम भाइयों ने मगरिब की नमाज पढ़ी और मुल्क में अमन चैन और शांति के लिए ईश्वर से दुआ की। दावत - ए - अफतार पार्टी में मो सुल्तान के अलावा पूर्व जिला पार्षद वसीम राजा, समाजसेवी बेलाल राजा, मो हुसैन आजाद, डॉक्टर हैदर अली, डॉक्टर फैसल, राजीउल इस्लाम उर्फ रिजजू, जदयू लीडर अब्दुस समद खां, इजहार अहमद खां, डॉक्टर दानिश रजा, मो शकील अंसारी, मो कलाम आदि मौजूद थे।

23 मार्च को संत कबीर कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समस्तीपुर ग्रामीण रक्तदान संघ द्वारा शहीद दिवस पर 23 मार्च को रक्तदान शिविर का संत कबीर कॉलेज के प्रांगण में किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष श्री कृष्णा कुमार ने बताया शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के 94 वें शहीद दिवस पर ग्रामीण रक्तदान संघ 23 मार्च को विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा। सदस्यों ने लोगों से जरूरतमंद लोगों को रक्तदान करने अपील की। वही विशाल कुमार के द्वारा बताया गया कि आप सभी जिलावासियों से अनुरोध है कि आप सभी इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का हिस्सा जरूर बने। अपने लिए ना सही अपने स्वस्थ अपने स्वजनों के लिए रक्तदान जरूर करें। मौके पर ग्रामीण रक्तदान संघ के सौरभ कुमार, सतीश कुमार, विकास कुमार, राजीव कुमार, विपिन कुमार आदि मौजूद थे।

उक्राक्ष्ने समस्तीपुर रढ कार्यालय का निरीक्षण कर कामकाम का लिया जायजा, सभी DSP को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : मिथिला प्रक्षेत्र दरभंगा कि डीआईजी डॉ. स्वप्ना गौतम मेश्राम समस्तीपुर पहुंची जहां उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया। सबसे पहले डीआईजी को समाहरणालय परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके बाद डीआईजी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के विभिन्न कोषांग का निरीक्षण किया। इस दौरान डीआईजी ने घूम-घूमकर कार्यालय का निरीक्षण भी किया। इस दौरान एसपी अशोक मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे ।कार्यालय निरीक्षण के बाद डीआईजी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में डीएसपी स्तर के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और उंन्हे कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समीक्षा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि एसपी कार्यालय का निरीक्षण किया गया है। कार्यालय के अभिलेखों के रख रखाव की समीक्षा की गई है। इसके अलावे सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों के साथ भी समीक्षा बैठक की गई है ।इस बैठक में विधि व्यवस्था और क्राइम प्रिवेंशन, क्राइम डिडेक्शन इन सभी बिंदुओं पर विस्तर से चर्चा की गई है। लंबित कांडों का त्वरित गति से निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही पुलिस गश्ती और प्रजेंस पर बल दिया। इन दिनों पुलिस पर हो रहे हमले को लेकर कहा कि उस तरह के मामलों की समीक्षा की जा रही है। पुलिस पर हमले के रीजन्स क्या है। उसको प्रिवेंट कैसे किया जाय। इसके साथ साथ पूर्व में जो घटनाएं हुई है उसमें सुनिश्चित करेंगे कि कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो।

चकमेहसी थाना क्षेत्र में होली के शाम हुए सड़क हादसे के बाद घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे डीआइजी सौपना गौतम मैसराम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर 18 मार्च जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र में पिछले होली की रात एक सड़क दुर्घटना के दौरान हुए तनाव को शांत करने के लिए जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने पूरी कोशिश की और इलाके में पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गयी डीआईजी स्वपना गौतम मेसराम ने आज अपने निरीक्षण के दौरान चकमेहसी के प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया, उन्होंने कैंप कर रहे पुलिसकर्मियों को हर हाल में इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया. निरीक्षण के बाद वे दरभंगा के लिए रवाना हो गये. चकमासी थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने यकीन दिलाया के इलाके में शांति का माहौल है किसी भी तरह की घटना नहीं होने दिया जाएगा ऐसा अप्रिय घटना एवं अफवाह फैलाने वालों पर शख्स से सख्त कार्रवाई की जाएगी

मधुबनी के गांधी फेलो मुदित पाठक को यूथ आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सामाजिक परिवर्तन और युवा नेतृत्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मुदित पाठक को प्रतिष्ठित *यूथ आइकॉन अवार्ड* से सम्मानित किया गया। यह सम्मान *हर हक* की संस्थापक, सुश्री आन्या विग द्वारा प्रदान किया गया। मुदित पाठक ने बिहार के मधुबनी जिले में *गांधी फेलोशिप* के तहत दो वर्षों तक स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी पहल और प्रयासों ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया, बल्कि समुदायों को सशक्त बनाने और सामाजिक बदलाव की नई उम्मीदें जगाई। इस अवसर पर मुदित पाठक ने कहा, "यह पुरस्कार उन सभी के लिए है जिन्होंने मेरे साथ मिलकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम किया। मैं

हर हक की टीम और उनके दृष्टिकोण के प्रति आभारी हूं, जो समावेशी और न्यायसंगत समाज बनाने के लिए प्रेरित करती है।

हर हक का उद्देश्य समाज में महिलाओं और हाशिए पर मौजूद समुदायों को मुख्यधारा में लाना है, और मुदित पाठक का काम इस दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। यह पुरस्कार युवाओं की ताकत और उनके द्वारा संचालित पहलों की भूमिका को रेखांकित करता है। यह सम्मान मुदित पाठक की उपलब्धियों और उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उनके प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया कि सही दिशा में कार्य करने से समाज में गहरा और स्थायी बदलाव लाया जा सकता है।

बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी के बयान के विरोध में मिश्री सदा महाविद्यालय, सोनिहार में पुतला दहन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

यह विरोध विधान परिषद में वित्तरहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नियमित वेतन देने के मुद्दे पर मंत्री विजय कुमार चौधरी द्वारा दिए गए संवेदनहीन एवं शिक्षा कर्मियों को प्रताड़ित करने वाले बयान के खिलाफ किया गया।

अलौली (खगड़िया): मंगलवार को अलौली प्रखंड क्षेत्र के मिश्री सदा महाविद्यालय, सोनिहार के प्रांगण में बिहार सरकार के मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी का पुतला दहन किया गया। यह विरोध विधान परिषद में वित्तरहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नियमित वेतन देने के मुद्दे पर मंत्री विजय कुमार चौधरी द्वारा दिए गए संवेदनहीन एवं शिक्षा कर्मियों को प्रताड़ित करने वाले बयान के खिलाफ किया गया ।बिहारभर में इस बयान के विरोध में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में मिश्री सदा महाविद्यालय, सोनिहार में भी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मियों ने विरोध जताया ।महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एसटीओ अर्जुन साह ने मंत्री के बयान को शिक्षा जगत के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। इस विरोध प्रदर्शन में शिक्षक प्रतिनिधि सतीश सिंह, आनंद चंद्र झा, प्रो. वैधनाथ चौरसिया, अरुण कुमार, सुशील कुमार वर्मा, धर्म प्रकाश वर्मा, अरुण चौरसिया, दानेश्वर यादव सहित दर्जनों शिक्षकों और कर्मियों ने भाग लिया ।वक्ताओं ने मंत्री विजय कुमार चौधरी के लोकतंत्र के मंदिर बिहार विधान परिषद में शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी बयान की निंदा की। साथ ही, बढ़ती महंगाई दर के मद्देनजर बकाया अनुदान के शीघ्र भुगतान और नियमित वेतनमान की व्यवस्था करने की मांग की।

पूसा में गोलीबारी कर जख्मी करने वाले बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार,

दो पिस्टल व पांच कारतूस बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : पूसा थाना क्षेत्र के बिशनपुर बथुआ में बीते सोमवार की देर शाम बदमाश द्वारा गोली चलाने से एक महिला व एक पुरुष घायल हो गये थे। इस मामले में पूसा थाने की पुलिस ने कारवाई करते हुए आरोपी को दो पिस्टल, एक मैगजीन व पांच जिंदा कारतूस के साथ घटना के 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान पूसा थाना क्षेत्र के ही धर्मागतपुर बथुआ वार्ड संख्या-10 के रहने वाले सुमन साह उर्फ सुबोध साह के रूप में की गई है ।इसको लेकर सदर-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में एसडीपीओ-1 संजय कुमार पांडेय ने प्रेस वार्ता करते हुए जानकारी दी की बीते सोमवार की देर

शाम मनोज कुमार सिंह गांधी चौक स्थित संजय सिंह के घर से गाय दुहकर वापस अपने घर जा रहे थे। उसी दौरान दिलीप पासवान के घर के पास सुमन साह व एक अन्य अपराधकर्मी द्वारा मनोज सिंह के पैर एवं चंद्रमा देवी के हाथ में गोली मारकर जख्मी कर दिया। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया ।इधर घटना के तुरंत बाद पूसा थाने की पुलिस ने आरोपी युवक सुमन साह को दो पिस्टल, एक मैगजीन व पांच कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार कर लिया गया है। एसडीपीओ-1 ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश पेशेवर अपराधी है जो समस्तीपुर जिले के अलावे आसपास के जिलों में भी घटना को अंजाम देता था। इसके अपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है। वहीं फरार चल रहे अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। इधर सुमन साह की गिरफ्तारी के दौरान छापेमारी दल में पूसा थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह, पु.अ.नि. प्रियरंजन कुमार, स.अ.नि. गोरखनाथ सिंह के अलावे अन्य सशस्त्र बल शामिल रहे।

आग लगने से आधा दर्जन घर जले, लाखों की क्षति

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नगर निगम भागीरथपुर मूसेपुर में सोमवार को आग लगने से आधा दर्जन घर जल गये। आग लगने से करीब पांच लाख की संपत्ति क्षति हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को भागीरथपुर मूसेपुर में शॉर्ट सर्किट से करीब आधा दर्जन घरों में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही उक्त मोहल्ला में अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। आसपास के लोगों ने घटना स्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का काफी प्रयास किया परंतु हवा तेज रहने के कारण काबू नहीं हो सका। इधर किसी ने आग लगने की जानकारी अग्नि शमन दस्ता को दी। जानकारी मिलते ही अग्नि शमन दस्ता मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इधर पूर्व प्रमुख शिव शंकर महतो ने बताया कि इस आग लगी कि घटना में गरीब लोगों का घर जल गया है तथा कई मवेशी भी आग के चपेट में आ गई। उन्होंने जिला प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की है।

खुटौना थाना पुलिस ने दो अलग-अलग घटना में छह को किया गिरफ्तार डीएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

पुलिस के साथ धक्काझमुक्की हमला, जिस में खुटौनाथाना 1 पुलिस पदाधिकारी घायल होगए थे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के खुटौना थाना पुलिस ने दो अलग-अलग घटना में छह लोगों को किया गिरफ्तार डीएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

दोनों घटना के लिए दो अलग-अलग टीम छापेमारी के लिए पुलिस पदाधिकारी की टीम गठित किया गया था

जिसमें इंस्पेक्टर, खुटौना थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार, लौकहा थाना अध्यक्ष शंकर कुमार, ललमिनिया थाना अध्यक्ष बिपिन कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी टीम गठित किया गया था इन दोनों अलग-अलग घटनाओं में सन लिप्त लोगों के लिए धर पकड़ के लिए टीम का गठन किया गया था ' जहां आज

दो नामजत समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है

वहीं फुलपरास एस डी पी ओ ने यह भी बताया कि पिछले दिन

खुटौना थाना क्षेत्र में

सुबह करीब 09:30 बजे सूचना मिली कि खुटौना थानांतर्गत ग्राम परसाही में दो पक्षों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया है। सूचना प्राप्त होते ही मधुबनी पुलिस (खुटौना थाना) द्वारा वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए प्राप्त निर्देश के

आलोक में सूचना का सत्यापन करने हेतु ग्राम परसाही के कुछ गणमान्य व्यक्तियों के साथ उक्त विवादित स्थल पर पहुंच कर समझानेझबुझाने का प्रयास किया गया तो दूसरे पक्ष के लोगों द्वारा बदसलूकी करते हुए पुलिस बल के साथ धक्काझमुक्की करते हुए हमला कर दिया गया, जिसमें 01 पुलिस पदाधिकारी का सर फट गया एवं कुछ पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। घायल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी खतरे से बाहर थे।

इस संदर्भ में खुटौना थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 30 नामजद एवं 60झ65 अज्ञात लोगों के विरुद्ध खुटौना थाना कांड संख्या 30/25, धारा- 126(2)/115(2)/191(2)/191(3)/190/118(1)/109(1)/132/121(1)/121(2)/352/351(2) इ.ठ.र दर्ज कर गिरफ्तारी हेतु छापामारी की गई है। स्थिति सामान्य है, विधि व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

साथ ही दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध आवेदन दिया गया, जिस पर खुटौना थाना द्वारा दोनो पक्षों पर अलगझअलग कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी घटना

रात्रि करीब 11:30 बजे सूचना मिला कि खुटौना थानांतर्गत ग्राम झांझपट्टी में डी0जे0 बजाने को लेकर 08 नामजद अभियुक्त द्वारा डी0जे0 संचालक सत्यनारायण साह, पे0झबैधनाथ साह, साकिनझझांझपट्टी डोमर, थानाझखुटौना, जिलाझमधुबनी के साथ मारझपीट की गई, जिसमें डी0जे0 संचालक गंभीर रूप से घायल हो गए जिसे बेहतर ईलाज हेतु ढटउल्ह पटना ले जाया गया, जहां ईलाज के क्रम में उनकी मृत्यु हो गई। सूचना प्राप्त होते पुलिस खुटौना थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड दर्ज कर घटना में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की गई। विधि व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

डीएसपी फुलपरास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया कि जो लोग भी इस घटना में सन लिप्त है यह जो नाम विद्युत अभियुक्त है वह या तो सिलेंडर कर दें या फिर पर आगे भी कुर्की जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी जो भी इस घटना में संलिप्प्ट है वह बखशे नहीं जाएंगे '

गस्ती के दौरान पुलिस पर हमला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर जानलेवा हमला हुआ। सशस्त्र बल के साथ संध्या गश्त कर रहे सहायक अवर निरीक्षक राहुल कश्यप पर हमला किया गया। घटना गंज रोड 8:45 वार्ड संख्या 15 की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त एक यौन शोषण के मामले की जांच के दौरान यह हमला हुआ। राहुल कश्यप के साथ रिजर्व गार्ड के सिपाही उमेश प्रसाद सिन्हा और सोनू कुमार पासवान भी थे। रात करीब 8:45 बजे जब वे जांच के लिए पहुंचे, तभी उमेश गारा और अन्य अज्ञात ग्रामीणों ने पुलिस टीम को घेर लिया। उमेश गारा ने पुलिस कर्मियों को घर में कैद करने की कोशिश की। इसी दौरान उमेश गारा के बेटे गौतम कुमार ने पुलिस बल पर हमला कर दिया और शिकायत से जुड़े दस्तावेज छीनने का प्रयास किया। हमले में पुलिसकर्मी घायल हो गये। घायल अवस्था में जब वे अनुमंडलीय अस्पताल जाने लगे, तो उमेश गारा और गौतम कुमार ने फिर से लाठी - डंडों से हमला कर दिया। हथियार छीनने की भी कोशिश की गई। इसी बीच थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। ईधर पुलिस ने उमेश गारा और गौतम कुमार के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और जानलेवा हमले का मामला दर्ज किया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह दोनों अक्सर त्योहारों और आयोजनों के दौरान भी कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेगूसराय जिले में बेलगाम हो रही है आपराधिक वारदातों पर लगे कड़ा अंकुश :- अमिता भूषण

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय:बेगूसराय जिले में बेलगाम हो रही आपराधिक वारदातों पर बेगूसराय सदर की पूर्व विधायक अमिता भूषण ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुये कठोर प्रशासनिक कदम उठाये जाने हेतु सोमवार को बेगूसराय के एसपी को पत्र लिखा है। पत्र की प्रतिलिपि के माध्यम से अमिता भूषण ने राज्य के डीजीपी और पुलिस उप महानिरीक्षक को भी हालत से अवगत कराया है। अमिता भूषण ने कहा कि बढ़ते आपराधिक घटनाओं से पूरा प्रदेश सशंकित और दहशत में है पर आनुपातिक रूप से बेगूसराय जिले में बेलगाम तरीके से लगातार हो रही आपराधिक घटनाएं आमजन और व्यापारी वर्ग सहित पुरे जिले के लिये बड़ी चिंता, दहशत और आक्रोश का कारण बन रहा है। विगत कुछ महीनों में रोजमर्रा की घटनाओं के अलावा कई बड़ी और दुस्साहसिक घटनाओं को अपराधियों ने अंजाम दिया है। बलिया में बच्ची के साथ बलात्कार, बलिया में ही महिला को गोली मारकर जान से मारने का प्रयास, शहर के व्यस्ततम मेन रोड में

दिनदहाड़े दो ज्वेलरी शॉप में लूट की घटना को अंजाम देने जैसी वारदात, सहुरी में गरीब अल्पसंख्यक ई रिक्शा चालक की हत्या, बाघी में

शिक्षिका पति की गोली मारकर हत्या जैसी दर्जनों घटनायें अपराधियों के बढ़ते हौसलों की तरफ साफ इशारा करती है। ससमय घटना का अनुसंधान न होने और अपराधियों को दंड न मिलने से उनका मनोबल बढ़ रहा है, दुसरी तरफ व्यापारी वर्ग सहित आम जिलावासियों में भी प्रशासन के प्रति विश्वास में कमी का भाव दिख रहा है। अमिता भूषण ने जिले के एसपी से आग्रह किया है की मामले को गंभीरता से लेते हुये जिले के चिन्हित स्थानों पर गश्ती बढ़ायी जाय, अपराधियों की धर पकड़ हेतु विशेष अभियान चलाया जाय और उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत जरूरतमंद वर्ग के लोगों के लिये आत्मरक्षार्थ शस्त्र लाइसेंस निर्गत में तेजी लाया जाय ताकि उनकी सुरक्षा के साथ साथ प्रशासन और प्रशासनिक कार्रवाई पर उनका भरोसा और ज्यादा बढ़ सके।

खानपुर में आयोजित की गई जन सुराज विस्तार कार्यक्रम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड के अंतर्गत रेवड़ा पंचायत स्थित ग्राम रामनगर में जन सुराज पार्टी के ओर से पार्टी का विस्तार कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी डॉक्टर गोविंद कुमार ने किया जबकि संचालन सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर जन सुराज विस्तार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर गोविंद कुमार ने कहा कि अभी बिहार में जन सुराज पार्टी का लहर चल रहा है। उन्होंने कहा कि 2025 में विधानसभा चुनाव होने वाला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार को अपने बीस साल मौका दिया उनके क्रिया कलाप से बखूबी वाकिफ हैं। सबने बिहार की जनता को ठगने का काम किया। उन लोगों के शासन में अपराध का ग्राफ काफी बढ़ गया आए दिन लूटपाट, बलात्कार और हत्याएं हो रही हैं जिसे रोकने के लिए नीतीश कुमार की सरकार विफल रही। उन्होंने जोड़ देकर कहा कि अगर बिहार की जनता ने हमारे नेता प्रशांत किशोर को मौका दिया तो बिहार में विकास की गंगा बहा दी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील किया कि आप लोगों का सहयोग मिला तो बिहार में सत्ता परिवर्तन जरूर होगा। जन सुराज विस्तार कार्यक्रम में राज्य अभियान समिति सदस्य वसीम राजा, पंचायत समिति सदस्य सह संयोजक कुंदन कुमार झा, अजीत कुमार, दीपक सहनी, राम करण सिंहा, डॉक्टर फजले आलम, उदय शंकर ठाकुर, ब्रजेश राय, राम दयाल यादव, महेश कुमार ठाकुर, डॉक्टर रणवीर कुमार, पंकज कुमार झा आदि ने भाग लिया।

मशरक में तेज रफ्तार के वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार 1 की मौत, 1 घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

> **घटना के बारे में जानकारी मिली कि दोनों होली में रिश्तेदारी में गोरखपुर गये थें वहीं से दोनों बाइक पर सवार होकर वापस लौट रहे थे**

मशरक थाना क्षेत्र के कर्ण कुदरिया गोपी टोला गांव के सामने मुख्य सड़क पर अनियंत्रित अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं एक गंभीर हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक से सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। घटना के बारे में जानकारी मिली कि दोनों होली में रिश्तेदारी में गोरखपुर गये थें वहीं से दोनों बाइक पर सवार होकर वापस लौट रहे थे कि अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। मौके पर घटना पर पहुंची इमरजेंसी 112 की टीम ने इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ एस के विधार्थी ने एक को मृत घोषित कर दिया वहीं एक घायल का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। मृतक अविवाहित और दो भाईयों में बड़ा हैं। जो पटना में ही रहकर पढ़ाई करता है।मृतक दरभंगा जिला के सदर थाना क्षेत्र के खुदवारा गांव निवासी ग्रीस मंडल का 27 वर्षीय पुत्र अमित कुमार और घायल मुजफ्फरपुर जिले कच्ची पक्की रोड़ निवासी महेश्वर भगत का 23 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार चौरसिया हैं।

स्मार्ट मीटर पर रोक लगे- 200 यूनिट बिजली मुफ्त मिले- भाकपा माले

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

- 19 मार्च को 11बजे से ताजपुर प्रखंड-अंचल घेराव की सफलता को ले खेग्रामस-माले ने चलाया जन संपर्क अभियान
- दाखिल-खारिज एवं परिमार्जन में घूसखोरी चरम पर- प्रभात रंजन गुप्ता
- आवास योजना में घूसखोरी पर रोक लगे- सुरेंद्र प्रसाद सिंह

प्रखंड संवाददाता, ताजपुर/समस्तीपुर : 18 मार्च 2025 खेग्रामस एवं भाकपा माले ने मंगलवार को नगर परिषद एवं प्रखंड क्षेत्र में संयुक्त रूप से जन संपर्क अभियान चलाकर 19 मार्च को 11 बजे से प्रखंड-अंचल घेराव में भाग लेकर सफल बनाने की अपील ताजपुर वासियों से की है।

> **जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए खेग्रामस प्रखंड सचिव प्रभात रंजन गुप्ता एवं भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि सभी गरीब परिवारों को 72 हजार से कम का आय प्रमाण-पत्र एवं मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना का 2-2 लाख रुपए देने, भूमिहीन को वासभूमि एवं आवास, सरकारी जमीन पर बसे को पर्चा, पहुंचपथ से बंचित दलितों-गरीबों के गांव-टोले में पहुंचपथ बनाने,**

जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए खेग्रामस प्रखंड सचिव प्रभात रंजन गुप्ता एवं भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि सभी गरीब परिवारों को 72 हजार से कम का आय प्रमाण-पत्र एवं मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना का 2-2 लाख रुपए देने, भूमिहीन को वासभूमि एवं आवास, सरकारी जमीन पर बसे को पर्चा, पहुंचपथ से बंचित दलितों-गरीबों के गांव-टोले में पहुंचपथ बनाने, पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर जॉबकार्ड देने, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने एवं 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, वृद्धावस्था- मोसमाती- दिव्यांग पेंशन 3 हजार रूपए महीना देने, मनरेगा में 2 सौ दिन काम एवं 6 सौ रूपए दैनिक मजदूरी देने, दाखिल-खारिज एवं परिमार्जन के नाम पर हो रहे लूट पर रोक लगाने, समूह एवं माइक्रोफाइनेंस कंपनी का लोन माफ करने, राशन में चीनी, चना, तेल, दाल आदि शामिल करने आदि मांगों को मजबूती से उठाया जाएगा।

खेग्रामस प्रखंड अध्यक्ष प्रभात रंजन गुप्ता, भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह आदि के नेतृत्व में नगर-प्रखंड क्षेत्र के मुर्गियाचक, बहादुरनगर, रहीमाबाद, चित्रसेन पोखर, हरिशंकरपुर बघौनी, मोतीपुर आदि क्षेत्रों में मंगलवार को सघन जनसंपर्क अभियान चलाकर कार्यक्रम में भाग लेकर सफल बनाने की अपील की।

युवाओं में मिथिला महोत्सव की धूम- 20 एवं 21 मार्च को होगा मिथिला महोत्सव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मिथिला महोत्सव 2025 का आयोजन 20 एवं 21 मार्च तथा बिहार दिवस का आयोजन 22 मार्च 2025 को वॉटसन स्कूल मधुबनी के परिसर में होना है। इस दौरान दिनांक 20 मार्च और 22 मार्च 2025 को 11 बजे दिन से स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होनी है। इस परिप्रेक्ष्य में आज वॉटसन स्कूल के हॉल में उक्त प्रस्तुतियों में भाग लेने वाले नवयुवक नवयुवतियों को ह्लपरफॉरमेंस स्क्रीनिंगह्व के तहत चयनित किया गया। उक्त गतिविधि का निरीक्षण करने पंहुचे सदर अनुमण्डल पदाधिकारी अश्वनी कुमार ने चयन समिति को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी योग्य नवयुवक नवयुवतियों को अपना कौशल दिखाने का अवसर मिले। उन्होंने मिथिला महोत्सव और बिहार दिवस के ज़िला स्तरीय कार्यक्रम को सफल बनाने में युवाओं के प्रयास की सराहना भी की।उन्होंने उम्मीद जताई कि 20 और 22 मार्च को भव्य कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी।

उक्त अवसर पर मीडिया संभांग प्रभारी, समग्र शिक्षा अभियान, कुमारी रीना, एडीपीसी, समग्र शिक्षा अभियान, सुजीत कुमार सिंह, चयन समिति के सदस्य उमेश कुमार, डॉ अभिषेक कुमार, डॉ मीनाक्षी कुमारी, मधु कुमारी, डॉ शिवनारायण मिश्र, प्रेरणा कुमारी, सार्थक सुमन, सुधा कुमारी, शहाबुद्दीन, रिंकी कुमारी एवं वॉटसन स्कूल के प्राचार्य अजीत कुमार साहू आदि मौजूद थे। इस दौरान शिवगंगा बालिका उच्च विद्यालय, रिज़िनल सेकेंडरी, आईपीएस, क्रिएटिव पब्लिक स्कूल, जीएमएसएस उच्च विद्यालय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिमरी पश्चिम, राज सेमिनरी आदि से मीनाक्षी प्रभा, अंशु प्रिया, हर्षिता, स्नेहा झा, वैभव मिश्र, अदिति आर्या, आम्या झा, सुहानी कुमारी, साक्षी कुमारी सहित बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया

जॉन्टी रोड्स करेगें डॉ सुनील सिंह को नेशनल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पटना, शिक्षा और खेल की दुनियां में अहम पहचान रखने वाले डॉ. सुनील कुमार सिंह, साऊथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच जॉन्टी रोड्स के द्वारा नेशनल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किए जायेंगे।

22 मार्च 2025 को आईपीएल के उद्घाटन मैच के दिन दिल्ली के पांच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में भव्य आयोजन के दौरान शिक्षाविद् और क्रिकेटर सुनील कुमार सिंह को उनके शिक्षा और खेल में बेहतरीन योगदान के लिए विश्व के निर्विवाद नंबर एक फील्डर जॉन्टी रोड्स के द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

प्रसिद्ध जेनिथ कॉमर्स एकेडमी और आईआईएम वाला के फाउंडर और विख्यात शिक्षाविद डॉ. सुनील कुमार सिंह पिछले 25 वर्षों से कॉमर्स और मैनेजमेंट के छात्र - छात्राओं को पढ़ा रहे हैं।50000 से ज्यादा स्टूडेंट्स को पढ़ा चुके डॉ. सुनील अनगिनत चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, बैंकर्स और मैनेजर्स बना चुके हैं।

बिहार और झारखंड में पिछले 20 वर्षों से डॉ. सुनील पुरुष और महिला क्रिकेट टूनामेंट आयोजित करवाते आ रहे हैं, जेनिथ प्रीमियर लीग के नाम से श्री सुनील के द्वारा कई टूनामेंट आयोजित किया गया है जिसमें भारत के मशहूर क्रिकेट खिलाड़ी ईशान किशन और झारखंड रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी शशिम राठौड़ खेल चुके हैं।कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित डॉ सुनील सिंह को भारत के पूर्व क्रिकेटर और कप्तान सुनील गावस्कर भी सम्मानित कर चुके हैं

युवाओं को जाति, धर्म के नाम पर गुमराह कर रही है सरकार: अनिल अंजान

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

- शाम्हो में पुल के नाम पर युवाओं को वर्षों से ठगा जा रहा :- अभिनव
- शाम्हो एआईवाईएफ का दूसरा अंचल सम्मेलन संपन्न, पंद्रह सदस्यीय अंचल कमिटी गठित, सर्वसम्मति से राहुल अध्यक्ष एवं सुमन सचिव चुने गये

शाम्हो। राज्य और केंद्र सरकार युवाओं को गुमराह कर सिर्फ वोट लेती है उनके रोजगार के लिए कोई योजना नहीं है। केंद्र सरकार सरकारी बहाली बंद कर निजीकरण कर रही है। युवाओं को जाति, धर्म, मजहब के नाम पर बाँटा जा रहा है। आज तक काम के अधिकार को मौलिक अधिकार में शामिल नहीं किया गया है। युवा आयोग का गठन नहीं किया गया है। इन सारे सवालों को लेकर युवाओ से संघर्ष को तेज करने की जरूरत है। उपर्युक्त बातें शाम्हो के नारायणपुर सामुदायिकके दूसरे अंचल सम्मेलन में उद्घाटन भाषण करते हुए पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार अंजान ने कहा। बड़ी संख्या में मौजूद नौजवानों को ललकारते हुए उन्होंने कहा कि नौजवान अगर जाग गये तो सरकार को धूल चटाती है और उखाड़कर फेक देती है। मौजूदा ये सरकार ने अब तक सिर्फ नौजवानों को ठगने का काम किया है। अंचल सम्मेलन के दौरान झंडोत्तोलन कर बतौर पर्यवेक्षक जिला संयोजक सह प्रदेश उपाध्यक्ष अभिनव कुमार अकेला ने कहा कि इस इलाके के युवाओं को पुल और डिग्री कॉलेज के नाम पर वर्षों से सरकार ठग रही है। देश प्रदेश की सरकारें बेलगाम हो गई है। नौजवानों को कहीं रोजगार नहीं मिल रहा है। एआईवाईएफ लगातार सभी नौजवानों को रोजगार मिले एवं बेरोजगारी भत्ता 10000 रुपए प्रति माह मिले इसकी लड़ाई लड़ रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के रोजगार के लिए भगत सिंह राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून लागू करवाने के लगातार संघर्षरत है। नौजवानों के हित तथा अधिकारों के लिए भगत सिंह के आदर्शों पर चलने वाला एआईवाईएफ देश का एकमात्र युवा हितैषी संगठन है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर एआईवाईएफ का 18वाँ राज्य सम्मेलन 22 से 24 मार्च 2025 को बेतिया में होने जा रहा है। इस अवसर पर बिहार में एक मजबूत युवा आंदोलन की शुरूआत करने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। अंचल सम्मेलन में 15 सदस्यीय अंचल कमिटी गठित किया गया जिसके सर्वसम्मति से राहुल कुमार अध्यक्ष, सुमन कुमार उर्फ खड़हा सचिव, धर्मेन्द्र कुमार, विक्रम कुमार सह सचिव, एवं मनोज कुमार, ललित कुमार उपाध्यक्ष चुने गये। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वामपंथी नेता अशोक कुमार ने कहा कि शाम्हो दिवाराइलाके के लोग पुल के लिए वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सत्ताधारी दलों के नेताओं द्वारा लगातार विश्वासघात किया जा रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सर्वसम्मति से अंचल सम्मेलन में शाम्हो पुल निर्माण करने, डिग्री कॉलेज को शीघ्र शुरू करने, अस्पताल का आधुनिकीकरण करने संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया।

अंचल सम्मेलन के दौरान हमारा उद्देश्य भगत सिंह के सपनों का देश, शाम्हो में पुल निर्माण करो, डिग्री कॉलेज शीघ्र चालू करो, शहीदों के रास्ते आगे बढ़ो, नौजवान एकता जिंदाबाद आदि जमकर नारेबाजी कर रहे थे। शाम्हो अंचल सम्मेलन की अध्यक्षता धर्मेंद्र पासवान ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन घूरन राम ने किया सम्मेलन में राजीव पासवान पूर्व उपप्रमुख, शंकर पासवान, सुमन कुमार, वकील पासवान, राजेंद्र पासवान, दशरथ कुमार, अशोक पासवान, राजराम साह, मनोज यादव, कृष्णदेव झा, नित्यानंद यादव आदि ने संबोधित किया।भवन में आयोजित एआईवाईएफ

जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ बैठक

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचक सूची का 7 जनवरी 2025 को हुआ अंतिम प्रकाशन, अद्यतन मतदाता सूची में जिला में कुल 3114704 मतदाता इस कैलेंडर वर्ष में निर्वाचन सूची में पंजीकरण के लिए 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर भी है अर्हता तिथि, अंतिम प्रकाशन के बाद भी मतदाता सूची के सतत अद्यतीकरण की प्रक्रिया है जारी।छपरा , जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर की अध्यक्षता में आज विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहुत की गई।

बताया गया कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचन सूची का अंतिम प्रकाशन 7 जनवरी 2025 को किया गया।अद्यतन मतदाता सूची में सारण जिला के कुल 3039 मतदान केंद्रों में 3114704 मतदाता शामिल हैं।इसमें महिला मतदाता की संख्या 1499438, पुरुष मतदाता की संख्या 1615253 तथा अन्य मतदाता की संख्या 13 है। अद्यतन मतदाता सूची का लिंगानुपात बढ़कर 928 हो गया है। 7 जनवरी को प्रकाशित फाइनल सूची में लिंगानुपात 912 था।इस सूची में 18-19 आयुवर्ग के 36373 मतदाता शामिल हैं। इस कैलेंडर वर्ष में निर्वाचन सूची में पंजीकरण के लिए 1 जनवरी के अतिरिक्त 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर भी अर्हता तिथि निर्धारित है। अंतिम प्रकाशन के बाद भी मतदाता सूची के सतत अद्यतीकरण की प्रक्रिया जारी है। जिसके तहत कोई भी अर्हता प्राप्त व्यक्ति निर्वाचक सूची में परिवर्द्धन, विलोपन एवं संशोधन हेतु आवेदन कर सकता है। बताया गया कि सारण जिला में 15 दिसंबर 2024 से 17 मार्च 2025 की अवधि में 45554 फॉर्म-6, 23638 फॉर्म-7 तथा 18252 फॉर्म-8 प्राप्त किये गये हैं, जिनका निष्पादन किया गया है।

निर्वाचन सूची के सतत अद्यतीकरण प्रक्रिया के तहत अधिक से अधिक छूटी हुई महिलाओं एवं युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने हेतु सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों से भी सक्रिय सहयोग का अनुरोध किया गया।

सभी राजनीतिक दलों को सभी मतदानकेन्द्रों पर बीएलए की नियुक्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया।

बैठक में उपनिर्वाचन पदाधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मशरक में अलग-अलग घटनाओं में पीड़ितों को सीओ ने सौंपा मुवाअजा का चेक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में सीओ सुमंत कुमार ने मदारपुर पंचायत में अलग-अलग घटनाओं में पीड़ित को बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के तरफ से मुवाअजा का चेक सौंपा। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि मदारपुर पंचायत के मदारपुर गांव के अग्निकांड पीड़ित एक दर्जन परिवार को मुवाअजा का आठ-आठ हजार रुपए का चेक सौंपा गया। वहीं मगुरहा गांव में आकाशीय बिजली गिरने से मृतक मीरा देवी पति स्व हृदयानंद सिंह के पुत्र अजय कुमार को चार लाख रुपए का चेक सौंपा गया। मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के बेन छपरा गांव निवासी विकास कुमार सिंह की सड़क दुघर्टना में मौत हो गई थी जिसमें मृतक के आश्रित पत्नी सोनम देवी को मुवाअजा का 4 लाख रुपए का चेक सौंपा गया। सीओ ने बताया कि सभी पीड़ित परिवार को बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से मुवाअजा दिया गया। वहीं उन्होंने उपस्थित सभी से गर्मी के बढ़ते प्रभाव और तेज हवा में आग लगने की घटनाओं से बचाव के उपाय रखने को हिदायत दी वहीं उन्होंने उपस्थित महिलाओं को हिदायत दी कि घर के सभी सदस्यों को सड़कों पर बाइक चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

जिले के टॉप 05 में शामिल स्प्रीट माफिया शंभू पटेल मशरक के गोपालवाड़ी से गिरफ्तार गिरफ्तार

संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

- गिरफ्तार के दौरान पुलिस बल पर हमला, थानाध्यक्ष समेत अन्य जवान घायल

मशरक (पंकज कुमार सिंह की खबर) सारण एसपी (ग्रामीण) शिखर चौधरी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया 15 दिसम्बर 2024 को गुप्त सूचना के आधार पर तरैया थाना द्वारा एक 22 चक्का हाइवा एवं एक चार चक्का किया लक्जरी वाहन पकड़ी गई थी, जिसमे कुल 6048 लीटर स्प्रिट शराब बरामद कर तरैया थाना कांड सं० 462/24 दर्ज कर 03 प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।जिसमें बड़ा स्प्रीट व्यापारी गुड्डू तिवारी उर्फ तपसी तिवारी उर्फ बाबा, पिता-ललन तिवारी, साकिन-हरपुर कोठी, थाना-जनता बाजार, जिला-सारण (जिस पर पुरे सारण रेंज के कई थानों में डेढ़ दर्जन कांड दर्ज है) को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।इसी क्रम में अनुसंधान के क्रम में 17 मार्च 2025 को तरैया थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि तरैया थाना कांड सं0- 462/24 के 6048 ली० स्प्रीट कारोबार में संलिप्त वांछित अभियुक्त शंभू पटेल अपने घर मशरक के गोपालबाड़ी आया हुआ है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तरैया थाना एवं मशरक थाना द्वारा शंभू पटेल के घर को घेराबंदी कर छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में वांछित अभियुक्त शंभू पटेल को गिरफ्तार किया गया। उक्त अभियुक्त के गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के परिजनों एवं अन्य सहयोगियों द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त को छुड़वाने का प्रयास किया गया एवं जबरन धक्का मुक्की की गयी।इस संबंध में 06 नामजद एवं 10-15 अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध मशरक थाना कांड संख्या 112/25 दर्ज कर मशरक के गोपालवाड़ी गांव निवासी शंभू पटेल, पिता-बिगन प्रसाद, रोहित कुमार, पिता-शंभू पटेल, हरेन्द्र प्रसाद यादव उर्फ बंटी यादव, पिता-जगरनाथ प्रसाद यादव,शंकर प्रसाद, पिता स्व० बिगन प्रसाद को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त शंभू पटेल पर मशरक थाने में आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। छापेमारी अभियान में डीएसपी अमरनाथ, इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, थानाध्यक्ष मशरक रणधीर कुमार, तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह समेत अन्य पुलिस बल मौजूद रहें।

बसडीहा निवासी विनय पासवान के 13 वर्षीय पुत्री कोमल पासवान की मृत्यु हो गई थी। श्री अरुण भारती ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (रा) जमुई सांसद अरुण भारती के नेतृत्व में जांच दल औरंगाबाद जिले के नवीनगर थाना अंतर्गत बसडीहा गांव पहुंचा जहां तीन दिन पूर्व नवीनगर के बसडीहा निवासी विनय पासवान के 13 वर्षीय पुत्री कोमल पासवान की मृत्यु हो गई थी। श्री अरुण भारती ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने दूरभाष पर पीड़ित परिवार वालों से बात करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। मैं और मेरी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आपके साथ मजबूती से खड़ी है। पुलिस इस घटना की गहराई से जांच कर रही है और जो भी इस घटना में दोषी है उसे बख्शा नहीं जाएगा। कोमल मेरी परिवार के सदस्य के तरह थी। न्याय के इस लड़ाई में हम हर कदम पर आपके साथ हैं। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से भी मिलकर उन्हें इस घटना की जानकारी दूंगा।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि जांच दल में प्रधान महासचिव संजय पासवान , प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्रा, प्रदेश प्रवक्ता सौरभ सिंह,प्रदेश महासचिव चंदन पासवान, पंकज पासवान, सरून पासवान, औरंगाबाद जिला अध्यक्ष सोनू सिंह, महिला प्रदेश अध्यक्ष शोभा पासवान, अति पिछड़ा प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, एससी/एसटी प्रदेश उपाध्यक्ष लालबाबू पासवान, एससी/एसटी जिला अध्यक्ष जितेंद्र पासवान उपस्थित थे।

आंदोलन की ताकत से ही जनसमस्याओं का निदान संभव : नागेंद्र

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

- जेपी सेनानियों के संगठन 74 के लोग की बैठक आयोजित

सीतामढ़ी । शहर के गांधी मैदान लोहिया आश्रम में बिहार आंदोलन की 51 वीं वर्षगांठ पर जेपी सेनानियों के संगठन 74 ।के लोग की बैठक आयोजित हुई ।बैठक में छात्रों के आंदोलन के रूप में शुरू इस आंदोलन की मूल मांगों, भ्रष्टाचार, मंहगाई, कुशिक्षा और बेरोजगारी को चुनौती के रूप में लेने की अपील करते हुए युवा पीढ़ी से आगे आने का आह्वान किया गया। बैठक की अध्यक्षता डा रमाशंकर प्रसाद ने की ।बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ जेपी सेनानी नागेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि आंदोलन की ताकत से ही जनसमस्याओं का निदान संभव है । आवश्यकता है कि मुद्दों पर संघर्ष का हौसला कायम रहे। डॉ ब्रजेश कुमार शर्मा ने आंदोलन के औचित्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जाति और सम्प्रदाय के आधार पर चल रही वर्तमान राजनीति को जनमुद्दों की धुरी पर वापस लाने की जरूरत बताई। अधिवक्ता तेजनारायण यादव ने पहले से ज्यादा विकट स्थिति होने और मुद्दों को लेकर फिर से गोलबंदी की जरूरत बताई ।रमेश कुमार ने कहा कि आज की राजनीतिक स्थिति को बदलने के लिए फिर से छात्र आंदोलन और जनांदोलन ही एक मात्र विकल्प है। अरुण गोप ने कहा कि संसदीय राजनीति पर आंदोलन का अंकुश आवश्यक है। बैठक को अरुण कुमार श्रीवास्तव, गौरीशंकर शास्त्री,

सीतामढ़ी विधायक ने सदन में उठाया आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से नियुक्त कार्मिकों के वेतन भुगतान का मुद्दा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- विभागीय कार्यों के निष्पादन को शिक्षा विभाग में आउटसोर्सिंग एजेंसी से नियुक्त किए गए

मो अरमान अली। सीतामढ़ी। नगर विधायक डा मिथिलेश कुमार ने बिहार विधान सभा सदन में शिक्षा मंत्री से वर्ष 2023 में विभागीय कार्यों के निष्पादन के लिए शिक्षा विभाग में आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से जिला स्तर की इकाई डीपीएमयू के अन्तर्गत नियुक्त डीपीएम, आईसीटी , प्रोग्रामर और अकाउंट असिस्टेंट एवं प्रखण्ड स्तर की इकाई बीपीएमयू के अन्तर्गत नियुक्त बीपीएम, बीआरपी, डाटा इंट्री ऑपरेटर, अकाउंट असिस्टेंट और एमटीएस के वेतन भुगतान की मांग की है। विधायक ने कहा कि सीतामढ़ी जिला के डुमरा एवं सीतामढ़ी नगर निगम क्षेत्र सहित सभी प्रखंडों में आउटसोर्सिंग के तहत बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं। इनके द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन भी किया जा रहा है, लेकिन वेतन ससमय नहीं मिलने के कारण इनके समक्ष आर्थिक संकट आ गया है। क्या सरकार उक्त कर्मियों को ससमय वेतन का भुगतान कराने का विचार रखती है।इस बाबत शिक्षा मंत्री ने बताया कि बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना पत्रांक 1224 दिनांक 17.03.2025 द्वारा प्रतिवेदित किया है कि विभिन्न प्रखण्ड संसाधन केन्द्रों में वाह्य एजेंसियों के तहत आउटसोर्सिंग के माध्यम से कुल 218 लेखा-सहायक-सह-डाटा इन्ट्री ऑपरेटर तथा कुल 277 एमटीएस की सेवा मात्र एक वर्ष के लिए प्राप्त किया गया है, जिसके विरूद्ध संबंधित एजेंसी के साथ किए गए एकरारनामा के आलोक में मानदेय राशि का भुगतान किया जा चुका है। वहीं जिला स्तर की इकाई डीपीएमयू के अन्तर्गत नियुक्त डीपीएम, डीपीएम आईसीटी , प्रोग्रामर और अकाउंटिंग ऑपरेटर, अकाउंट असिस्टेंट को समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2024-25 अन्तर्गत स्वीकृत बजटीय प्रावधान के विरूद्ध ससमय मानदेय भुगतान के लिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना के द्वारा सभी जिलों को आदेश संसूचित किया गया है। जबकि प्रखण्ड स्तर की इकाई बीपीएमयू के अन्तर्गत स्वीकृत पांच पांच बीआरपी के पद के विरूद्ध समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट अन्तर्गत बजटीय प्रावधान स्वीकृत है। उक्त स्वीकृत राशि से कार्यरत बीआरपी (सेवानिवृत शिक्षक अथवा आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से नियुक्त कार्मिक) को ससमय वेतन भुगतान करने के लिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना के पत्रांक 1582 दिनांक 30.03.2024 के द्वारा सभी जिलों को आदेश संसूचित है ।जिलों के द्वारा उपरोक्त विवरण के कार्मिकों को ससमय भुगतान की कार्रवाई की जा रही है।

संगठन को मजबूत बनाने में कार्यकताओं का अहम योगदान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मनराजी चौपाल एवं संचालन प्रखंड अध्यक्ष उपेन्द्र राय ने किया। बिहार प्रदेश जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष डॉ. शहजाद मंजर ने संगठन की मजबूती व बूथ कमेटी के गठन पर बल देते हुए ग्रास रूट पर संगठन के पंचायत स्तर तक की कमेटी के साथ - साथ निर्धारित समय के अंदर बूथ कमेटी का गठन करने और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कामों को घर घर पहुंचाने का आवहान किया।

(दरभंगा):- केवटी प्रखंड जदयू के जिला संगठनात्मक प्रभारी केदारनाथ भंडारी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पंचायत व बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करें। कार्यकताओं के बल पर ही कोई भी पार्टी सुचारु रूप से चलती है। मुख्यालय स्थित केवटी पंचायत (पुराना) भवन परिसर में आयोजित प्रखंड स्तरीय कार्यकताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मनराजी चौपाल एवं संचालन प्रखंड अध्यक्ष उपेन्द्र राय ने किया। बिहार प्रदेश जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष डॉ. शहजाद मंजर ने संगठन की मजबूती व बूथ कमेटी के गठन पर बल देते हुए ग्रास रूट पर संगठन के पंचायत स्तर तक की कमेटी के साथ - साथ निर्धारित समय के अंदर बूथ कमेटी का गठन करने और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कामों को घर घर पहुंचाने का आवहान किया। विधानसभा प्रभारी कंचन पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खासकर मिथिलांचल के सवार्गीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। यह कि कार्यकर्ता सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की सही जानकारी गांव-गांव में घूम -घूम कर आम जनता को दें। साथ ही आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही इसकी तैयारी में जुट जाए। बैठक में हम श्रमिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रमण कुमार मिश्रा, पूर्व पंसस मोहम्मद शमीम अंसारी रामचन्द्र बैठा, सत्यनारायण यादव, रवि शंकर पासवान, गोपी पासवान, दिनेश राय, संजय साफी आदि मौजूद थे।

डोनाल्ड ट्रम्प की ह्यटैरीफ युद्ध की धमकी और भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,बिहार अमेरिका ने 2 अप्रैल से भारत के आयात पर प्रतिकारात्मक कर (फ्रीस्त्र१ड्ढ' ळंश्चा२) लगाने का ऐलान किया है, जो दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। जिस नीति का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खाका खींचा है, उसका उद्देश्य यह है कि अमेरिका के निर्यात पर जो भारत का टैरीफ संरचना है, उसे समान किया जाए और भारत के सामान या सेवाओं पर जो अमेरिका को निर्यात की जाती हैं, उन पर समान शुल्क लगाया जाए।

ट्रम्प ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा:

ह्यभारत हमसे 100% टैरीफ लेता है, यह सिस्टम अमेरिका के लिए न तो न्यायपूर्ण था, न है, और न रहेगा।ह्ल उनके अनुसार 2 अप्रैल से प्रतिकारात्मक कर (फ्रीस्त्र१ड्ढ' ळंश्चा२) लागू हो जाएंगे, इसका मतलब यह है कि भारत जितना कर अपने अमेरिकी आयात पर लगाता है, अमेरिका भी उतना ही कर भारत से अपने यहां आयात होने वाले सामानों पर लगाएगा। डोनाल्ड ट्रम्प का यह भी कहना है कि यदि भारत अपने बाजार से हमें रोकने के लिए गैर-मौद्रिक टैरीफ का उपयोग करता है, तो हम भी उन्हें अपने बाजार से रोकने के लिए गैर-मौद्रिक बाधाएं लगा देंगे।

प्रतिकारात्मक कर (फ्रीस्त्र१ड्ढ' ळंश्चा२) का मतलब यह है कि दो देश एक-दूसरे के सामानों पर टैरीफ (आयात पर कर) लगाते हैं, जब एक देश यह समझता है कि दूसरा देश उसके निर्यात पर अन्यायपूर्ण व्यापार (अनफेयर ट्रेड्स) पर बाधाएं या टैरीफ लगा रहा है। प्रतिकारात्मक कर (फ्रीस्त्र१ड्ढ' ळंश्चा२) को लागू करके प्रत्येक देश दूसरे के क्रियाओं का जवाब देता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यह निर्णय व्यापार असंतुलन का कारण बन रहा है।

राष्ट्रपति ट्रम्प को लगता है कि भारत की व्यापार नीतियां ऐसी हैं जो अमेरिकी कंपनियों को भारत में न्यायपूर्ण प्रतिस्पर्धा (फेयर कॉम्पिटिशन) करने से रोक रही हैं, जैसे कि उनके अधिक टैरीफ या नियामक बाधाओं से पता चलता है। टैरीफ लगाना एक तरीका हो सकता है जिससे अमेरिकी व्यापार और सामानों को भारत के बाजार तक अधिक से अधिक पहुंचाया जा सके क्योंकि आज भारत एक बहुत बड़ा बाजार है। अमेरिका भारत की कृषि सब्सिडी नीति को भी चुनौती दे सकता है, जो वैश्विक व्यापार में असमान वातावरण बना रही है। भारत का अपने

सीए. एस.आई. मेहदीनेहाल
चार्टर्ड अकाउंटेंटभीकपुर ,सीवान

कृषि क्षेत्र को सब्सिडी देने का लंबा तरीका है, जो अमेरिका जैसे व्यापारिक साझेदारों के लिए तनाव का कारण बन सकता है। आज राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरीफ युद्ध पर कनाडा, चीन, मेक्सिको और फ्रांस ने कड़ी आपत्ति जताई है, लेकिन भारत ने अभी तक चुप्पी साधी हुई है। अमेरिका चाहता है कि भारत ऑटोमोबाइल क्षेत्र पर 0% टैरीफ कर दे, नहीं तो अमेरिका भी उतना ही टैरीफ लगाएगा जितना भारत लगाता है। यदि भारत अमेरिका के दबाव में आकर टैरीफ घटा देता है, तो भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। दूसरी ओर, रत्न व्यापारियों को चिंता है कि डायमंड पर अमेरिका में 0% टैरीफ है जबकि भारत में 5% टैरीफ है। अब अगर अमेरिका टैरीफ लगाता है, तो पहले से ही बुरे हालात झेल रही डायमंड इंडस्ट्री को एक और मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 मार्च को कनाडा और मेक्सिको पर 25% टैरीफ लगाने का एक्जीक्यूटिव ऑर्डर साइन किया। चीन के लिए भी एक नया ऑर्डर साइन किया गया है, जिसमें टैरीफ को 10% से बढ़ाकर 20% कर दिया गया है। यह समझा जा रहा है कि अमेरिका का प्रभावी टैरीफ दर 1940 के बाद से अपनी सबसे अधिक स्तर पर है।

भारत की अर्थव्यवस्था पर टैरीफ युद्ध का प्रभाव:

इस साल की शुरूआत में इंडिया रेटिंग्स और रिसर्च (क्ल्ला-फं) ने अनुमान लगाया था कि यदि प्रतिस्थापन टैक्स (फ्रीस्त्र१ड्ढ' ळं७) लागू हो जाते हैं, तो ऋ26 में भारत का अमेरिकी निर्यात 2 बिलियन से लेकर 7 बिलियन तक गिर सकता है। भारत से अमेरिका को जो उत्पाद निर्यात किए जाते हैं, उन पर टैरीफ लगने से उनकी लागत बढ़ जाएगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धा अमेरिकी बाजार में कम हो सकती है। भारत के प्रमुख निर्यात जैसे वस्त्र, रसायन, मशीनरी और कृषि उत्पाद सीधे प्रभावित हो सकते हैं। जो उद्योग अमेरिकी बाजार पर ज्यादा निर्भर रहते हैं, जैसे वस्त्र, स्टील, और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं, उनकी वृद्धि और लाभ धीमी हो सकती है। उदाहरण के लिए, भारत वस्त्रों का एक बड़ा निर्यातक है और टैरीफ लगने से उनके उत्पादों की लागत बढ़ जाएगी, और यह अमेरिकी उपभोक्ताओं को अपनी तरफ आकर्षित नहीं कर पाएंगे, जिससे भारतीय सामानों की लोकप्रियता अमेरिका में कम हो सकती है।

ट्रम्प की टैरीफ धमकियों के जवाब में भारत टैरीफ बढ़ाने के प्रभावों को कम करने के तरीके तलाश रहा है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि वे विभिन्न उत्पादों जैसे कार, रसायन, कृषि उत्पाद और फार्मास्युटिकल्स पर टैरीफ में कमी करने के संभावनाओं पर बातचीत कर रहे हैं। यह बातचीत इन हालिया छूटों से आगे बढ़कर है जो भारत ने पहले ही की हैं, जैसे महंगी मोटरसाइकिल और विस्की पर टैरीफ कम करना।

बेगूसराय जिला पदाधिकारी ने जिले में तीन पीपा पुल निर्माण को लेकर सरकार को भेजा प्रस्ताव

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

- अयोध्या मिथिला गंगा धाम घाट पर पीपा पुल निर्माण से क्षेत्र वासियों में खुशी की लहर
- दियारा क्षेत्र के लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा

जिला पदाधिकारी बेगूसराय श्री तुषार सिंगला द्वारा बेगूसराय बेगूसराय जिले में तीन पीपा पुल निर्माण हेतु अपर मुख्य सचिव पथ निर्माण विभाग, को प्रस्ताव भेजा प्रस्ताव में बताया गया है कि बेगूसराय जिला एवं बेगूसराय के बड़ोसी जिला के जनता को गंगा नदी के प्रवाह के कारण बेगूसराय मुख्य शहर एवं पटना आने-जाने में अधिक दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे आम लोगों का समय काफी बर्बाद होता है।

कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण, विभाग पथ प्रमंडल बेगसूराय के पत्रांक 266 दिनांक 17.02.2025 द्वारा बेगूसराय में तीन पीपा पुल का प्रस्ताव अनुमानित लागत सहित जिला पदाधिकारी को उपलब्ध कराया गया, जिसके आलोक में जिला पदाधिकारी द्वारा अपर मुख्य सचिव पथ निर्माण विभाग बिहार, पटना को प्रस्ताव भेजा गया है। तीनों पीपा पुल का पहुंच पथ है। सहित अनुमानित प्रस्तावित लागत 71.82 करोड़ रुपए है। जिसमें शाम्हो प्रखंड को बेगूसराय जिला से जोड़ने हेतु शाम्हो प्रखंड से मटिहानी प्रखंड तक पीपा पुल का निर्माण, तेघड़ा प्रखंड के अयोध्या घाट पर पीपा पुल का निर्माण, बछवाड़ा प्रखंड के झमटिया घाटप्रशासनपर पीपा पुल का निर्माण शामिलबतातें चलें कि वर्तमान में शाम्हों प्रखंड की आम जनता को बेगूसराय जिला मुख्यालय आने के लिए सूर्यगढ़ा, लखीसराय, बड़हिया, हथिदह, राजेन्द्र पुल होते हुस जीरोमाईल के रास्ते आना पड़ता है, जिसकी दूरी लगभग 70 किलोमीटर है जिसेतय करने में लोगों को दो घंटे से अधिक का समय लगता है। उक्त पीपा पुल के निर्माण हो जाने से आमजनों को बेगूसराय जिला मुख्यालय आने के लिए मात्र 16 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी। वहीं तेघड़ा प्रखंड के आमजनों को पटना जाने हेतु बरौनी जीरोमाईल, राजेन्द्र पुल, मोकामा, बाढ़ एवं बख्तियारपुरहोते हुए लगभग 127 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है जिसमें तीन से चार घंटे का समय लगता है।अयोध्या घाट पर पीपा पुल के निर्माण हो जाने से तेघड़ा प्रखंड के अयोध्या हरिहरपुर, बदलपुरा, दुलारपुर, हसनपुर, पिढ़ौली, चकदेहपुर एवं रसलपुर के आमजन सीधे गंगा नदी पार करते हुए बाढ़ प्रखंड होते हुए पटना जिला मुख्यालय पहुंच सकेंगे, जिससे दूरी लगभग 67 किलोमीटर हो जायेगी और आम लोगों को यातायात में काफी सहुलियत होगी। इसी प्रकार बछवाड़ा प्रखंड के आमजनों को पटना जाने हेतु तेघड़ा, बरौनी जीरोमाईल, राजेन्द्रपुल, मोकामा बाढ़ एवं बख्तियारपुर होते हुए पटना जाने में लगभग 140 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है जिसमें लोगों को 4 से 5 घंटे का समय लगता है। झमटिया घाट पर पीपा पुल के निर्माण हो जाने से बछवाड़ा प्रखंड के नारेपुर दियारा, यादव टोला, श्रवण टोला, रानी चामूबन ढाला, मुरलीटोल फतेहा, बछवाड़ा एवं रानी के आम लोग सीधे गंगा पार करके बख्तियारपुर होते हुए पटना जा सकते है, जिससे दूरी घटकर मात्र 60 किलोमीटर हो जायेगी।बेगूसराय जिला के शाम्हो प्रखंड, मटिहानी प्रखंड, तेघड़ा प्रखंड, बछवाड़ा प्रखंड को पटना जिला के बाढ़ प्रखंड से पीपा पुल के साथ कनेक्टिवीटी होने से दियारा क्षेत्र सहित आस-पास के आम जनता को आगवामन में कम दूरी तय करना पड़ेगा एवं समय की भी काफी बजत होगी। दूरी कम हो जाने से दियारा क्षेत्र के लोगों को रोजगार के अवसर भी बढ़ेगें।

सीतामढ़ी विधायक ने सदन में उठाया आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से नियुक्त कार्मिकों के वेतन भुगतान का मुद्दा

विभागीय कार्यों के निष्पादन को शिक्षा विभाग में आउटसोर्सिंग एजेंसी से नियुक्त किए गए

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

। सीतामढ़ी। नगर विधायक डा मिथिलेश कुमार ने बिहार विधान सभा सदन में शिक्षा मंत्री से वर्ष 2023 में विभागीय कार्यों के निष्पादन के लिए शिक्षा विभाग में आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से जिला स्तर की इकाई डीपीएमयू के अन्तर्गत नियुक्त डीपीएम, आईसीटी , प्रोग्रामर और अकाउंट असिस्टेंट एवं प्रखण्ड स्तर की इकाई बीपीएमयू के अन्तर्गत नियुक्त बीपीएम, बीआरपी, डाटा इंट्री ऑपरेटर, अकाउंट असिस्टेंट और एमटीएस के वेतन भुगतान की मांग की है।विधायक ने कहा कि सीतामढ़ी जिला के डुमरा एवं सीतामढ़ी नगर निगम क्षेत्र सहित सभी प्रखंडों में आउटसोर्सिंग के तहत बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं। इनके द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन भी किया जा रहा है, लेकिन वेतन ससमय नहीं मिलने के कारण इनके समक्ष आर्थिक संकट आ गया है।क्या सरकार उक्त कर्मियों को ससमय वेतन का भुगतान कराने का विचार रखती है। इस बाबत शिक्षा मंत्री ने बताया कि बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना पत्रांक 1224 दिनांक 17.03.2025 द्वारा प्रतिवेदित किया है कि विभिन्न प्रखण्ड संसाधन केन्द्रों में वाह्य एजेंसियों के तहत आउटसोर्सिंग के माध्यम से कुल 218 लेखा-सहायक-सह-डाटा इन्ट्री ऑपरेटर तथा कुल 277 एमटीएस की सेवा मात्र एक वर्ष के लिए प्राप्त किया गया है, जिसके विरूद्ध संबंधित एजेंसी के साथ किए गए एकरारनामा के आलोक में मानदेय राशि का भुगतान किया जा चुका है। वहीं जिला स्तर की इकाई डीपीएमयू के अन्तर्गत नियुक्त डीपीएम, डीपीएम आईसीटी , प्रोग्रामर और अकाउंटिंग ऑपरेटर, अकाउंट असिस्टेंट को समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2024-25 अन्तर्गत स्वीकृत बजटीय प्रावधान के विरूद्ध ससमय मानदेय भुगतान के लिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना के द्वारा सभी जिलों को आदेश संसूचित किया गया है।जबकि प्रखण्ड स्तर की इकाई बीपीएमयू के अन्तर्गत स्वीकृत पांच_ पांच बीआरपी के पद के विरूद्ध समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट अन्तर्गत बजटीय प्रावधान स्वीकृत है। उक्त स्वीकृत राशि से कार्यरत बीआरपी (सेवानिवृत शिक्षक अथवा आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से नियुक्त कार्मिक) को ससमय वेतन भुगतान करने के लिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना के पत्रांक 1582 दिनांक 30.03.2024 के द्वारा सभी जिलों को आदेश संसूचित है।जिलों के द्वारा उपरोक्त विवरण के कार्मिकों को ससमय भुगतान की कार्रवाई की जा रही है।

नाला ओवरफ्लो से सड़कों पर गंदा पानी

किशनगंज। कालू चौक स्थित वार्ड नंबर-32 में नाला टूटने से गंदा पानी सड़कों पर फैल गया है। इस समस्या से खगड़ा मेला और सब्जी मंडी तक का क्षेत्र प्रभावित हुआ है। एक सप्ताह से पुरानी नाली के टूटने और नाला भर जाने से दूषित पानी सड़कों पर बह रहा है। यह रास्ता मच्छमाड़ा, पासवान टोला और कर्बला चौक को जोड़ता है। स्थानीय लोग और वाहन चालक इस समस्या से परेशान हैं। स्थानीय निवासी तबीला खातून ने बताया कि नगर परिषद ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। रमजान के दौरान लोगों को गंदे पानी को पार कर आना-जाना पड़ रहा है। वार्ड के निवासी मुनासिर आलम के अनुसार, इस मार्ग से नगर परिषद और जिला प्रशासन की गाड़ियां रोज गुजरती हैं। पहले से क्षतिग्रस्त सड़क की समस्या के साथ अब नालियों की समस्या भी जुड़ गई है।खगड़ा मेला में लगी सब्जी की दुकानें और व्यापार इस समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी डर सता रहा है। दस दिन बीत जाने के बाद भी नगर परिषद के किसी भी कर्मचारी ने मौके का मुआयना नहीं किया है।

भीषण आग से तबाही दिघली गांव में 6 से ज्यादा घर जले

किशनगंज। के ठाकुरगंज ब्लॉक अंतर्गत छैतल पंचायत के दिघली गांव से एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई है। एक घर में लगी आग ने आसपास के कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे गांव में हड़कंप मच गया। तेजी से फैली आग की चपेट में कई एक घर में खाना बनाने के दौरान अचानक आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैली और आधा दर्जन से अधिक आवासीय घरों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने तत्काल दमकल विभाग और ठाकुरगंज थाना को सूचना दी। दमकल नहीं पहुंचा, गांववालों ने बुझाई आग दमकल विभाग के नहीं पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने खुद ही आग बुझाने का काम शुरू किया। कई घंटों की कोशिश के बाद गांववालों ने मिलकर आग पर काबू पाया। इससे गांव के अन्य घरों को आग से बचा लिया गया।घरेलू सामान जलकर खाक, दस्तावेज भी जले इस हादसे में घरेलू सामान को भारी नुकसान पहुंचा है। कपड़े, बर्तन, अनाज, धान और मकई पूरी तरह जल गए। कई पुआल के ढेर भी आग की चपेट में आ गए। सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ कि प्रभावित परिवारों के जमीन के कागजात और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जलकर राख हो गए। इससे अब उन्हें कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। प्रभावितों की सरकार से मुआवजे की मांग आग पर काबू पाने के बाद ठाकुरगंज थाना अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अग्नि विभाग मौके पर नहीं पहुंचा। इस घटना में लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवारों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है।

बेंगलुरु से पटना लाया गया 3 मजदूरों का शव

बिहार सरकार देगी 2-2 लाख मुआवजा, होली के दिन हुई थी तीनों की हत्या

बेंगलुरु। से गोपालगंज के तीन मजदूरों का शव मंगलवार को पटना लाया गया। एयरपोर्ट पर श्रम मंत्री संतोष कुमार मौजूद थे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। साथ ही बिहार सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख मुआवजा देने की घोषणा की। मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा, 'तीनों मजदूर एक निर्माण कंपनी में काम करते थे। मजदूरों के बीच आपसी लड़ाई-झगड़े के बाद उनकी मौत हो गई। चूंकि वे मजदूर थे, इसलिए श्रम मंत्रालय शवों को घर तक भेजने के लिए सारा खर्च उठाएगी। परिजनों को 2 -2 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया जाएगा।'मंत्री संतोष सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद एंबुलेंस से डेड बॉडी को गोपालगंज भिजवाया। उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में हमलोग पीड़ित परिवार के साथ हैं। आश्रितों को विभाग की ओर से अनुदान राशि जल्द जारी किए जाएंगे। 'राज्य से बाहर काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा और अधिकारों को लिए जरूरी कदम उठाएंगे। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जल्द ही ठोस उपाय किए जाएंगे। प्रवासी श्रमिकों के लिए बेहतर सुरक्षा और कल्याण योजनाएं लागू की जाएगी।' गोपालगंज के 3 युवक बेंगलुरु में मजदूरी करते थे। होली पर कुछ दोस्तों के साथ मिलकर पार्टी कर रहे थे। इस बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर साथी ने ही चाकू से हमला कर दिया। हत्या करने वाले आरोपी भी गोपालगंज के ही रहने वाले हैं। बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान थावे थाना क्षेत्र के पिठौरी गांव निवासी राधेश्याम यादव (21), अंशु राम और दीपू कुमार (22) के रूप में हुई है। 1 साल से चल रहा था अफेयर घटना के बारे में बताया जा रहा है कि आरोपी सोनू की बहन के साथ अंशु का एक साल से अफेयर चल रहा था। होली वाले दिन सुधीर की बहन का उसके नंबर पर कॉल आया। इसको देखते ही मजाक में अंशू ने कॉल रिसीव कर लिया। इस बात से सुधीर नाराज हो गया। दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। धीरे-धीरे विवाद बढ़ता चला गया और गुस्से में सुधीर ने अंशू पर रॉड से हमला कर दिया। बीच बचाव करने आए राधेश्याम को भी आरोपी सोनू और उसके भांजे सुधीर ने मार डाला। ये घटना एक फ्लैट के 7वें मंजिल पर घटी है। वहीं, घटना के बाद दीपू मौके से भागने की कोशिश करने लगा। तभी दीपू का पीछा करते हुए सुधीर और सोनू तीसरे मंजिल पर पहुंचे और उसकी भी हत्या कर दी।

संक्षिप्त डायरी

नेपाल बॉर्डर पर यूरिया तस्करी का भंडाफोड़

किशनगंज। के टेढ़ागाछ ब्लॉक में सोमवार को यूरिया की कालाबाजारी का खुलासा हुआ। भोरहा गांव में स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर कृषि विभाग की कार्रवाई में यूरिया और खाद का खेप पकड़ा गया। तल्कर इस खेप को नेपाल ले जा रहे थे।यूरिया और खाद तस्करों का पदार्फाशभोरहा पंचायत के भोरहा गांव में स्थानीय ग्रामीणों ने कृषि विभाग को सूचना दिया कि कुछ लोग यूरिया और खाद को नेपाल ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रखंड कृषि समन्वयक सुमंत कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टेढ़ागाछ पुलिस की मदद से की गई कार्रवाई में मौके से 12 बोरा यूरिया और खाद बरामद किया गया। हालांकि, कारोबारी माल छोड़कर फरार हो गया।कार्रवाई जारी, फरार कारोबारी की तलाश कृषि समन्वयक सुमंत कुमार ने बताया कि जब्त किए गए यूरिया और खाद पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार कारोबारी का पता लगा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की कालाबाजारी से किसानों को नुकसान होता है।यूरिया तस्करी कर अवैध रूप से पहुंचा रहे नेपाल किशनगंज से सटा नेपाल बॉर्डर तस्करी को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहता है। अब एक बार फिर ऐसा ही मामला सामने आया है। बिहार से यूरिया को तस्करी कर अवैध रूप से नेपाल पहुंचाया जा रहा है। तस्कर यूरिया को साइकिल और बाइक से नेपाल के बाजार में पहुंचा रहे हैं। इस काले धंधे में भारतीय क्षेत्र के दुकानदार और व्यापारी भी शामिल हैं। दुकानों पर रेट चार्ट या स्टॉक की सूची नहीं होती। इससे किसानों से मनमाना पैसा वसूलना आसान होता है।

नाव हादसा, बाल बाल बचे लोग

कटिहार। के अमदाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह बड़ा नाव हादसा होते-होते बच गया। गदाई दियारा से मनिहारी जा रही परवल से लदी नाव गंगा नदी के बीच धार में पलट गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। बीच धार में पलटी नाव, मची अफरा तफरीयह घटना मेघु टोला गांव के सामने हुई। हादसे के वक्त नाव में करीब 36 लोग सवार थे। सभी गदाई दियारा से परवल सब्जी तोड़कर मनिहारी बाजार में बेचने जा रहे थे। बताया जा रहा कि तेज हवा के कारण नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई।मछुआरों ने सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालास्थानीय मछुआरों की सतर्कता के चलते कई लोगों की जान बचा गई। हादसे के बाद फौरन मछुआरों ने एक एक कर सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया। 30 क्विंटल परवल नदी में बही फिलहाल, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, हादसे में नाव पर लोड किया गया लगभग 30 क्विंटल परवल नदी में बह गया। इससे किसानों को काफी नुकसान हो गया है।

तिलक से 6 दिन पहले इंजीनियर की हत्या

नालंदा। में तिलक से एक हफ्ते युवक का कुएं में शव मिला है। उसकी बॉडी कुएं में ईंट से बंधी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सीढ़ी लगाकर शव को कुएं से बाहर निकाला। जांच में डॉग स्क्वायड और ऋ्छ की टीम की मदद ली जा रही है। युवक की पहचान विजय सिंह के बेटे नीरज उर्फ झुन्ना (32) के रूप में हुई है। वो पेश से इंजीनियर था और साथ ही जमीन का कारोबार भी करता था। इसके अलावा महिंद्रा ऑटोमोबाइल की भी एजेंसी ले रखी थी। 24 मार्च का उसका तिलक और फलदान होने वाला था।कुएं में नीरज का शव मिलने की जानकारी तब हुई, जब ग्रामीणों को कुएं के पास से उसकी चप्पल, चश्मा और कुछ सामान मिला। वहीं, जांच के दौरान FSL की टीम को मौके से एक 9 का कारतूस भी मिला है। कुएं के पास खून के निशान भी मिले हैं। वहीं, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने राजगीर गिरियक मुख्य मार्ग पर टायर जलाकर सड़क जामकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। लोग हत्या कर सबूत को छुपाने की बात कर रहे हैं। घटना राजगीर थाना क्षेत्र के नई पोखर मोहल्ले का है।मृतक नीरज बड़ा पूंजीपति था और राजगीर में होटल भी बनवा रहा था। पिता फौज में थे। परिजनों ने बताया- 'सोमवार शाम नीरज खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से बाहर निकला था। लेट होने पर उससे रात करीब 9 बजे कॉल किया। उसका मोबाइल स्विच ऑफ था। कई बार कॉल किया, लेकिन फोन नहीं लगा। जिसके बाद हमलोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की।'काफी खोजबीन के बाद कुछ पता नहीं चला तो इसकी शिकायत करने राजगीर थाना पहुंचे। जानकारी मिलने के बाद पुलिस उसके मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की। वहीं, हमलोग थाना से बाहर आए तो मोहल्ले के बाहर कुएं के पास नीरज की चप्पल और अन्य सामान फेंका हुआ देखा। इस मामले में राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया- 'मौके पर डॉग स्क्वॉयड और FLS की टीम जांच कर रही है। शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल परिजनों से पूछताछ की जा रही है। किसी से विवाद का मामला अब तक सामने नहीं आया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

एक फंदे से लटकी मिली 3 साल की बेटी-मां

मुजफ्फरपुर। में लीची बगान से मां-बेटी का फंदे से लटका शव मिला है। महिला अर्धनग्न अवस्था में है और एक ही साड़ी से बने फंदे में दोनों लटकी हुई मिलीं। स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना मंगलवार की सुबह जिले के सकरा थाना क्षेत्र के पिलखी गांव का है। फिलहाल पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया है। मृतका की उम्र करीब 30 साल और बच्ची की उम्र लगभग 3 साल बताई जा रही है, लेकिन अभी तक दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। दोनों मां-बेटी की पहचान के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया, 'सुबह जब टहलने निकले तो लीची बागान में महिला और बच्ची के शव को फंदे से लटका देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी।' फिलहाल पुलिस और FSL की टीम जांच कर रही है।स्थानीय राजीव कुमार सिंह ने बताया, ' गांव के लोगों ने शव को लीची के बागीचा में देखा है। लीची के पेड़ में कपड़े के फंदे से एक महिला और एक मासूम बच्ची लटकी हुई थी। शव देखने के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। हमलोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?
ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।
इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

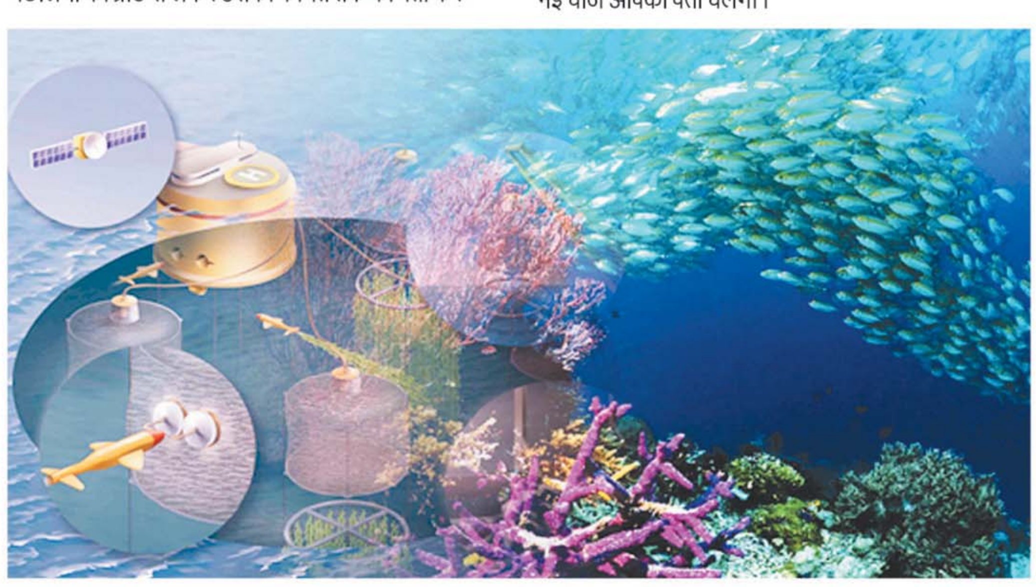

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।
ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है:

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है:

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है:

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाए
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

देशभर के कई राज्यों में बदल गए पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 70.99 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव किया है। वैश्विक बाजार में क्रूड का भाव गिरकर 71 डॉलर से नीचे आने का असर मंगलवार को घरेलू खुदरा बाजार में भी दिख रहा है और कई शहरों में आज तेल के दाम नीचे आए हैं. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में भी मंगलवार को तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.62 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 14 पैसे गिरा और 87.72 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 18 पैसे गिरकर 94.44 रुपये और डीजल 19 पैसे गिरकर 87.55 रुपये लीटर हो गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 17 पैसे गिरकर 94.94 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 16 पैसे सस्ता होकर 87.76 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 70.99 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरावट के साथ 67.48 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

बजाज फिनसर्व खरीदेगा आलियांज की बीमा कंपनियों में 26 फीसदी हिस्सेदारी

- दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी

नई दिल्ली ।

बजाज फिनसर्व ने कहा कि उसने आलियांज एसई के साथ शेयर खरीद पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वह दो इंश्योरेंस ज्वाइंट वेंचर्स–बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। यह सौदा 24,180 करोड़ रुपये में होगा। इस अधिग्रहण के बाद, बजाज ग्रुप की इन दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी। बजाज ग्रुप, बीऐ लिक में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी 10,400 करोड़ रुपये में और बीऐ जिक में 13,780 करोड़ रुपये में खरीदेगा। हालांकि यह अधिग्रहण नियामकीय मंजूरियों के अधीन है, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की मंजूरी शामिल है। की शर्तों के तहत, बजाज फिनसर्व लगभग 1.01 प्रतिशत, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट लगभग 19.95 प्रतिशत, और जमनालाल संस लगभग 5.04 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे, जिससे प्रत्येक इंश्योरेंस कंपनी में कुल 26 प्रतिशत हिस्सेदारी पूरी होगी। अधिग्रहण के बाद, बजाज फिनसर्व की हिस्सेदारी दोनों कंपनियों में 75.01 प्रतिशत हो जाएगी।

भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री के लिए उठा रही बड़े कदम

नई दिल्ली ।

भारत में अमेरिकी कंपनी टेस्ला अपनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री को लेकर बड़े कदम उठा रही है। अब कंपनी ने अपनी दो इलेक्ट्रिक कारों के सर्टिफिकेशन और होमोलॉगेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, टेस्ला इंडिया मोटर और एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने मॉडल वाय और मॉडल 3 कारों के होमोलॉगेशन के लिए दो नए आवेदन जमा किए हैं। होमोलॉगेशन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि वाहन भारतीय सड़कों पर चलने के लिए सुरक्षित और उपयुक्त है। इसमें वाहनों के उत्सर्जन और सुरक्षा मानकों की जांच की जाती है। इससे पहले, टेस्ला भारत में होमोलॉगेशन के लिए सात आवेदन जमा कर चुकी थी, जिनमें से एक हाल ही में मंजूर हुआ था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका और भारत फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर बातचीत कर रहे हैं। चीन में सख्त होते नियमों के कारण मस्क दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कार बाजार भारत में एंट्री करना चाहते हैं। हालांकि, भारत सरकार चाहती है कि टेस्ला स्थानीय स्तर पर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करे, जबकि मस्क शुरुआत में आयातित कारों की बिक्री पर जोर दे रहे हैं। भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में तेजी देखी गई है। 2024 में यह 20 प्रतिशत बढ़कर 99,165 इकाई पहुंच गई, जबकि 2023 में यह 82,688 थी। टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर्स इस सेगमेंट में अग्रणी हैं।

पिरामल फाइनेंस ने पंजाब एवं सिंध बैंक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली ।

पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने कहा कि उसने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मध्यम और निम्न-आय वाले उधारकर्ताओं के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के धरातल पर पंजाब एंड सिंध बैंक के साथ रणनीतिक सह-ऋण साझेदारी की है। यह साझेदारी ग्राहकों के पहुंच को बढ़ाने और वित्तीय समावेशन में मदद करने का एक कदम है। पिरामल फाइनेंस के एक प्रमुख अधिकारी ने इस साझेदारी के बारे में बोलते हुए कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें गहरे बाजारों में ऋण पहुंचाने में मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य है ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करना और उन्हें वित्तीय सहायता पहुंचाना। यह साझेदारी टियर 2 और टियर 3 शहरों में प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और उदार ऋण समाधान प्रदान करेगी, जो कि अर्थव्यवस्था की और से मदद करेगी। इस साझेदारी से प्रभाव, अंडरराइटिंग मानकों में सुधार और उत्कृष्ट ऋण मूल्यांकन उपकरणों के विकास में सहायता मिलेगी। यह साझेदारी भारत के वित्तीय स्थिति को सुधारने और उधारकर्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हैरियर ईवी एसयूवी के इंटीरियर की दिखाई झलक

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी अपकमिंग हैरियर ईवी ऑल-व्हील-ड्राइव के फीचर्स और कंपैटिबिलिटी का खुलासा किया है। सोशल मीडिया पर जारी किए गए टीज़र में इस ईवी एसयूवी के इंटीरियर की झलक देखने को मिली। पहली बार इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शित किया गया था, और यह साल के अंत तक आधिकारिक रूप से लॉन्च हो सकती है। हैरियर ईवी का केबिन इसका सबसे बड़ा आकर्षण है। इसमें हरमन का 12.3-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा, जो नेविगेशन मैप भी दिखाएगा। इसके अलावा, दो-टोन कलर डैशबोर्ड, टच बटन, टॉगल स्विच, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, टेरेन मोड्स के लिए डायल और चार-स्पोक स्टीयरिंग व्हील पर इल्यूमिनेटेड टाटा बैज देखने को मिलेगा। हैरियर ईवी टाटा की नई जनरेशन 2 एक्टिव.ईवी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी। यह कंपनी की पहली ऑल-व्हील-ड्राइव ईवी होगी, जिसमें डुअल-मोटर सेटअप होने की उम्मीद है। इसका टॉर्क आउटपुट 500 एनएम होगा और एक बार चार्ज करने पर यह 500 किमी की ड्राइविंग रेंज दे सकती है।

यह ह्युंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, मारुति सुजुकी ई-विटारा और महिंद्रा बीई 6 जैसे टॉप मॉडल्स को टक्कर देगी। इसके ऊपरी वेरिएंट्स एक्सईवी 9ई से भी इसकी सीधी प्रतिस्पर्धा हो सकती है। टाटा मोटर्स हैरियर ईवी की कीमत 25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू करने की योजना बना रही है। आईसीई वर्जन की तरह, इस ईवी में पैनोरमिक सनरूफ, जेबीएल म्यूजिक सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग जैसी सुविधाएं होंगी। इसके अतिरिक्त, टाटा ने इस बार व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) और व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) चार्जिंग फीचर भी शामिल किए हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 26 पैसे बढ़कर 86.55 रुपये पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.71 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय मुद्रा में तेजी सीमित रही क्योंकि निवेशक बढ़ती वैश्विक व्यापार चिंताओं के संभावित आर्थिक प्रभाव से जूझ रहे हैं। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.71 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.81 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 103.56 पर रहा।

टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ बढ़ाई साझेदारी

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर उद्यमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने में तेजी लाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ विस्तारित दीर्घकालिक साझेदारी की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार टेक महिंद्रा और गूगल क्लाउड मिलकर उद्यमों को उनके बुनियादी ढांचे और डेटा आर्किटेक्चर को आधुनिक बनाने में मदद करेंगे। साथ ही उनके एआई-संचालित क्लाउड समाधानों से निवेश पर रिटर्न को अनुकूलित करेंगे। टेक महिंद्रा के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) ने कहा कि ये समाधान व्यवसायों को परिचालन संबंधी जटिलताओं से निपटने, दक्षता बढ़ाने और उभरते नियामक मानकों का पालन करते हुए विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम बनाएंगे।

श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब डॉलर का हुआ नुकसान

कोलंबो । श्रीलंका के बाह्य ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। मंगलवार को मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। एक सरकारी समाचार पत्र ने कोलंबो में चीन के राजदूत क्यूई झेनहोंग के हवाले से खबर में कहा कि चीन अक्टूबर 2023 में पुनर्गठन समझौता करने वाला श्रीलंका का पहला द्विपक्षीय ऋणदाता था। झेनहोंग ने कहा कि हालांकि, जनता को इन विवरणों के बारे में पता नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम श्रीलंका को दी जाने वाली सहायता के बारे में जानकारी नहीं देते हैं। श्रीलंका ने 2022 के आर्थिक संकट में अपनी पहली चूक की घोषणा करने के बाद 46 अरब अमेरिकी डॉलर के बाह्य ऋण का पुनर्गठन किया था। राजदूत ने साथ ही चीन और भारत के भविष्य में श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के विकास के लिए संयुक्त रूप से काम करने की उम्मीद भी जाहिर की।

मनबा फाइनेंस का बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स और प्रॉसपैरिटी से करार

मुंबई । मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स कैपिटल, और प्रॉसपैरिटी के साथ एक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा की है। यह साझेदारी कंपनी की ग्राहकों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी और उन्हें अधिक सशक्त बनाएगी। इस साझेदारी के माध्यम से मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने उद्देश्य किया है कि भारतीय बाजार में संधारणीय गतिशीलता को बढ़ावा दिया जाए। ग्राहकों को उनकी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत साझेदारी मिलेगी जो उनकी जरूरतों को समझेगी और उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करेगी। इस घोषणा से ग्राहकों की आशाएं बढ़ गई हैं और उन्हें विश्वास है कि यह साझेदारी उनके लिए नई और सरल वित्तीय सेवाओं का एक सुनहरा युग प्रदान करेगी। बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स कैपिटल और प्रॉसपैरिटी के साथ की इस साझेदारी की उम्मीद की जा रही है और इससे पूरे वित्तीय सेक्टर में एक नया उत्साह भी बढ़ा है।

एरिशा ई मोबिलिटी को यूएई से मिला एक अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली । भारतीय कंपनी एरिशा ई मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने प्रतिष्ठित राणा समूह के इकाई के साथ एक निवेश की घोषणा की है। इस साझेदारी के जरिए कंपनी ने यूएई के एक प्रमुख निवेशक के साथ एक अरब डॉलर का निवेश प्राप्त किया है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य है कंपनी के व्यापक विस्तार के साथ-साथ स्थिरता की बढ़ती अवधारणा को साकार करना। एरिशा ई मोबिलिटी की यह महत्वपूर्ण साझेदारी वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। इसे स्मार्ट इंजीनियरिंग, उच्च गुणवत्ता की खरीद, और ऊर्जा समाधानों के तंत्र का नेतृत्व करने का दायित्व सौंपा गया है। इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाने का मंजिल छूने की दिशा में अग्रसर होगी। इस निवेश से एरिशा ई मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के यूएई, सऊदी अरब, अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका क्षेत्र में विस्तार के लिए मजबूत प्रक्रिया किया जा सकेगा।

भारत के वाणिज्य व्यवस्था में व्यापार घाटा सालाना 14.05 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली । भारत में व्यापार एवं वाणिज्य संक्षेपक आंकड़े जारी होने के बाद दिखा कि फरवरी 2025 में वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में सुधार है, लेकिन पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत कम रहा। नए आंकड़ों के अनुसार, वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात फरवरी महीने में 36.91 अरब डॉलर था, जबकि आयात 50.96 अरब डॉलर रहा। इसके बावजूद, आयात में तेज गिरावट के कारण व्यापार घाटा 14.05 अरब डॉलर में पहुंच गया है, जो कि अगस्त 2021 के बाद का न्यूनतम स्तर है। विभागीय मंत्रालय द्वारा व्यापार के गतिशीलता में देखा जा रहा है कि वैश्विक मांग में कमी और वैश्विक प्रशुल्क युद्ध के प्रभाव सहित विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों के कारण व्यापार में यह कमी हुई है। इसे एक रणनीतिक अवसर के रूप में देखा जा सकता है जो देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष ने कहा कि निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सावधानी और कठोर प्रयास की आवश्यकता है। देश के कुल निर्यात में सालाना 6.24 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, जो कि कुल आयात के साथ संतुलित होने का एक मार्ग दिखा सकता है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1133 अंक , निफ्टी 325 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब बाजार तेजी लेकर बंद हुआ है। आज कारोबार के दौरान ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र में जमकर तेजी आई।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1131.31 अंक करीब 1.53 फीसदी उछलकर 75,301.26 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी अंत में 325.55 अंक तकरीबन 1.45 फीसदी ऊपर आकर 22,834.30 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान बीएसई की कंपनियों में जोमैटो का शेयर सबसे अधिक 7 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, महिंद्रा एन्ड महिंद्रा, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, एचडीएफ़सी बैंक, टीसीएस और अदाणी पोर्ट्स भी बढ़त में हैं।

जानकारों के अनुसार बाजार में तेजी कारण बड़ी पूंजी वाले शेयरों में अच्छी खरीदारी रही है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही से कंपनियों के आय में सुधार की उम्मीदें बढ़ा दी हैं, जिससे भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

महंगाई के भारतीय रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के लक्ष्य स्तर से नीचे आने की उम्मीदें बढ़ गई है।

बाजार में लगातार दो ट्रेडिंग सेशन में आई तेजी से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ रुपये के करीब पार पहुंच गया। बाजार में पिछले कुछ समय से आई गिरावट की वजह से यह 400 लाख करोड़ रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गया था।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका में खुदरा बिक्री के अच्छे आंकड़ों के बीच वैश्विक बाजार आज तेजी से कारोबार कर रहे हैं। एशिया में जापान का निक्केई 1.4 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स200 0.44 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.51 फीसदी बढ़ा। वही, अमेरिका में वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 में 0.64 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.31 फीसदी की वृद्धि हुई, तथा डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.85 फीसदी की तेजी आई। वहीं गत दिवस भी बाजार ऊपर आया था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 73,830 अंक के स्तर पर लगभग सपाट खुला। हालांकि खुलते ही यह 280 अंक चढ़कर 74 हजार के पार चला गया था। दूसरी ओर निफ्टी भी 80 अंक बढ़कर 22,480 के स्तर पर पहुंच गया जो 112 अंक की तेजी के साथ 22,509 पर कारोबार कर रहा था।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 10 फीसदी तक उछले

- 50 के पार पंहुचा भाव

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में मंगलवार को बड़ा उछाल देखने को मिला। ईवी स्कूटर बनाने वाली कंपनी के शेयर मंगलवार को इंट्राडे ट्रेड में 10 फीसदी तक उछल गए। इससे पहले सोमवार को कंपनी के शेयर बड़ी गिरावट लेते हुए 50 रुपये से नीचे आ गए थे। ओला इलेक्ट्रिक का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 46.58 रुपए प्रति शेयर पर खुला। शेयर ने इंट्राडे में 51.64 रुपए प्रति शेयर का हाई स्तर और 46.32 रुपए प्रति शेयर का न्यूनतम स्तर छुआ। सुबह शुरुआते में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 9.04 फीसदी की बढ़त लेकर 51.15 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक की वाहन रजिस्ट्रेशन एजेंसी रोस्मेर्टा डिजिटल सर्विसेज ने शनिवार को कहा था कि वह ओला की सब्सिडियरी ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही शुरू करने जा रही है। इसके बाद कंपनी के शेयर बुरी तरह लुढ़क गए थे।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की बेंगलुरु बेंच के पास दायर की गई है। इसमें दावा किया गया है कि ऑपरेशनल क्रेडिटर द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए पेमेंट में चूक हुई है। इस आधार पर याचिका में ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

ट्रंप ने मिशेल बोमन को फेडरल रिजर्व का शीर्ष नियामक नामित किया

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के वित्तीय नियामक कार्यों की देखरेख के लिए मिशेल बोमन को नामित किया है। इस कदम से बड़े बैंकों के लिए नियम ढीले होने की संभावना बढ़ी है। बोमन को 2018 में ट्रंप ने फेड के गवर्निंग बोर्ड में सेवा देने के लिए नियुक्त किया था। वह माइकल बार की जगह फेड के पर्यवेक्षण विभाग के उपाध्यक्ष के रूप में काम करेंगी। पिछले महीने बार ने कानूनी लड़ाई से बचने के लिए पद छोड़ दिया था। ट्रंप की ओर से नौकरी से निकालने की धमकी दी गई थी। हालांकि, बार सात सदस्यीय फेड बोर्ड में बने रहे, जिससे ट्रंप को मौजूदा गवर्नर में से किसी एक को उपाध्यक्ष चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। बोमन नामांकन का बैंकिंग उद्योग के लॉबिंग समूहों ने स्वागत किया है। जिनमें अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन और इंडिपेंडेंट कम्युनिटी बैंकर्स ऑफ अमेरिका शामिल थे। उपाध्यक्ष के रूप में, बोमन सबसे शक्तिशाली संघीय बैंक नियामक होंगे और बैंक नियमों में सुधार के लिए फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन और करेंसी नियंत्रक कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इस पद के लिए सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता है, हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें आसानी से मंजूरी मिल जाएगी।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा।

अमेरिका में दिनांक 20 जनवरी 2025 को नव निर्वाचित राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा ली गई शपथ के उपरांत ट्रम्प प्रशासन आर्थिक एवं अन्य क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण फैसले बहुत तेज गति से ले रहा है। इससे विश्व के कई देश प्रभावित हो रहे हैं एवं कई देशों को तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि अंततः आगे आने वाले समय में इन फैसलों का प्रभाव इन देशों पर किस प्रकार होगा।

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि 'टिट फोर टेट' एवं 'रेसिप्रोकल' आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

अमेरिका में उपभोक्ता आधारित उत्पादों का आयात अधिक मात्रा में होता है और अब अमेरिका चाहता है कि इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ हो ताकि इन उत्पादों का अमेरिका में आयात कम हो सके। दक्षिण कोरीया, जापान, कनाडा, मेक्सिको आदि जैसे देशों की अर्थव्यवस्था केवल कुछ क्षेत्रों पर ही टिकी हुई है अतः इन देशों पर अमेरिका में बदल रही नीतियों का अधिक विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जबकि भारत एक विविध प्रकार की बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है, अतः भारत को कुछ क्षेत्रों में यदि नुक्सान होगा तो कुछ क्षेत्रों में लाभ भी होने की प्रबल सम्भावना है। संभवतः अमेरिका ने भी अब यह एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि भारत के कृषि क्षेत्र को टैरिफ युद्ध से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि भारत के किसानों पर इसका प्रभाव विपरीत रूप से पड़ता है। और, भारत यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा कि भारत के किसानों को नुक्सान हो। डेरी उत्पाद एवं समुद्रीय उत्पादों में भी आवश्यक खाने पीने की वस्तुएं शामिल हैं। भारत अपने देश में इन उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से इन उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाता है, ताकि अन्य देश सस्ते दामों पर इन उत्पादों को भारत के बाजार में डम्प नहीं कर सकें। साथ ही, भारत में मिडल क्लास की मात्रा में वृद्धि अभी हाल के कुछ वर्षों में प्रारम्भ हुई है अतः यह वर्ग देश में उत्पादित सस्ती वस्तुओं पर अधिक निर्भर है, यदि इन्हें आयातित महंगी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो वह इन्हें सहन नहीं कर सकता है। अतः यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को सस्ते उत्पाद उपलब्ध करवाए। अन्यथा, यह वर्ग एक बार पुनः गरीबी रेखा के नीचे आ जाएगा। भारत ने मुद्रा स्फीति को भी कूटनीति के आधार पर नियंत्रण में रखने में सफलता प्राप्त की है। रूस, ईरान, अमेरिका, इजराईल, चीन, अरब समूह आदि देशों के साथ अच्छे सम्बंध रखकर विदेशी व्यापार करने में सफलता प्राप्त की है। जहां से भी जो वस्तु सस्ती मिलती है भारत उस देश से उस वस्तु का आयात करता है। इसी नीति पर चलते हुए, कच्चे तेल के आयात के मामले में भी भारत ने विभिन्न देशों से भारी मात्रा में छूट प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और ईंधन के दाम भारत में पिछले लम्बे समय से स्थिर बनाए रखने में सफलता मिली है।

अमेरिका द्वारा चीन, कनाडा एवं मेक्सिको पर लगाए गए टैरिफ के बढ़ाने के पश्चात इन देशों द्वारा भी अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगा दिए जाने के उपरांत अब विभिन्न देशों के बीच व्यापार युद्ध एक सच्चाई बनता जा रहा है। परंतु, क्या इसका असर भारत के विदेशी व्यापार पर भी पड़ने जा रहा है अथवा क्या कुछ ऐसे क्षेत्र भी ढूढे जा सकते हैं जिनमें भारत लाभप्रद स्थिति में आ सकता है। जैसे, अपैरल (सिले हुए कपड़े) एवं नान अपैरल टेक्सटायल का मेक्सिको से अमेरिका को निर्यात प्रतिवर्ष लगभग 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहता है और मेक्सिको का अमेरिका को निर्यात के मामले में 8वां स्थान है। अमेरिका द्वारा मेक्सिको से आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद टेक्सटायल से सम्बंधित उत्पाद अमेरिका में महंगे होने लगेंगे अतः इन उत्पादों का आयात अब अन्य देशों से किया जाएगा। मेक्सिको अमेरिका को 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कॉटन अपैरल का निर्यात करता है एवं 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नान कॉटन अपैरल का निर्यात करता है। कॉटन अपैरल के आयात के लिए अब अमेरिकी व्यापारी भारत की ओर देखने लगे हैं एवं इस संदर्भ में भारत के निर्यातकों के पास पूछताछ की मात्रा में वृद्धि देखी जा रही है। इन परिस्थितियों के बीच, टेक्स्टायल उद्योग के साथ ही, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, इंजीयरिंग क्षेत्र एवं श्रम आधारित उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी भारत को लाभ हो सकता है।

यदि अमेरिका अपने देश में हो रहे उत्पादों के आयात पर टैरिफ में लगातार वृद्धि करता है तो यह उत्पाद अमेरिका में बहुत महंगे हो जाएंगे और इससे अमेरिकी नागरिकों पर मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। क्या अमेरिकी नागरिक इस व्यवस्था को लम्बे समय तक सहन कर पाएंगे। उदाहरण के तौर पर फार्मा क्षेत्र में भारत से जेनेरिक्स दवाईयों का निर्यात भारी मात्रा में होता है। यदि अमेरिका भारत के उत्पादों पर टैरिफ लगाता है तो इससे अधिक नुक्सान तो अमेरिकी नागरिकों को ही होने जा रहा है। भारत से आयात की जा रही सस्ती दवाएं अमेरिका में बहुत महंगी हो जाएंगी। इससे अंततः अमेरिकी नागरिकों के बीच असंतोष फैल सकता है। अतः अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन के लिए टैरिफ को लम्बे समय तक बढ़ाते जाने की अपनी सीमाएं हैं।

अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र एवं सबसे बड़ा विकसित देश है और इस नाते अन्य देशों के प्रति अमेरिका की जवाबदारी भी है। टैरिफ बढ़ाए जाने के सम्बंध में इक तरफा कार्यवाही अमेरिका की अन्य देशों के साथ सौदेबाजी की क्षमता तो बढ़ा सकती है परंतु यह कूटनीति लम्बे समय तक काम नहीं आ सकती है। अमेरिकी नागरिकों के साथ साथ अन्य देशों में भी असंतोष फैलेगा। कोई भी व्यापारी नहीं चाहता कि नीतियों में अस्थिरता बनी रहे। इसका सीधा सीधा असर विश्व के समस्त स्टॉक मार्केट पर विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई भी दे रहा है। यदि यह स्टॉक मार्केट के अतिरिक्त अन्य बाजारों एवं नागरिकों के बीच में भी फैला तो मंदी की सम्भावनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। अमेरिका के साथ साथ अन्य कई देश भी मंदी की चपेट में आए बिना नहीं रह पाएंगे। अर्थात, इस प्रकार की नीतियों से विश्व के कई देश विपरीत रूप में प्रभावित होंगे।

अमेरिका को भी टैरिफ के संदर्भ में इस बात पर एक बार पुनः विचार करना होगा कि विकसित देशों पर तो टैरिफ लगाया जा सकता है क्योंकि अमेरिका एवं इन विकसित देशों में परिस्थितियां लगभग समान है। परंतु विकासशील देशों जैसे भारत आदि में भिन्न परिस्थितियों के बीच तुलनात्मक रूप से अधिक परेशानियों का सामना करते हुए विनिर्माण क्षेत्र में कार्य हो रहा है, अतः विकसित देशों एवं विकासशील देशों को एक ही तराजू में कैसे तौला जा सकता है। विकासशील देशों ने तो अभी हाल ही में विकास की राह पर चलना शुरू किया है और इन देशों को अपने करोड़ों नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है। इनके लिए विकसित देश बनने में अभी लम्बा समय लगना है। अतः विकसित देशों को इन देशों को विशेष दर्जा देकर इनकी आर्थिक मदद करने के लिए आगे आना चाहिए। अमेरिका को विकसित देश बनने में 100 वर्ष से अधिक का समय लग गया है और फिर विकासशील देशों के साथ इनकी प्रतिस्पर्धा कैसे हो सकती है। विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने का अधिकार है, अतः विकासशील देश तो टैरिफ लगा सकते हैं परंतु विकसित देशों को इस संदर्भ में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

संपादकीय

सुविधा और सख्ती

नए आव्रजन विधेयक में जाली पासपोर्ट का उपयोग करने पर सात साल की जेल का प्रस्ताव है। यदि यह संसद द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो भारत में प्रवेश करने, रहने या बाहर जाने के लिए जाली पासपोर्ट या वीजा का इस्तेमाल करने वाले को जेल की सजा के साथ दस लाख रुपये तक का जुमार्ना भी हो सकता है। लोक सभा में पेश विधेयक के अनुसार, कोई भी जो जानबूझकर जाली या धोखाधड़ी से प्राप्त पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज या वीजा का प्रयोग भारत में प्रवेश करने या यहां रहने या देश से बाहर जाने के लिए करता है, उसे कम से कम दो वर्ष की सजा हो सकती है, जिसे सात साल तक बढाया जा सकता है। वर्तमान में चार अधिनियमों के माध्यम से प्रशासित किया जा रहा है, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920, विदेशियों का पंजीकरण 1939, विदेशी अधिनियम 1946 व आव्रजन (वाहन दावित्व) अधिनियम 2000 को अब निरस्त करने का विचार है। माना जा रहा है, नये विधेयक से कानून सरल होगा तथा करोबार करने में आसानी होगी। अवैध प्रवास की समस्या से निपटने में भी यह मददगार साबित होगा। निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने वाले विदेशियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आवश्यक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष के दौरान 98 लाख से अधिक विदेशी भारत आए थे। विदेशी सैलानियों को पर्यटन के लिए आकर्षित करने के लिए कुछ अरसे से सरकारी स्तर पर किए जा प्रयासों के सकारात्मक असर समाने भी आ रहे हैं, परंतु देश की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने तथा भारत भ्रमण, शिक्षा या इलाज कराने के लिए आने वालों की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए वन-विंडो स्कीम भी बनानी चाहिए। नये विधेयक के अनुसार पाकिस्तानियों को आने के चौबीस घंटों के भीतर ही पंजीकरण कराना जरूरी है। इसके अलावा देश के कुछ संरक्षित क्षेत्रों में विदेशियों को जाने के लिए विशेष परमिट की जरूरत होती है, जिनमें अंडमान-निकोबार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल व राजस्थान के कुछ हिस्से के साथ ही पूर्वोत्तर के कुछ राज्य शामिल हैं। अभी जब ट्रंप सरकार द्वारा जाली पासपोर्ट वाले घुसपैठियों को वापस भेजा गया था तो कुछ लोगों की त्योरियां चढ़ी थीं, मगर इस तरह विदेश जाने वालों को रोकना भी सरकार का ही जिम्मा है। इससे देश की छवि धूमिल होती है। नियमों को पारदर्शी व सुलभ बनाकर ही देश की अखंडता, संप्रभुता व मौलिक सिद्धांतों की रक्षा की जा सकता है।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।? मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

फिल्म छावा ने इतिहास के काले पन्नों को उजागर किया

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

कभी-कभी फिल्में भी हमारे जीवन में व्यापक प्रभाव डाल जाती हैं। हाल ही में प्रदर्शित हुई छावा फिल्म ने भी एक मजबूत पटकथा के चलते भारतीय जनमानस के मन मस्तिष्क को झकझोर के रख दिया है। इस फिल्म को देखने के बाद देश के वे नागरिक भी मुगल आक्रांताओं की अमानुषिकता से परिचित हुए, जिन्हें किसी कारणवश इतिहास पढ़ने का अवसर नहीं मिला। हालांकि इतिहास के छात्रों और इसमें रुचि रखने वालों को पहले से ही यह मालूम था कि मंगोल से भारत आए लुटेरों ने कैसे सैकड़ो सालों तक इस देश को लूटा। लूटा ही नहीं बल्कि इसे रक्त रंजित भी किया। यह लिखना भी अतियोक्ति नहीं होगी कि उन बहशी लोगों ने अत्याचारों की सभी सीमाएं लांघीं। देश की जिन विभूतियों ने भी ज्यादती, अमानुषिकता और बहशीपन का विरोध किया, उनके साथ तो इतना बर्बर व्यवहार किया गया कि जो देख ले उसी की रूह कांप जाए। फिर अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत के जिन महान सपूतों ने यह सब भुगता उन पर क्या बीती होगी। लेकिन धन्य हैं वे माताएं, जिनके सपूतों ने देश का गौरव बचाए रखने के लिए सर तो दे दिए किंतु सार नहीं जाने दिया?।

जी हां, हम बात कर रहे हैं गुरु तेग बहादुर सिंह जी की। सिखों के नौवें गुरु की जान बच सकती थी, बशर्ते वो मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लेते। तत्कालीन क्रूर शासक औरंगजेब यही तो चाहता था। वह जानता था कि गुरु तेग बहादुर के घुटने टिकते ही सारा युद्ध थम जाएगा, जो भारतीय अस्मिता को बचाने के लिए गुरु तेग बहादुर जी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर लड़ा जा रहा था। स्वयं गुरुजी साहब को भी यह आभास था कि यदि वह जरा भी लड़खड़ाए तो हर हाल में आजादी पाने की जो आग भारतीय सपूतों के दिलों में धधक उठी है, वह असमय ही शांत हो जाएगी। अतः उन्होंने धर्म खोना स्वीकार नहीं किया, तब भी जबकि उन्हें बार-बार चेताया गया कि यदि तुम हिंदू धर्म को बचाने की जंग नहीं छोड़ोगे तो वीभत्स मौत के भागी बनोगे और यदि मुसलमान बन गए तो तुम्हें माफ कर दिया जाएगा। फिर भी गुरु तेग बहादुर अपने धर्म से नहीं डिगे तो बुरी तरह बौखला उठे औरंगजेब ने उनका शीश धड़ से अलग कर दिया। औरंगजेब की यह एकमात्र क्रूर कहानी नहीं है। उसका तो पूरा जीवन ही भारतीय संस्कृति की आत्मा को लहूलुहान करने वाला रहा है। जहां भी उसे सनातन के गौरवशाली चिन्ह दिखाई दिए, उन्हें ध्वस्त करता चला गया। इससे भी जी नहीं भरा तो उसने एक ऐसे जजिया कर ईजाद किया जो केवल और केवल हिंदुओं द्वारा ही भरा जाना था। जो ना भर सके, उनमें से किसी को दर्दनाक मौत मिली तो किसी के घर की जवान महिलाओं को उठा लिया गया। यानि उसने हर वह काम किया जिससे भारतवर्ष के असल सपूतों को तकलीफ पहुंचती हो। उसकी इन्हीं ज्यादतियों का विरोध हिंदू हृदय सम्राट वीर शिवाजी ने जमकर किया और औरंगजेब को नाकों चने चबाने को मजबूर करते रहे। इस क्रम को उनके वीर सपूत संभाजी राव ने भी बनाए रखा। संभाजी राव तो औरंगजेब को इतना आतंकित कर चुके थे कि वह जीवन भर उनका सामना तक करने से बचता रहा। यह हाल भी तब था जब वीर संभाजी राव के पास सैनिक केवल हजारों की तादाद में थे तो औरंगजेब के पास लाखों की सेना उपलब्ध रहा करती थी। फिर भी औरंगजेब सीधे-सीधे संभाजी राव से ना भिड़ सका तो उसने चंद गद्दारों को साथ मिलाकर धोखे से संभाजी राव को बंदी बना लिया। लेकिन उसकी यह उत्कंठा फिर भी धरी की धरी रह गई कि कैद में आने के बाद संभाजी महाराज का सिर उसके नापाक पैरों में झुक जाएगा। इस भारतीय स्वाभिमान से औरंगजेब ऐसा बौखलाया कि उसने संभाजी राव को मोटी-मोटी जंजीरों से बंधवाकर उन्हें मौत का भय दिखाया। यह प्रलोभन भी दिया कि मुसलमान बन जाओ तो जान बख्श देंगे। लेकिन शेर के इस वीर सपूत ने भी गुरु तेग बहादुर और वीर शिवाजी महाराज की तरह मरना पसंद किया। लेकिन भारतीय स्वाभिमान को नहीं झुकने दिया। इससे बुरी तरह बौखलाए औरंगजेब ने पूरे 40 दिनों तक पाश्विक अत्याचार का नंगा नाच किया। संभाजी महाराज का ऐसा कोई अंग नहीं बचा जिसे हथियारों से बींधा ना गया हो। आंखें फोड़ दी गईं, खाल खींच ली गई, जीभ निकाल दी गई, नाखूनों को एक-एक करके उखाड़ा गया। इतना सब करने पर भी औरंगजेब संभाजी महाराज को झुके हुए सिर को देखने की लालसा पूरी न कर पाया और इस जद्दोजहद में खुद कायराना मौत का शिकार बन गया।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि ऐसे पाश्विक कृत्य के आदी औरंगजेब की हिमायत करने वाले हमारे देश में ही मौजूद हैं और पूरी बेशर्मी के साथ टेलीविजन चैनलों पर उसे रहम दिल, हिंदुओं के मंदिर बनवाने वाला और धर्मनिरपेक्ष शासक साबित करने में जुटे हुए हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि यह लोग औरंगजेब को मुसलमानियत से जोड़कर पेश कर रहे हैं। उस औरंगजेब को, जिसने राजगद्दी हासिल करने के लिए अपने पिता शाहजहां को कैदखाने में मरने के लिए छोड़ दिया और उसे एक-एक बूंद पानी के लिए तरसा कर रख दिया। इसे शैतानियत नहीं तो और क्या कहेंगे कि औरंगजेब ने अपने भाई का सिर कलम करके उसे थाली में सजाकर पिता के सामने पेश कर दिया। आखिर ऐसे व्यक्ति को कोई मुसलमान अथवा इंसान भी कैसे मान सकता है। लेकिन यह शर्मनाक हरकत अवसरवादी नेता और मुस्लिम जमात के कुछ स्वयंभू ठेकेदार डंके की चोट पर कर रहे हैं। क्योंकि उन्हें लगता है, औरंगजेब का महिमा मंडन करने से मुसलमान खुश हो जाएंगे और उन्हें अपने पक्ष में एक मजबूत वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। अपवाद छोड़ दें तो आम मुस्लिम समाज की ओर से ऐसी बेजा हरकतों का स्पष्ट विरोध तक नहीं होता। इससे हिंदुओं का भय दिखाकर मुसलमानों को बरगलाने वाले कट्टरवादियों की हिम्मत बढ़ती चली जाती है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि मुसलमान भाइयों को भी गलत को गलत कहने की शुरूआत करनी चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि उनके तुष्टिकरण की आड़ में उन्हीं की जमात के कुछ ठेकेदार सत्ता लोलुप तथा कथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं के साथ मिलकर दलाली कमाने में लगे हुए हैं। जबकि उनका मुसलमानों की भलाई से कोई लेना-देना नहीं है। सोचने वाली बात है - बाप को सड़ सड़कर मरने के लिए कैद खाने में डालने और सगे भाई का सिर कलम करके पिता के सामने पेश करने वाले दुष्ट का गुणगान करने वालों का मुसलमानियत से भला क्या वास्ता? यदि वास्तव में औरंगजेब का गुणगान करने वाले लोग मुसलमानों के सच्चे खिदमतगार हैं, तो फिर यह सवाल भी उठना लाजमी है कि आजादी के बाद से लेकर अभी तक अधिकांश समय वही लोग सरकार पर काबिज बने रहे, जिन्होंने हमेशा खुद को मुसलमानों का रहनुमा बताया। मुस्लिम समाज के वो स्वयंभू ठेकेदार भी सत्ता की चाशनी में नहाते रहे, जो मुसलमान को औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों से जोड़कर उन्हें बदनाम करने की साजिशें रचते रहे हैं और आज भी रच रहे हैं। इन सभी के सरकार में बने रहने के बाद भी आर्थिक, शैक्षणिक दृष्टि से मुस्लिम समाज पिछड़े पन का शिकार क्यों बना रहा?

क्रिकेट : परिवार साथ रखने का मसला है पेचीदा

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय क्रिकेट टीम को आईपीएल के बाद जून माह में इंग्लैंड का दौरा करना है।

इस दौरे पर देखने वाली बात यह होगी कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड दौरों पर परिवार को लेकर बनाए गए नए दिशा-निदेर्शों को लागू करेगा या फिर दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली द्वारा परिवार को साथ रखने का मत जाहिर करने के बाद ढिलाई बरतेगा। यह मुद्दा पेचीदा जरूर है।

यह तो साफ है कि बीसीसीआई ने आर्थिक पक्ष को ध्यान में रखकर तो यह फैसला किया नहीं था, क्योंकि बीसीसीआई के लिए इस तरह के खच्रे बहुत मायने नहीं रखते हैं। असल में न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में पहली बार 0-3 से घरेलू टेस्ट सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया में 1-3 से टेस्ट सीरीज हारने का परिणाम था यह। बीसीसीआई में दौरों पर खिलाड़ियों को परिवार ले जाने के पक्ष और विपक्ष दोनों तरह के लोग हैं। 20-25 साल पहले तो यह कोई मुद्दा ही नहीं था। इसकी वजह बीसीसीआई के पास टीम को भेजने का खर्चा जुटाना ही मुश्किल होता था। वहीं 1983 में विश्व कप जीतने वाली टीम का जब ऐलान हुआ था, तब एक कार्यक्रम में विजेता टीम के एक सदस्य ने कहा था कि हम लोग जीत की तो कोई उम्मीद रखते नहीं थे और इन दौरों को मुफ्त विदेशी दौरों के तौर पर लेते थे। पर अब माहौल एकदम से बदला हुआ है और टीम के लिए जीत बहुत मायने रखती है।

इस कारण ही दो सीरीज हारते ही इस मुद्दे पर बीसीसीआई ने गाइडलाइंस जारी कर दीं। इनके मुताबिक 45 दिन से ज्यादा के दौरे पर परिवार 14 दिन और इससे कम के दौरों पर एक हफ्ते ही परिवार साथ रह सकेंगे। सही मायनों में विदेशी दौरों को लेकर 2018 में ही नियम बन गए थे, पर टीम की लगातार सफलताओं की वजह से और बीसीसीआई के मालामाल होने की वजह से वित्तीय कोई समस्या नहीं होने से इस तरफ ज्यादा ध्यान ही नहीं दिया गया। यही नहीं कई खिलाड़ियों के साथ अनाप-शनाप सामान जाने पर भी बोर्ड ने कभी इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से नहीं लिया। भले ही बीसीसीआई अधिकारी कहते रहे हैं कि क्रिकेटरों के परिवारों के लिए विदेशी दौरों पर मैचों के टिकटों का और होटलों में कमरों का इंतजाम करने में दिक्कत होती है। पर इस बात में बहुत दम नजर नहीं आता है।

विश्व क्रिकेट में भारत का जिस तरह से दबदबा है, वह दौरे के मैचों के लिए किसी भी बोर्ड से क्रिकेटरों के परिवारों के लिए टिकट के लिए कहेगा और वह नहीं मिलेंगे, यह संभव नहीं है। होटल के कमरों के प्रबंध में दिक्कत आना संभव ही नहीं है। मुख्य सवाल यह है कि क्या परिवारवालों की मौजूदगी से खिलाड़ी का प्रदर्शन प्रभावित होता है। इस मामले में विरोध और समर्थन वाले दोनों पक्ष हैं। परिवार को साथ रखने की शुरूआत 2018 में हुई थी। इस अवसर पर विराट कोहली ने इंग्लैंड के लंबे दौरे का हवाला देकर परिवार को साथ रखने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद 2019 के विश्व कप में परिवारों को 15 दिन तक साथ रहने की अनुमति दी गई थी।

पर इस मौके पर एक क्रिकेटर ने पूरे विश्व कप के दौरान अपनी पत्नी को साथ रखा और बोर्ड ने भी इस घटना की अनदेखी कर दी थी। इससे लगने लगा कि बोर्ड इस मसले को लेकर नरम है, लेकिन अब दो टेस्य सीरीज हारते ही वह फिर से सख्ती वाली मुद्रा में आ गया है। विराट कोहली का इस मामले में कहना है कि परिवार साथ होने पर खिलाड़ी को मैदान में मिली निराशा से उभरने में आसानी होती है। मैं कमरे में अकेले बैठकर उदास नहीं रहना चाहता हूं, मैं सामान्य होना चाहता हूं। तभी आप अपने खेल को एक जिम्मेदारी के रूप में ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने परिवार की भूमिका समझना बहुत मुश्किल है। हर बार जब आप तनावपूर्ण स्थिति में होते हैं तो परिवार के पास आना कितना महत्त्वपूर्ण होता है। कोहली को इस बात की निराशा है कि जिन लोगों को इस मामले से कोई लेनादेना नहीं है, उन्हें भी चर्चा में शामिल किया गया।

2018 में जब यह मुद्दा उठा था, तब मौजूदा कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि परिवारों की मौजूदगी कुछ खिलाड़ियों के लिए काम करती है। वहीं कुछ खिलाड़ी कुछ ही समय परिवार के साथ रहकर बाकी समय क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं। इससे ऐसा लगता है कि खिलाड़ी की जरूरत के हिसाब से फैसला किया जाए तो वह उसके और देश की क्रिकेट दोनों के लिए बेहतर होगा। विभिन्न देशों में इस मामले में अलग-अलग नियम हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया हर दौरे पर एक परिवार अवधि तय करता है। इस तय अवधि तक परिवार खिलाड़ी के साथ रह सकता है। पर हर दौरे के लिए यह समय अलग से तय किया जाता है। कई बार लंबे दौरों पर परिवारों के साथ रहने की अवधि भी लंबी रखी जाती है। वैसे भारत ने पिछले दिनों ही चैंपियंस ट्रॉफी जीती है, इससे लगता है कि इंग्लैंड दौरे पर गाइड लाइंस का सख्ती से पालन शायद ही हो। वैसे भी नियमों को प्रदर्शन में सुधार लाना होना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

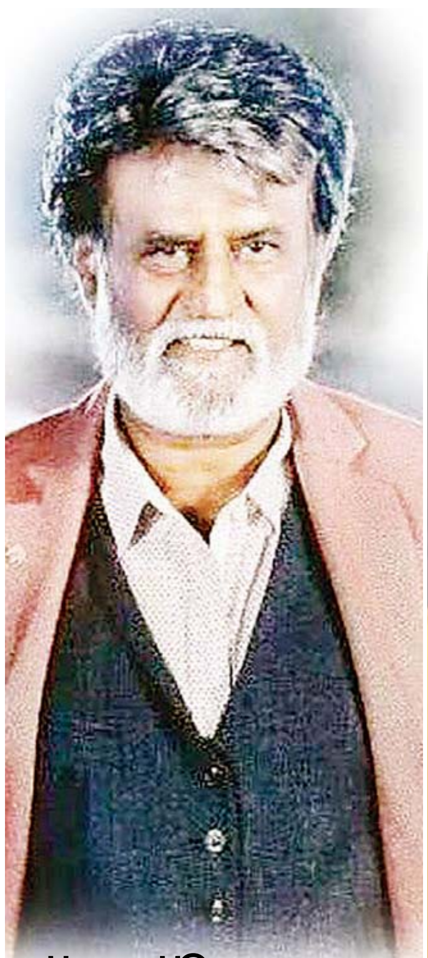

बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगी वॉर 2-कुली के बीच टक्कर, ऋतिक की फिल्म को रास्ता देंगे रजनीकांत?

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित रजनीकांत की आगामी एक्शन फिल्म कुली इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के जरिए अभिनय और निर्देशक की जोड़ी पहली बार साथ काम कर रही है और फैंस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, हाल ही में आई खबरों में बताया गया कि इस फिल्म की रिलीज ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर अभिनीत वॉर 2 से बॉक्स ऑफिस पर टकरा सकती है।

बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेंगी फिल्में?

दोनों फिल्मों की रिलीज को लेकर सामने आ रहीं खबरों से संकेत मिलता है कि दोनों बड़े बैनर की फिल्में एक ही स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत रिलीज पर नजर गड़ाए हुए हैं। अगर टकराव होता तो इससे दोनों फिल्मों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर काफी असर पड़ सकता था। हालांकि, अब फिल्मों को लेकर ताजा खबर है कि रिलीज की तारीखों के टकराव को टाल दिया गया है।

कब-कब रिलीज होंगी दोनों फिल्में

कई चर्चाओं के बाद दोनों फिल्मों के निर्माता फिल्मों को अलग-अलग सप्ताहांत पर रिलीज करने के लिए सहमत हो गए हैं। आंध्र बॉक्स ऑफिस डॉट कॉम के अनुसार, अगर वॉर 2 अगस्त 2025 में स्वतंत्रता दिवस के सप्ताहांत पर रिलीज होती है तो कुली उस दिन रिलीज नहीं होगी। रिलीज शेड्यूल पर आगे की बातचीत अभी भी जारी है।

फिल्म के कलाकार

इस बीच दावा किया गया है कि रजनीकांत की कुली के निर्माता पूरे भारत में फिल्म की सफल रिलीज के लिए वितरकों की तलाश कर रहे हैं। इसके साथ ही हाल ही में फिल्म की टीम ने निर्देशक लोकेश कनगराज का जन्मदिन सेट पर मनाया। इस जश्न की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। कुली में नागार्जुन अक्किनेनी , सत्यराज, श्रुति हासन, उपेंद्र, शौबिन शाहिर और अन्य सहित कई कलाकार हैं।

पूजा हेगड़े ने पहली बार तमिल फिल्म के लिए की डबिंग, रेट्रो में डबल धमाका करेंगी अभिनेत्री

पूजा हेगड़े कभी तेलुगु सिनेमा में सबसे ज्यादा पैसे पाने वाली अभिनेत्री थीं और उन्होंने कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया था। हालांकि, जब से उन्होंने महेश बाबू की गुंटूर कारम छोड़ी है, तब से उन्हें टॉलीवुड में कोई नया प्रस्ताव नहीं मिला है, लेकिन तमिल सिनेमा में ऐसा नहीं है, जहां उन्हें लगातार बड़ी फिल्में मिल रही हैं। अब अभिनेत्री से जुड़ी नई खबर सामने आई है।

फिल्म की शूटिंग जल्द पूरी होगी

पूजा की अगली बड़ी फिल्म रेट्रो है, जिसमें सुपरस्टार सूर्या मुख्य भूमिका में हैं और कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित है। यह सूर्या के साथ पूजा हेगड़े की पहली फिल्म है और नेटफ्लिक्स ने एक्शन ड्रामा के ओटीटी अधिकार हासिल कर लिए हैं। कुछ महीने पहले रिलीज हुए टीज़र में पूजा को पारंपरिक अवतार में दिखाया गया था और सूर्या के साथ उनकी केमिस्ट्री को काफी सराहा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, रेट्रो में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी शूटिंग पूरी होने वाली है।

खुद डबिंग कर रही हैं पूजा

अभिनेत्री को लेकर ताजा अपडेट है कि पूजा हेगड़े ने पहली बार तमिल में रेट्रो में खुद के लिए डबिंग की है। इससे पहले उनकी आवाज को दूसरों द्वारा डब किया गया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में पूजा हेगड़े ने इस बात पर हैरानी जताई कि कार्तिक सुब्बाराज ने उन्हें लीड रोल के लिए अप्रोच किया। उन्होंने बताया, जब कार्तिक सर ने मुझे रेट्रो का ऑफर दिया तो मैं चौंक गई। यह रोल मेरी आम इमेज से बिल्कुल अलग है और मुझे इस रोल के लिए चुने जाने पर बहुत गर्व महसूस हुआ। मुझे पता था कि मुझे इसके लिए अपना सब कुछ देना होगा।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

ज्योतिका और सूर्या द्वारा अपने होम बैनर तले निर्मित रेट्रो 1 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। फिल्म को लेकर निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने खुलासा किया कि सूर्या आखिरी आउटपुट से बहुत खुश थे और पूजा हेगड़े का प्रदर्शन भी उन्हें काफी पसंद आया। वहीं, अभिनेत्री की आने वाली फिल्मों के बारे में बात करें तो पूजा हेगड़े कुली में एक विशेष भूमिका निभाएंगी और कंचना 4 और जन नायकन में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा उन्होंने है जवानी तो इश्क होना है नाम की एक बॉलीवुड प्रोजेक्ट भी साइन किया है।

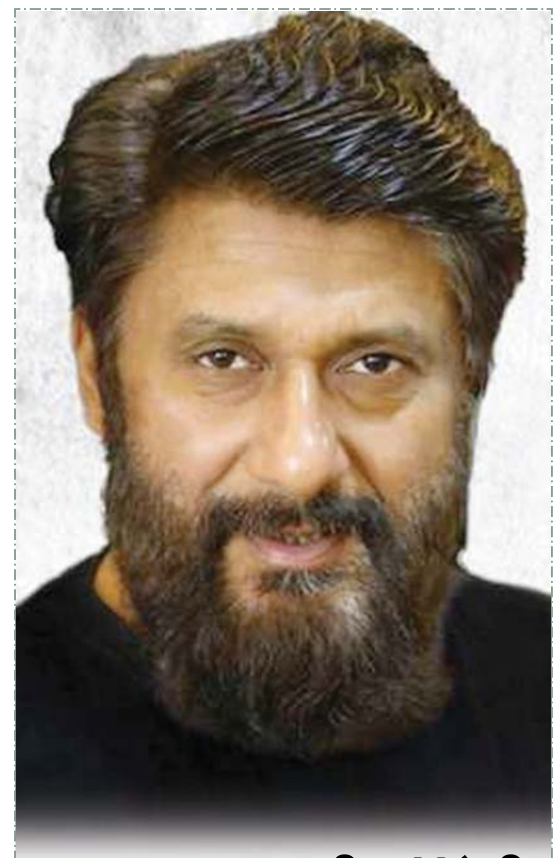

'खूबसूरत' सी कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते हैं विवेक रंजन

'द कश्मीर फाइल्स', 'वैक्सीन वॉर' हो या अपकमिंग 'द दिल्ली फाइल्स', निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री अक्सर गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों का निर्माण करते आए हैं। हालांकि, उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में अपने दिल की बात कही। उन्होंने कॉमेडी फिल्म बनाने की इच्छा जाहिर की। कहा कि वह एक ऐसी कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते हैं, जो साफ-सुथरी और फूहड़ता से दूर हो। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने बताया कि वह गंभीर विषयों पर फिल्म बनाते रहे हैं लेकिन उन्हें कॉमेडी फिल्में देखना बहुत पसंद है और वह ऐसी फिल्म बनाने की भी इच्छा रखते हैं। उन्होंने कहा, मैं गंभीर फिल्में बनाता हूं। गंभीर इसलिए क्योंकि वे राजनीतिक पृष्ठभूमि की होती हैं लेकिन मैं खुद बहुत ज्यादा कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर देखता हूं। मुझे कॉमेडी फिल्में पसंद हैं। दरअसल, यह मेरी जिंदगी का एक मिशन था कि मैं भारत की डेमोक्रेसी के तीनों स्तंभ सत्य, न्याय और जिंदगी पर एक फिल्म बनाऊं। 'ताशकंद फाइल्स' – सत्य, 'द कश्मीर फाइल्स' – न्याय पर थी और अब दो भाग में 'द दिल्ली फाइल्स- बंगाल चैप्टर' आ रही है, जिसका संबंध जिंदगी से है और अब यह पूरा भी हो चुका है। अग्निहोत्री ने बताया कि गंभीर विषयों पर फिल्में बनाने के बाद अब वह साफ-सुथरी कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसमें अश्लीलता या फूहड़ता न हो। उन्होंने कहा, आप पुराने समय की फिल्मों को ले लीजिए, मैं वैसी फिल्में बनाना चाहता हूं, मैं 'पड़ोसन', 'चलती का नाम गाड़ी', 'अंगूर' और ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म 'खूबसूरत' जैसी फिल्म बनाने की मंशा रखता हूं। द दिल्ली फाइल्स बनाने का विचार कैसे आया? इस सवाल पर उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में हम ही एक ऐसी कम्युनिटी हैं, जो गुलामी की जंजीर में रहे और हमें प्रताड़ित किया गया। हमें हमेशा से सिखाया गया कि अपने गुस्से को कंट्रोल करना चाहिए, उसे प्रकट करने से बचना चाहिए और पूरी दुनिया यही सिखाने में लगी हुई है कि मानवता क्या है? लेकिन आज की पीढ़ी को बंगाल या डायरेक्ट एक्शन डे की सच्चाई से अवगत कराना जरूरी है। फिल्म में बंगाल की आज की स्थिति को भी दिखाया गया है। ये फिल्म सार्थक जरूर होगी क्योंकि देखकर लोगों के मन में ये जरूर आएगा कि बंगाल अलग नहीं, ये हमारे देश का ही एक हिस्सा है। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने फिल्मों को लेकर दर्शकों की पसंद पर भी बात की। उन्होंने कहा, दर्शक के पास आज के समय में चॉइस कम है। हम जो फिल्में उन्हें देते हैं, वो उसी में से चयन करते हैं, फिर वो अच्छी हो या खराब। मुझे लगता है कि भारतीय कहानियों या आम लोगों से संबंधित विषय को आप जब अच्छे कलाकारों के साथ बनाएंगे तो वह चलेगी ही। आप जब अजीब सी कहानियों को केवल बॉलीवुड कलाकारों के बच्चों के साथ ही बनाएंगे तो वह कहानी कैसे चलेगी? आम दर्शकों को अब ऐसी कहानियों का लोभ ही नहीं रह गया है।

तमन्ना भाटिया ने बताया, क्यों खास है फिल्म 'ओडेला 2'

बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओडेला 2' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह फिल्म सुपरनेचुरल बैकड्रॉप और आध्यात्मिक पहलू के साथ बनाई जा रही है। एक्ट्रेस ने यह भी कहा है कि यह फिल्म आज के समाज में आने वाली समस्याओं पर केंद्रित है। ओडेला 2 के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने बताया, यह एक फेंटेसी मूवी है और इसे थिएटर में देखना अनुभव शानदार है। इसमें सुपरनेचुरल बैकड्रॉप और थोड़ा सा आध्यात्मिक पहलू भी है। इन सभी चीजों ने मुझे बहुत आकर्षित किया। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें ऐसी फिल्में पसंद हैं क्योंकि वे लार्जर दैन लाइफ होती हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस तरह का सिनेमा पसंद है, क्योंकि बचपन में मुझे ऐसी फिल्में पसंद थीं, जो लार्जर दैन लाइफ होती हैं और आपको एक अलग दुनिया में ले जाती हैं। मुझे पता चला कि फिल्म का टीजर पहली बार काशी में लॉन्च किया गया था।

उन्होंने आगे बताया कि फिल्म आज के समय की समस्याओं पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा, यह आज हमारे लिए कुछ हद तक प्रासंगिक है, यह उन मुद्दों और समस्याओं से संबंधित है, जिनका हम आज एक समाज के रूप में सामना करते हैं। यह अंत में आपको बहुत बड़ा और सशक्त संदेश देती है। तमन्ना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्मों को ऐसा ही करना चाहिए। उन्हें आपको उम्मीद देनी चाहिए, क्योंकि यही कारण है कि मैंने एक्ट्रेस बनने का निर्णय लिया। मैं एक्ट्रेस इसलिए बनी, क्योंकि इसने मुझे आशावादी बनाया। यह फिल्म भी लोगों को यही एहसास दिलाएगी।

बता दें कि ओडेला 2 अशोक तेजा द्वारा निर्देशित एक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में तमन्ना भाटिया, हेबाह पटेल, वशिष्ठ एन. सिम्हा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंदर रेड्डी, भूपाल और पूजा रेड्डी भी अहम किरदारों में हैं।

वेंकट प्रभु की पैन इंडिया फिल्म में काम करेंगे अक्षय कुमार?

अक्षय कुमार हाल ही में स्काई फोर्स में नजर आए थे, जिसे प्रशंसकों और आलोचकों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। इस बीच अभिनेता को लेकर नई खबर सामने आई है कि एक नई पैन इंडिया फिल्म उनके हाथ लगी है। खबर है कि अक्षय अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक वेंकट प्रभु के साथ सहयोग करने पर विचार कर रहे हैं। वेंकट प्रभु ने इससे पहले विजय के साथ द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम में काम किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वेंकट ने हाल ही में अभिनेता को एक स्क्रिप्ट सुनाई और कहा जाता है कि वह कहानी से खुश हैं। अगर सब कुछ सही रहा और फिल्म पर बात बन गई तो जल्द ही इसकी शूटिंग भी शुरू हो जाएगी।

ब्रह्मास्त्र 2 पर रणबीर ने दिया अपडेट

अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन- शिवा ने 2022 में बॉक्स ऑफिस पर 257.44 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म के आखिर में इसके सीक्वल ब्रह्मास्त्र- पार्ट टू - देव की घोषणा की गई थी, लेकिन इसके बाद कोई खास अपडेट नहीं आया।

हाल ही में आलिया की बर्थडे पार्टी में रणबीर ने मीडिया से बातचीत के दौरान ब्रह्मास्त्र 2 को लेकर बड़ा खुलासा किया।

रणबीर ने कहा, ब्रह्मास्त्र 2 डायरेक्टर अयान मुखर्जी का लंबे समय से सपना रहा है। पूरी कहानी उनके दिमाग में तैयार है। अभी वह वॉर 2 में व्यस्त हैं। जैसे ही यह फिल्म रिलीज होगी, वह ब्रह्मास्त्र 2 की तैयारी शुरू करेंगे। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म जरूर बनेगी। हमने अभी तक इस फिल्म को लेकर ज्यादा कुछ नहीं कहा है, लेकिन जल्द ही इसके बारे में मजेदार घोषणाएं की जाएंगी।

संजय लीला भंसाली की भी जमकर तारीफ की

रणबीर ने अपनी दूसरी फिल्म लव एंड वॉर के बारे में भी बात की। यह संजय लीला भंसाली के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी। उनकी पहली फिल्म सांवरिया थी, जो 17 साल पहले रिलीज हुई थी। भंसाली के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए रणबीर ने कहा, उनके साथ काम करना खास है। मैंने ऐसा मेहनती इंसान नहीं देखा। वह किरदार, भावनाएं, संगीत और भारतीय संस्कृति को बखूबी समझते हैं। उनके सेट पर काम थकाने वाला और लंबा होता है, लेकिन एक कलाकार के तौर यह संतुष्टि देता है। वह कला को निखारते हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे रणबीर

लव एंड वॉर में रणबीर के साथ विक्की कौशल भी लीड रोल में होंगे। यह फिल्म मार्च 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा रणबीर के पास रामायण और एनिमल 2 जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स भी हैं। वहीं, आलिया भट्ट जल्द ही अल्फा में नजर आएंगी, जो इस साल क्रिसमस पर रिलीज होगी।

एक्टर आदर्श गौरव ने किया सामंथा रुथ प्रभु का शुक्रिया

फिल्म खो गए हम कहां में नजर आए एक्टर आदर्श गौरव साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह एक हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। अब एक इंटरव्यू में आदर्श ने सामंथा रुथ प्रभु का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से तेलुगु फिल्मों में काम करना चाहते थे, लेकिन समझ नहीं पा रहे थे कि कैसे शुरुआत करें। ऐसे में सामंथा ने उन्हें रास्ता दिखाया। आदर्श गौरव ने कहा, तेलुगु मेरी मातृभाषा है। मैं हमेशा से साउथ इंडस्ट्री में काम करना चाहता था, लेकिन समझ नहीं आ रहा था कि शुरुआत कैसे करूं। मुझे कोई सही रास्ता नहीं मिल रहा था। लेकिन जब मैं वेब सीरीज सिटाडेल की आफ्टर पार्टी में गया, तब मुझे वहां सामंथा रुथ प्रभु मिलीं। मैं उनसे कहा कि मुझे तेलुगु फिल्मों में काम करना है। लेकिन समझ नहीं आ रहा है कि कैसे शुरू करूं?

आदर्श ने आगे कहा, उन्होंने मुझसे कहा था, तुम वहां जाकर कुछ मीटिंग्स क्यों नहीं करते? मैं तुम्हारी मदद करूंगी। इसके बाद उनके बिजनेस पार्टनर और मैनेजर ने मुझे बहुत सारे लोगों से मिलवाया और फिर मुझे साउथ की मूवी मिली। आदर्श की मानें तो उनकी फिल्म एक मल्टी-जॉनर स्क्रिप्ट है। उनका कहना है कि यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर और हॉरर फिल्म है, लेकिन इसके साथ ही यह एक डार्क कॉमेडी भी है।

विदेश दौरे पर परिवार के साथ ही रहना चाहेंगे सभी क्रिकेटर : विराट

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि विदेश दौरे के लिए परिवार को साथ रखने की अनुमति मिलनी चाहिये। विराट ने कहा कि वह अपने होटल के कमरे में अकेले बैठने की जगह मैदान पर तनावपूर्ण दिनों से निपटने के लिए परिवार का साथ चाहेंगे। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद विदेशी दौरे मे परिवार को साथ रखने पर रोक लगा दी थी। साथ ही कहा था कि केवल 45 दिन से अधिक के दौरे पर खिलाड़ी परिवार के साथ रह सकते हैं। वह भी 14 दिन तक ही।

नये नियम में खिलाड़ियों की पत्नी, बच्चे या महिला मित्र छोटे दौरों पर अधिकतम एक हफ्ते तक उनके साथ रह सकते हैं। हाल में खत्म हुई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान कोहली, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी के परिवार दुबई में थे पर वे टीम होटल में नहीं रुके और परिवारों के ठहरने का खर्च खिलाड़ियों ने स्वयं उठाया। कोहली ने कहा, 'लोगों को परिवार की भूमिका समझाना बहुत मुश्किल है। साथ ही कहा कि हर बार जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में होते तो अपने परिवार के पास वापस आना अहम होता है। मुझे नहीं लगता कि लोगों को इसका महत्व पता है। कोहली ने कहा कि परिवार के साथ होने से खिलाड़ी को मैदान पर मिली निराशा से जल्दी से उबरने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने कमरे में जाकर अकेले बैठकर उदास नहीं रहना चाहता। मैं सामान्य होना चाहता हूं। तभी आप अपने खेल को एक जिम्मेदारी के रूप में ले सकते हैं। आप बाहर की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करते हैं और फिर आप अपने घर वापस आते हैं, आप परिवार के साथ होते हैं और आपके घर में माहौल बिलकुल सामान्य होता होती है और सामान्य पारिवारिक जीवन चलता रहता है।

उन्होंने कहा, 'इसलिए मेरे लिए यह बहुत खुशी का दिन होता है। जब भी संभव होता है, मैं अपने परिवार के साथ बाहर जाने और समय बिताने का कोई अवसर नहीं छोड़ता। कोहली ने इस बात से निराश थे क्योंकि ऐसे मुद्दों से जिसका कोई संबंध भी नहीं था, वो लोग भी इन चर्चाओं में शामिल रहे हैं। इस के खिलाड़ी ने कह, 'मुझे इससे बहुत निराशा हुई क्योंकि जिनका इस मामले में कोई लेना देना नहीं था, उन्हें भी चर्चा में शामिल किया गया जिन्होंने कहा, 'ओह, शायद खिलाड़ियों को परिवार से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'और अगर आप किसी खिलाड़ी से पूछें कि क्या आप चाहते हैं कि आपका परिवार हर समय आपके आस-पास रहे? तो वे 'हां ही कहेंगे।

कपिल देव ने विदेश दौरे पर परिवार ना ले जाने वाले बीसीसीआई के फैसले पर रखी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव विदेश दौरे पर क्रिकेटरों के अपने परिवार साथ में रखने के पक्ष में है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मामले में संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिए। भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने निर्देश जारी किया कि 45 से अधिक दिन के दौरे में क्रिकेटर अधिकतम 14 दिन तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं।

दिशानिर्देशों के अनुसार इससे कम अवधि के दौरे पर खिलाड़ी अधिकतम एक सप्ताह तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं। विश्व कप 1983 के विजेता कप्तान ने 'कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन इनविटेशनल' कार्यक्रम के मौके पर कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता, यह व्यक्तिगत है। मुझे लगता है कि यह क्रिकेट बोर्ड का फैसला है। मेरे विचार में आपको परिवार की जरूरत है लेकिन आपको हर समय टीम के साथ रहने की भी जरूरत है।'

हाल में समाप्त हुई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान विराट कोहली, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ियों के परिवार भी दुबई में थे लेकिन वे टीम होटल में नहीं ठहरे थे। परिवार का खर्चा बीसीसीआई ने नहीं बल्कि स्वयं खिलाड़ियों ने उठाया था।

कपिल ने कहा, 'हमारे जमाने में क्रिकेट बोर्ड नहीं बल्कि हम खुद ही तय करते थे कि दौरे का पहला चरण क्रिकेट को समर्पित होना चाहिए जबकि दूसरे चरण में परिवार के साथ रहने का आनंद लेना चाहिए। इसमें संतुलन होना चाहिए।' इससे पहले रविवार को कोहली ने विदेश दौरे में परिवार को साथ रखने का समर्थन किया था।

पाक गेंदबाज अली को कीवी बल्लेबाजों ने जमकर पीटा, करियर खतरे में पड़ा

डुनेडिन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे पर गयी पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। इस दौरे से अपना करियर शुरु करने वाले

33 साल के मोहम्मद अली की गेंदों की इतनी पिटाई हुई है कि उनका करियर शुरु होने से पहले ही समाप्त होता नजर आ रहा है। पहले मैच में अली ने तीन ओवरों में ही 25 लुटा दिये थे। वहीं दूसरे मैच भी भी इस पाक गेंदबाज की जमकर पिटाई हुई। दूसरे मुकाबले में उनकी पहली और तीसरे गें पर मेजबान टीम के बल्लेबाज फिन ऐलन ने छक्के लगा दिये। इसके बाद की तीन गेंदों पर भी एक छक्का लगा। इस प्रकार ओवर में कुल 18 रन बने।

वहीं जबकि अगले ओवर में भी अली की गेंदों पर टिम सिफर्ट ने जमकर शॉट लगाये। उन्होंने पहली गेंद पर छक्का, वहीं दूसरी और तीसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद पर उन्हें सिफर्ट का मिला पर तब तक इस ओवर में अली ने 16 रन लुट दिये थे जिससे मैच पाक के हाथ से फिसल गया था।

इस मैच में पाक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बारिश से प्रभावित मुकाबले में 15 ओवरों में 9 विकेट पर 135 रन बनाए। कप्तान सलमान अली आगा ने 46 और शादाब खान ने 26 रन बनाये। इसे बाद कीवी टीम ने 13 ओवर ओर एक गेंद में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस प्रकार पाक को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है।

वरुण का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अपने करियर में कई बदलावों से गुजरे हैं। वरुण शुरु से क्रिकेटर बनना चाहते थे पर उनका लक्ष्य स्पिनर नहीं बल्कि तेज गेंदबाज बनना था पर उन्हें अवसर नहीं मिल पाया। ऐसे में टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर प्रवेश का उन्होंने प्रयास किया और कई 40 ट्रायल दिए पर असफल रहे। ऐसे में निराश होकर उन्होंनें क्रिकेट को छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान देना शुरु कर दिया और अंत में आर्किटेक्चर बनने में सफल रहे। इसके बाद इस क्षेत्र में नौकरी शुरु कर दी।

आर्किटेक्ट की नौकरी के दौरान वह शौकिया तौर पर कंपनी की ओर खेलने लगी। इसके बाद काम में उनका मन नहीं लगा और उन्होंने एक बार फिर क्रिकेटर बनने की ठानी। उनका ध्यान तेज गेंदबाज बनने पर था जिसके लिए उन्होंन कए बार फिर प्रयास किया पर अभ्यास के दौरान घायल हो गये। इसके बाद सभी विकल्प आजमाने के बाद उनका ध्यान स्पिन गेंदबाजी की ओर गया। वह यूट्यूब से ही अनिल कुंबले और एडम जैम्पा की गेंदबाजी देख अभ्यास करने लगे।

उनकी मेहनत रंग लायी। साल 2017 में वरुण ने तमिलनाडु के जुबली क्रिकेट वनडे टूर्नामेंट में 7 मैच में 31 विकेट लिए जिसकी बदौलत उन्हें तमिलनाडु प्रीमियर लीग में मौका मिला। 28 की उम्र में वरुण को आईपीएल में अवसर मिला। उन्हें 2019 में पंजाब ने 8.4 करोड़ रुपए में खरीदा। फिर वे कोलकाता नाइट राइडर से जुड़े और उन्हें अपनी गेंदबाजी से मिस्ट्री स्पिनर कहा जाने लगा। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें भारतीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। श्रीलंका के खिलाफ 25 जुलाई 2021 को आर.प्रेमदासा स्टेडियम में उन्होंने टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। वहीं साल 2021 में यूएई में हुए टी-20 विश्वकप में वरुण अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने की वजह से उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। इससे वह निराश हो गये पर उन्होंने मेहनत नहीं छोड़ी और अभ्यास करते रहे। उनकी मेहनत सफल रही। गत वर्ष आईपीएल में 21 विकेट लेकर इस गेंदबाज ने कोलकाता की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस सीजन के लिए कोलकाता ने उन्हें 12 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन मैच में 9 विकेट लेकर वे टूर्नामेंट के दूसरे सफल गेंदबाज और भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। इस साल भारत-इंग्लैंड के बीच हुई टी-20 सीरीज के 5 मैचों में भी वह 14 विकेट लेकर वे मैन ऑफ द सीरीज भी बने थे।

भारतीय मुक्केबाजों के लिए खुशखबरी, ओलंपिक में फिर से शामिल होगा बॉक्सिंग

नई दिल्ली। साल 2028 लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों से मुक्केबाजों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में मुक्केबाजी को शामिल किया जाएगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने मंगलवार से शुरू हो रहे 144वें सत्र से पहले इसे मंजूरी दे दी। आईओसी ने पिछले महीने वर्ल्ड मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता दे दी थी जिससे अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ को दरकिनार करके नयी नियामक ईकाई को अधिकार सौंपे। वहीं आईओसी के 18 से 21 मार्च तक चलने वाले सत्र में थॉमस बाक की जगह नए अध्य्क्ष का भी चुनाव किया जाएगा। इसके साथ ही लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में मुक्केबाजी को शामिल करने के कार्यकारी बोर्ड के फैसले को मंजूरी भी मिलेगी। बाक ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कहा कि, फरवरी में वर्ल्ड मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता मिलने के बाद हम ये फैसला लेने की स्थिति में थे। सत्र में इसे मंजूरी के लिए रखा जाएगा और मुझे यकीन है कि इसे मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद दुनिया भर के मुक्केबाज लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेल सकेंगे अगर उनके राष्ट्रीय महासंघ को वर्ल्ड मुक्केबाजी से मान्यात मिली हुई है। वहीं आईओसी के देखरेख में टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 की मुक्केबाजी इवेंट में हुई थी। लंबे समय से चले आ रहे संचालन संबंधी मसलों और मुकाबलों की निष्पक्षता पर सवाल उठने के बाद 2023 में आईबीए की मान्यता रद्द कर दी गई थी।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की उपकप्तानी करते नजर आयेंगे डू प्लेसिस

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डू प्लेसिस आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के उपकप्तान के तौर पर उतरेंगे। कैपिटल्स ने एक वीडियो पोस्ट करके उन्हें उपकप्तान बनाये जाने की जानकारी सार्वजनिक की है। फाफ इस वीडिया में

कहते नजर आ रहे हैं कि वक कैपिटल्स में आकर बेहद खुश हैं। इससे पहले फाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में थे। इस क्रिकेटर ने अब तक 404 टी20 मैच खेले हैं और 40 साल की उम्र में भी दुनिया भर की लीग में अपने प्रदर्शन के कारण टिके हुए हैं। उन्होंने 383 पारियों में छह शतकों और 78 अर्द्धशतकों की मदद से 32.66 की औसत से 11,236 रन बनाए हैं। फाफ के पास आईपीएल का काफी अनुभव है जिसमें दुबई के साथ तीन सत्र की की कप्तानी का अनुभव भी शामिल है, जिसमें टीम दो सीजन में प्लेऑफ तक पहुंची। इससे कैपिल्सक को लाभ होगा। फाफ ने 145 आईपीएल मैचों में 35.99 की औसत और 136 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 4,571 रन बनाए हैं जिसमें 37 अर्द्धशतक और 96 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी के दौरान डीसी ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस सत्र में अक्षर पटेल टीम के कप्तान बनाये गये हैं। डीसी अपना अभियान 24 मार्च को विजाग में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

शार्दुल को अवसर दे सकती है लखनऊ सुपर जायंट्स

मुम्बई। टीम इंडिया से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस बार आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में किसी ने भी नहीं खरीदा था। शार्दुल अभी जून में शुरू होने रहे इंग्लैंड के दौरे की तैयारी कर रहे हैं। हाल में घरेलू क्रिकेट में शार्दुल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। ऐसे में इसके आधार पर उन्हें एक टीम आईपीएल में अब भी अवसर दे सकती है। वह टीम है लखनऊ सुपर जायंट्स। उसके कई खिलाड़ी अभी चोटिल हैं। ऐसे में इस तेज गेंदबाजी ऑलराउंड र को जगह मिलने की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस क्रिकेटर को चेन्नई सपुर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स से खेलने आ अनुभव है जिसका लाभ लखनऊ उठाना चाहेगी। माना जा रहा है कि इसी कारण शार्दुल रविवार को अभ्यास के दौरान सुपर जायंट्स की किट पहने दिखे हालांकि अभी तक फेंचाइजी ने अधिकारिक तौर पर उन्हें शामिल करने की कोई घोषणा नहीं की है।

भारतीय धाविका अर्चना जाधव डोप परीक्षण में फेल, चार साल का प्रतिबंध लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की लंबी दूरी की धाविका अर्चना जाधव पर जनवरी में डोप परीक्षण में विफल रहने के कारण मंगलवार को चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। अर्चना ने बार-बार याद दिलाने पर भी डोप परीक्षण में असफल रहने के खिलाफ अपील नहीं की जिससे विश्व एथलेटिक्स ने यह मान लिया कि वह अपना अपराध स्वीकार करती है और इसलिए उस पर प्रतिबंध लगा दिया।

विश्व एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के अनुसार जाधव का जो नमूना पिछले साल दिसंबर में पुणे हाफ-मैराथन के दौरान लिया गया था, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ ऑक्सेंड्रोलोन था। यह सिंथेटिक एनाबॉलिक स्टेरॉयड शरीर में प्रोटीन उत्पादन और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है। प्रतिबंध सात जनवरी से लागू हुआ। जाधव इस अवधि के लिए अस्थायी तौर पर निलंबित थी।

15 दिसंबर 2024 से उनके सभी परिणाम अयोग्य माने जाएंगे और उन्हें इस अवधि के लिए सभी पुरस्कार, पदक, अंक, पुरस्कार और उपस्थिति राशि जमा करने होंगे। उन्होंने 25 फरवरी को एआईयू को एक ईमेल में उल्लंघन के आरोप का जवाब देते हुए कहा था, 'मुझे बेहद खेद है सर...मैं आपके फैसले का स्वागत करती हूं।' एआईयू ने कहा कि इस संवाद को लेकर उसकी समझ यह थी कि जाधव को सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी और वह निकाय से निर्णय से संतुष्ट थी। एआईयू ने कहा कि फिर भी जाधव को सूचित किया गया कि उनके पास यह स्वीकार करने के लिए तीन मार्च तक का समय है कि उन्होंने डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन किया है।

इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 28 फरवरी को उन्हें इसकी याद दिलाई। हालांकि, एआईयू को जाधव से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया था, जिसमें भारतीय महिला खिलाड़ियों में लिली दास, कविता यादव और प्रीति लांबा के पीछे चौथे स्थान पर रहीं थी। जाधव का 10,000 मीटर में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 35:44.26 और हाफ मैराथन में 1:20:21 है। 3,000 मीटर में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10:28.82 है।

आइपीएल उद्घाटन समारोह में श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी सहित कई सितारें कार्यक्रम पेश करेंगे

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के उद्घाटन सत्र में इस बार बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी और पंजाबी पॉप सिंगर करण औजला कार्यक्रम पेश करेंगे। इनके अलावा वरुण धवन और श्रद्धा कपूर भी इसमें शामिल हो सकते हैं। वहं पिछले सत्र में अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, गायक सोनू निगम और एआर रहमान ने आईपीएल में कार्यक्रम पेश किया था। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि आईपीएल उद्घाटन समारोह के लिए 25 मिनट का समय तय किया गया है, जिससे मैच की मनोरंजक शुरुआत हो सके। उन्होंने कलाकारों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी गई है पर कहा कि यह एक भव्य आयोजन होगा। गांगुली ने कहा कि हम उद्घाटन समारोह का आयोजन करेंगे, हालांकि हमें अभी तक नहीं पता कि कौन-कौन प्रस्तुति देंगे। अभी तक लिखित पुष्टि नहीं हुई है पर निश्चित रूप से यह भव्य समारोह होगा। कुल मिलाकर कोलकाता के लोगों के लिए यह आईपीएल का एक खूबसूरत उद्घाटन समारोह होगा। आईपीएल 22 मार्च से शुरू होकर 25 मई को समाप्त होगा, जिसमें 13 शहरों में 74 मैच होंगे।

सबालेंका को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता इंडियन वेल्स का खिताब

कैलिफोर्निया। रूस की महिला वर्ग की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर इंडियन वेल्स का खिताब अपने नाम कर लिया हैं। आज यहां फाइनल में मुकाबले में एंड्रीवा ने इंडियन वेल्स दुनिया की नवंबर वन और तीन बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका को 2-6 6-4 6-3 से हराया। यह एंड्रीवा का लगातार दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 स्तर के टूर्नामेंट का खिताब है। एंड्रीवा 1998 में मार्टिना हिंगिस और सेरेना के बाद टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी सबसे कम उम्र की चैंपियन खिलाड़ी बन गई हैं। मैच के बाद ट्रॉफी उठाते हुए एंड्रीवा ने कहा कि मैं अंत तक लड़ने के लिए, हमेशा विश्वास रखने के लिए और कभी हार न मानने के लिए खुद को धन्यवाद देना चाहूंगी। मैंने आज खरगोश की तरह दौड़ने का प्रयास किया बस बने रहना वाकई मुश्किल था, इसलिए मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई है।

मेरे बारे में धारणायें बनाई गई, टाइपकास्ट किया गया लेकिन मुझे अपनी ताकत पता थी : श्रेयस

नई दिल्ली। उन्हें तथाकथित तकनीकी कमी को लेकर बनी धारणाओं से लड़ना पड़ा, उन्हें टाइपकास्ट किया गया और विश्व कप नायक बनने के कुछ महीनों के भीतर ही उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया लेकिन श्रेयस अय्यर इन सबके बावजूद अडिग रहे और अपनी ईमानदारी और सुलझे हुए दिमाग पर भरोसा करके आगे बढ़े। इसका फल भी उन्हें मीठा ही मिला। पिछले कुछ समय में वह चौथे नंबर पर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने और कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ दिन पहले चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत के बाद उन्हें 'मौन नायक' करार दिया। शॉर्ट गेंद के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर पूछे जाने पर श्रेयस ने इंटरव्यू में कहा, 'शायद ऐसी धारणा बनाई गई थी या मुझे टाइपकास्ट किया गया। लेकिन मुझे हमेशा से अपनी ताकत, क्षमता पता थी और खुद पर भरोसा था।' पिछले 8 वनडे में उन्होंने चौथे नंबर पर 53 की औसत से रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'खेल बदलता रहता है लिहाजा खिलाड़ी को लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं सकारात्मक सोच के साथ खेल सका और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखा।' पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान उनकी कमर में चोट लगी और फिर उन्हें केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ा चूंकि उस समय वह अपनी तत्कालीन आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अभ्यास कर रहे थे जबकि उन्हें रणजी ट्रॉफी खेलना था।

टीम का माहौल ऐसा हो, सभी अपनी बात रख सकें : ऋषभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी करने जा रहे ऋषभ पंत ने कहा कि वह टीम में ऐसा माहौल बनाएंगे जिससे सभी खिलाड़ी अपनी बात रख सकें। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ ने कहा कि किसी को भी ऐसा नहीं लगना चाहिये कि वह अपनी राय को व्यक्त नहीं कर सकता। उनका प्रयास एक खुला माहौल बनाना है। नये कप्तान ने कहा हम ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहां लोग आकर अपनी बात कह सकें। यह एक बहुत ही सरल विचार है। इसे कहना आसान है पर अमल में लाना नहीं, क्योंकि इसके लिए हर व्यक्ति को बहुत प्रयास करना पड़ता है।

इस आक्रामक बल्लेबाज ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यह काम केवल प्रबंधन ही नहीं कर सकता है। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों की वजह से ही हम ऐसा माहौल बना पाते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर मैंने हमेशा यही महसूस किया है कि अगर आप अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और उन्हें पर्याप्त भरोसा देते हैं, तो वे आपको किसी भी स्तर पर आगे बढ़ा सकते हैं। मुझे लगता है कि हमारे इस समूह और प्रबंधन के पास अच्छा खास अनुभव है।

एलएसजी दो बार एलिमिनेटर में बाहर होने से पहले आईपीएल 2022 और 2023 सत्र के प्लेऑफ में पहुंची थी। आईपीएल 2024 में, एलएसजी अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। उन्होंने निकोलस पूरन, एडेन मार्करम और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से टीम के नए खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा करने को भी कहा है।

कप्तान ने कहाकेवल अपने अनुभव को युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते रहें और उस अनुभव को इस समूह को हासिल करने दें। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो हम सभी सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीख सकते हैं, और बस एक दिन में एक बार इसे आगे बढ़ाएं, बस अपना 100 फीसद दें, टीम के हित को ध्यान में रखते हुए काम करे। उसमें ये सोचने की जरुरत नहीं कि हमारी टीम आपका समर्थन करेगी या नहीं। साथ ही कहा, मुझे लगता है कि हम प्रत्येक व्यक्ति पर भरोसा करते हैं कि वे सर्वश्रेष्ठ लोग हैं। इसलिए हम सभी यहां एक साथ हैं। हमें एक दूसरे का साथ देना चाहिये जिससे जब हम यहां से वापस जाएं, तो मुझे लगता है कि हमें एक बेहतर खिलाड़ी ओर इंसान के रुप में याद किया जाये।

दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कप्तान ऋषभ को मेगा नीलामी में एलएसजी आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ रकम देकर 27 करोड़ में खरीदा था। अब टीम आईपीएल 2025 सीजन का अपना पहला मैच 24 मार्च को विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी।

संक्षिप्त समाचार

एक महीने से अधिक समय बाद वेटिकन ने पोप की पहली तस्वीर जारी की

रोम, एजेंसी। वेटिकन ने रविवार को एक महीने से ज़्यादा समय बाद पोप की पहली तस्वीर जारी की। फोटो में फ्रांसिस अस्पताल के चैपल में सामूहिक प्रार्थना करते हुए नज़र आ रहे हैं। तस्वीर पीछे से ली गई है। पोप फ्रांसिस बैंगनी रंग का स्टोल पहने हुए एक वेदी के सामने व्हीलचेयर पर बैठे दिख रहे हैं। वेटिकन ने कहा, वे अन्य पादरियों के साथ सामूहिक प्रार्थना समारोह में भाग लेने गए थे। फोटो में कोई और दिखाई नहीं दे रहा है। पोप की पहली तस्वीर है, जब उन्हें 14 फरवरी को ब्रोंकाइटिस की गंभीर बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

चीन ने पाकिस्तान को सौंपी एक और पनडुब्बी

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने पाकिस्तान को एक और अत्याधुनिक पनडुब्बी सौंपी है। इसमें उन्नत हथियार व सेंसर लगे हुए हैं। चीन पाकिस्तान की नौसैन्य ताकत बढ़ाकर अरब सागर व हिंद सागर में दबदबा बढ़ाना चाहता है। उसने हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी को वुहान शहर में लॉन्च किया। इसी श्रेणी की एक पनडुब्बी पहले ही वह पाकिस्तान को दे चुका है।

सोनिक हथियार इस्तेमाल करने के आरोपों से सर्बियाई सरकार का इनकार

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बियाई अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर सैन्य स्तर के सोनिक हथियार के इस्तेमाल से इनकार किया है। दरअसल सर्बिया में शनिवार को राजधानी बेलग्रेड में लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे, जो रेल हादसे को लेकर सर्बिया के राष्ट्रपति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। विपक्षी नेताओं और मानवाधिकार संगठनों ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने सैन्य स्तर के सोनिक हथियार का इस्तेमाल किया। इस हथियार के इस्तेमाल से लोगों की सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि वे इसकी शिकायत यूरोप की मानवाधिकार अदालत में करेंगे। हालांकि अब सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने इन आरोपों से इनकार किया है।

यूरोपीय देशों के साथ रिश्तों को मजबूत करने में जुटे कनाडा के नए पीएम

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी सोमवार को पेरिस और लंदन के दौरे पर रवाना हुए। कनाडा के प्रधानमंत्री का यह दौरा कनाडा के यूरोपीय देशों के साथ रिश्तों को मजबूत करने के उद्देश्य से हो रहा है। मार्क कॉर्नी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में तनाव चल रहा है। मार्क कार्नी ने शुक्रवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कहा कि कनाडा का आधार तीन लोग हैं, जिनमें फ्रेंच, इंग्लिश और मूल निवासी शामिल हैं। कनाडा आधारभूत रूप से अमेरिका से अलग है और यह कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेगा। अब मार्क कार्नी के लंदन और पेरिस के दौरे को भी फ्रांस और ब्रिटेन के साथ संबंधों को मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है।

फिर भूकंप के झटकों से कांपी धरती, चीन और इथियोपिया में आए 4 से 6 तीव्रता के भूकंप

बीजिंग, एजेंसी। आज फिर भूकंप के झटकों से धरती कांप उठी। आज सुबह भारत के पड़ोसी देश चीन में भूकंप आया। इसके अलावा देर रात इथियोपिया में भी भूकंप आया और उसके बाद लगातार झटके आ रहे हैं, जिनकी तीव्रता भी रिक्टर पैमाने पर अलग-अलग है। चीन में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र चीन के किंगहाई शहर के पास धरती के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई में पाया गया। इथियोपिया में पहला भूकंप देर रात करीब 12:23 बजे आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.5 मापी गई। इसके बाद 4.3 और 5.1 तीव्रता के झटके भी आये। लोगों को लगातार भूकंप के झटकों से जूझना पड़ रहा है। हालांकि अभी तक दोनों देशों में भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन लोगों में दहशत का माहौल है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने दोनों देशों में भूकंप की पुष्टि की है।

अमेरिका ने अल सल्वाडोर के साथ समझौता किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रम्प ने दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद अल सल्वाडोर से समझौता किया था, जिसके तहत अमेरिका के हिंसक अपराधियों और अवैध अप्रवासियों को वहां की जेलों में रखा जाएगा। अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने यह प्रस्ताव रखा था, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया।

सीरिया के तटीय शहर लताकिया में धमाका, 16 लोगों की मौत

लताकिया, एजेंसी। सीरिया के तटीय शहर लताकिया में हुए एक विस्फोट में 16 लोगों की मौत हो गई। देश की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक धमाके के बाद एक इमारत ढह गई, जिसमें 16 लोग मारे गए, जबकि 18 घायल हुए। व्हाइट हेल्मेट्स के नाम से मशहूर पैरामेडिक समूह ने बताया कि मलबे के नीचे से 16 शव बरामद किए गए मृतकों में पांच महिलाएं और पांच बच्चे शामिल थे।

प्रशासन ने कोर्ट की रोक बावजूद लोगों को किया निर्वासित, अफसर बोले- जब फैसला आया उड़ानें हवा में थीं

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रम्प प्रशासन ने अदालत की ओर से रोक लगाने के बावजूद सैकड़ों अप्रवासियों को अल साल्वाडोर भेज दिया। दूसरी ओर, एक संघीय न्यायाधीश ने वेनेजुएला के गिरोह के सदस्यों को लक्षित करने वाले 18वीं सदी के युद्धकालीन घोषणापत्र के तहत निर्वासन पर अस्थायी रूप से रोक लगाने का आदेश जारी किया है। अधिकारियों ने रविवार बताया कि जिस वक्त फैसला आया उड़ानें हवा में थीं।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेम्स ई. बोसबर्ग ने शनिवार को एक आदेश जारी कर निर्वासन को अस्थायी रूप से रोक दिया, लेकिन वकीलों ने उन्हें बताया कि पहले से ही दो विमान अप्रवासियों को लेकर हवा में हैं - एक अल साल्वाडोर जा रहा है, दूसरा होंडुरास जा रहा है। बोसबर्ग ने मौखिक रूप से विमानों को वापस लौटने का आदेश दिया, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसा नहीं किया गया और उन्होंने अपने लिखित आदेश में निर्देश शामिल नहीं किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने रविवार को एक बयान में इस बारे में अटकलों का जवाब दिया कि क्या प्रशासन अदालती आदेशों का उल्लंघन कर रहा है? उन्होंने कहा, प्रशासन ने अदालती आदेश का पालन करने से इनकार नहीं किया। यह आदेश, जिसका कोई वैधानिक आधार नहीं था, आतंकवादी टीडीए एलियंस को अमेरिकी क्षेत्र से पहले ही हटा दिए जाने के बाद जारी किया गया था। टीडीए एलियंस का पूरा नाम ट्रैन डे अरागुआ गिरोह है, जिसे ट्रम्प ने शनिवार को जारी अपने असामान्य उद्घोषणा में निशाना बनाया था। रविवार को अदालत में दायर एक दस्तावेज में न्याय विभाग, जिसने बोसबर्ग के निर्णय के विरुद्ध अपील की है, ने कहा कि यदि निर्णय को पलटा नहीं जाता है तो वह आगे निर्वासन के लिए ट्रम्प द्वारा की गई घोषणा का उपयोग नहीं करेंगे।

ओह...बहुत देर हो गई, सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले, जिन्होंने अपने देश की जेलों में 6 मिलियन की लागत से एक साल के लिए लगभग 300 अप्रवासियों को रखने पर सहमति व्यक्त की, ने बोसबर्ग के फैसले के बारे में सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा। उस पोस्ट को व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने फिर से प्रसारित किया।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जिन्होंने बुकेले के साथ अप्रवासियों को आवास देने के लिए पहले एक समझौता किया था, ने साइट पर पोस्ट किया, हमने ट्रेन डी अरागुआ के 250 से अधिक विदेशी दुश्मन सदस्यों को भेजा है, जिन्हें अल साल्वाडोर ने उचित मूल्य पर अपनी बहुत अच्छी जेलों में रखने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे हमारे करदाताओं के पैसे भी बचेंगे। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर के प्रोफेसर स्टीव व्लाडेक ने कहा कि विमानों को वापस मोड़ने का बोसबर्ग का मौखिक निर्देश तकनीकी रूप से उनके अंतिम आदेश का हिस्सा नहीं था, लेकिन ट्रम्प प्रशासन ने स्पष्ट रूप से इसकी भावना का उल्लंघन किया है। व्लाडेक ने कहा, इससे भविष्य की अदालतों को अपने आदेशों में अति विशिष्ट होने तथा सरकार को कोई छूट न देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। ट्रम्प द्वारा 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम की घोषणा के बाद आप्रवासियों को निर्वासित कर दिया गया था, जिसका उपयोग अमेरिकी इतिहास में केवल तीन बार किया गया है।

प्रधानमंत्री ओली का राजशाही समर्थकों पर कटाक्ष-नेपाल के लोकतंत्र में 'रिवर्स गियर' नहीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने राजशाही समर्थक समूहों पर कटाक्ष करते हुए रविवार को कहा कि लोकतंत्र एक 'राजमार्ग' की तरह है, जिसमें कोई 'रिवर्स गियर' नहीं होता, केवल कभी-कभार तीखे मोड़ के कारण क्षणिक रूप से गति धीमी करनी पड़ती है। उन्होंने इसके साथ ही आगे बढ़ने पर जोर दिया। पिछले हफ्ते पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के सैकड़ों समर्थकों ने राजधानी में उनके स्वागत में रैली निकाली थी। ज्ञानेंद्र (77) पिछले सप्ताह रविवार को जैसे ही देश के विभिन्न भागों में धार्मिक स्थलों का दर्शन कर पोखरा से काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, समर्थकों ने उनके पक्ष में नारे लगाने शुरू कर दिए। इस रैली का उद्देश्य नेपाल में राजशाही की पुनः स्थापना के प्रति समर्थन प्रदर्शित करना था। ओली ने रविवार को यहां महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए राजशाही समर्थक समूहों द्वारा हाल ही में किए गए विरोध प्रदर्शनों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ''हमें हमेशा आगे बढ़ने की जरूरत है। पीछे मुड़ना नहीं चाहिए। रिवर्स गियर (वाहन को पीछे ले जाने में सक्षम) कभी-कभी तब लगाया जाता है जब सड़क पर तीखे मोड़ हों। राजमार्ग पर कोई 'बैक गियर' नहीं है और लोकतंत्र हमारा राजमार्ग है।'' पूर्व राजा के समर्थक गत कई दिनों से काठमांडू और पोखरा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रैलियां निकाल रहे हैं और 2008 में समाप्त की गई राजशाही को पुनः बहाल करने की मांग कर रहे हैं। राजतंत्र समर्थक फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद तब सक्रिय हुए जब ज्ञानेन्द्र ने कहा था, ''समय आ गया है कि हम देश की रक्षा करने और राष्ट्रीय एकता लाने की जिम्मेदारी लें।

यूएनआरडब्ल्यूए बोला- फलस्तीनी बच्चों की पीढ़ी बर्बाद होने का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के आयुक्त जनरल ने आगाह किया है कि फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए फंड में कटौती पर चिंता जाहिर की है। आयुक्त जनरल फिलिप लाजारिनी ने चेतावनी दी है कि यूएन की इस एजेंसी के पतन से फलस्तीनी बच्चों की एक पूरी पीढ़ी शिक्षा से वंचित हो जाएगी। लाजारिनी ने कहा कि अगर गंभीर वित्तीय संकट जारी रहता है तो एजेंसी के पतन का खतरा सचमुच वास्तविक है। उन्होंने आगाह किया कि बच्चों की एक पीढ़ी बलि चढ़ जाएगी, वे उचित शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने कहा, यूएनआरडब्ल्यूए गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक, लेबनान, जॉर्डन और सीरिया में फैले लगभग छह मिलियन फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए जीवन रेखा है। अब तक लगभग 2.60 लाख बच्चे एजेंसी के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में दाखिला ले चुके हैं।

80 साल का इंतजार हुआ बेकार, पति से मिले बगैर विदा हुई 103 की हुझैन

बीजिंग, एजेंसी। 103 साल का जीवन जीने के बाद दुनिया से विदा हुई बुजुर्ग महिला की कहानी किसी को भी भावुक कर सकती है। उन्होंने 8 दशक से ज्यादा समय तक अपने बिछड़े पति का इंतजार किया, लेकिन सब बेकार रहा। आखिरी सांस लेते समय महिला ने यादगार के तौर पर तकिये का कवर अपने हाथों में रखा और दुनिया को अलविदा कह दिया। कहानी चीन की डू हुझैन की है। वह अब दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी कहानी सदियों तक लोगों को सुनाई जाएगी। उन्होंने दक्षिण पश्चिम चीन के गुइझू प्रांत में 8 मार्च को अंतिम सांस ली। हालांकि, उनकी मौत की वजह परिवार की तरफ से सार्वजनिक नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके परिवार ने बताया है कि हुझैन की शादी 1940 में हुई थी।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, निधन से पहले हुझैन ने तकिये का कवर अपने हाथों में रखा था। खास बात है कि यह कवर उन्होंने अपनी शादी के समय इस्तेमाल किया था। वह पति हुआंग जुन्फू से तीन साल बड़ी थीं। खबर है कि शादी के तुरंत बाद ही हुआंग कुओमिंतांग सेना में शामिल हो गए थे और जंग के लिए निकल पड़े थे।

अब साल 1943 में यानी 3 साल के बाद हुझैन ने जुन्फू को खोज निकाला और उनके ही साथ रहीं, लेकिन गर्भवती होने के बाद वह घर लौट आईं। इसके बाद जनवरी 1944 में उन्हें बेटा हुआ, जिसका नाम हुआंग फचांग रखा

गया। हालांकि, जुन्फू इसके बाद भी घर लौटे थे, लेकिन कुछ ही समय में घर से दोबारा सेना के काम के लिए निकले और फिर कभी वापस नहीं आए। वह खत भेजते रहे, लेकिन यह सिलसिला भी 15 जनवरी 1952 में खत्म हो गया।

कैसे काटे दिन : रिपोर्ट के अनुसार, जिस पेपर का जुन्फू ने इस्तेमाल किया था, उससे संकेत मिल रहे थे कि वह मलेशिया में चीनी निर्माण कंपनी में काम कर रहे थे। वहीं, उनका इंतजार कर रहीं हुझैन दिन में खेत पर काम करतीं और शाम को सैंडल और कपड़ों की बुनाई कर घर चलाती थीं। परिवार ने जुन्फू को खोजने की कई कोशिशें की, लेकिन सब बेकार रहीं। अगर वह लौट आए तो उनका परिवार बताता है कि उन्होंने शादी के लिए भी इनकार कर दिया था। वह कहती थीं, अगर वह एक दिन लौट आए तो? उनका बेटा फचांग 70 के दशक में स्कूल में शिक्षक बन गए थे और 2022 में उन्होंने भी अंतिम सांस ली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, जुन्यी काउंटी के सरकारी विभाग के दस्तावेज बताते हैं कि जुन्फू 1950 में मलेशिया में रहने लगे थे।

जेलेंस्की ने सशस्त्र बलों के नए स्टाफ प्रमुख को किया नियुक्त

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने लेफ्टिनेंट जनरल अनातोली बारहिलेविच की जगह मेजर जनरल एंड्री ह्नातोव को यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ का प्रमुख नियुक्त किया है। राष्ट्रपति की वेबसाइट पर बारहिलेविच की बर्खास्तगी और ह्नातोव की नियुक्ति के कारणों को स्पष्ट नहीं किया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने फेसबुक पर लिखा कि सशस्त्र बलों में फेरबदल का उद्देश्य उनकी युद्ध कौशल को बढ़ाना है। उमेरोव ने एक फेसबुक पोस्ट में पदोन्नति की सराहना करते हुए कहा, हम यूक्रेन के सशस्त्र बलों को उनका युद्ध कौशल बढ़ाने के लिए व्यवस्थित रूप से बदल रहे हैं। उमेरोव ने उल्लेख किया कि ह्नातोव के पास 27 वर्षों से अधिक का सैन्य अनुभव है, उन्होंने पहले एक समुद्री ब्रिगेड, ऑपरेशनल कमांड ईस्ट के सैनिकों और यूक्रेनी सशस्त्र बलों के संयुक्त बलों की कमान संभाली है। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, बारहिलेविच को सैन्य मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित

करने और सशस्त्र बलों के भीतर अनुशासन को मजबूत करने के मिशन के साथ मंत्रालय का मुख्य निरीक्षक नियुक्त किया गया है। बारहिलेविच ने फरवरी 2024 में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख के रूप में कार्य करना शुरू किया। रूस के साथ युद्ध के तीन साल से अधिक समय बाद, यूक्रेन धीरे-धीरे कई मोर्चों पर पीछे हट रहा है, क्योंकि वहां जनशक्ति की कमी है। कीव सेना को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहा है, ताकि कमांड संस्कृति और संसाधन प्रबंधन जैसे लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को हल किया जा सके। नाटो भागीदारों के अनुभव का लाभ उठाते हुए, यूक्रेन वर्तमान में सामंजस्य में सुधार के प्रयास में ब्रिगेड के बजाय कोर सिस्टम को लागू करने की कोशिश कर रहा है। उमरोव ने उसी फेसबुक पोस्ट में लिखा परिवर्तन जारी है। सैन्य विश्लेषकों का अनुमान है कि वर्तमान में लगभग 880,000 लोग यूक्रेनी सशस्त्र बलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। युद्धकालीन चुनौतियों के बावजूद, देश ने सोवियत विरासत को त्यागने और अपनी सेना को अधिक कुशल बनाने के लिए परिवर्तन लागू किए हैं, युद्ध के अनुभव वाले युवा कमांडरों को नियुक्त किया है और नवाचारों का समर्थन किया है। पिछले साल यूक्रेन ने एक समर्पित मानव रहित प्रणाली बल की शुरुआत की थी। इस वर्ष की शुरुआत में, यूक्रेनी सैन्य अधिकारियों ने कहा था कि देश अपनी ब्रिगेड आधारित प्रणाली से हटकर बड़ी इकाइयों की कोर प्रणाली की ओर बढ़ेगा, जिसका उद्देश्य 1,000 किलोमीटर से अधिक सीमावर्ती क्षेत्र में फैले अपने बलों के बीच समन्वय में सुधार करना और निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी लाना है।

यूक्रेन में सीजफायर पर अब तक नहीं बनी बात, पुतिन को मनाने के लिए खुद फोन मिलाएंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच सीजफायर कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जी-जान लगाकर जुटे हुए हैं। इस सप्ताह इस दिशा में बड़ी कामयाबी मिलने की संभावना भी जताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन मिला सकते हैं। वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रविवार को कहा है कि अमेरिका यूक्रेन के साथ भी लगातार संपर्क में है। इससे पहले अमेरिका ने पिछले सप्ताह दोनों देशों के सामने सीजफायर समझौते को लेकर 30 दिनों का एक प्रस्ताव रखा था। जहां यूक्रेन ने युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, वहीं पुतिन ने अभी इस पर सहमति नहीं जताई है।

विटकॉफ ने रविवार को सीएनएन के स्टेट ऑफ द यूनियन में इस मामले पर बातचीत करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि इस सप्ताह दोनों राष्ट्रपतियों की फोन कॉल पर बातचीत होगी। हम यूक्रेनियों के साथ भी बातचीत जारी रख रहे हैं। इस बीच शुक्रवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि पुतिन ने संभावित फोन कॉल से पहले विटकॉफ से ट्रंप को संदेश देने के लिए कहा था। पिछले सप्ताह विटकॉफ ने मॉस्को में पुतिन से मुलाकात भी की थी।

पुतिन ट्रंप से मुलाकात के लिए तैयार : विटकॉफ ने पुतिन के साथ अपनी बातचीत को सकारात्मक बताया। विटकॉफ ने बताया, यह एक

समाधान-आधारित चर्चा थी। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि उनका मानना ??है कि पुतिन राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात के लिए तैयार हैं और दोनों नेता जंग को खत्म करना चाहते हैं। विटकॉफ ने दोहराया कि डोनाल्ड ट्रंप उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले सप्ताह में किसी तरह का समझौता हो जाएगा।

क्या चाहता है रूस : बता दें कि सीजफायर डील के तहत यूक्रेन यह आश्वासन मांग रहा है कि भविष्य में रूसी हमले की स्थिति में अमेरिका और अन्य सहयोगी इसकी रक्षा करेंगे, लेकिन वाइट हाउस इसके लिए प्रतिबद्धता जताने से हिचक रहा है। वहीं दूसरी तरफ रूस ने कहा है कि वह किसी भी स्थिति में अस्थायी युद्धविराम नहीं चाहता है।

नासा के ऑफिस में कॉक्रोचों का आतंक, टॉइलट पेपर भी नहीं; डोनाल्ड ट्रंप के फैसले से परेशान कर्मचारी

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका में अगर सबसे ज्यादा परेशान हैं तो वे हैं सरकारी कर्मचारी। एक तरफ छंटनी दूसरी तरफ कटौती करने के लिए एक से एक तरीके अपनाने ने सरकारी और अनुबंधित कर्मचारियों की परेशानी बहुत बढ़ गई है। डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी एलन मस्क ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का काम संभालने के बाद तहलका ही मचा दिया है। अमेरिका की सरकार ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम छोड़कर ऑफिस आने का फरमान सुना दिया। 2020 में कोविड-19 के बाद से ही लाखों कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे। वहीं जब लोग ऑफिस पहुंचे तो पता चला कि वहां टॉइलट पेपर तक नहीं है। ऑफिस में कॉक्रोचों ने कब्जा कर लिया है और बैठने के लिए डेस्क तक मौजूद नहीं है। यह हाल आम कार्यालयों का नहीं बल्कि नासा जैसी स्पेस एजेंसी के ऑफिस का भी है। सरकारी कर्मचारियों को नए तरीके से काम में लगाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क ने कई बदलाव किए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो कम से कम 1 लाख सरकारी कर्मचारियों ने अपनी इच्छा से ही नौकरी छोड़ दी है। इसके बदल में उन्होंने मुआवजा ले लिया है। वहीं पड़े पैमाने पर छंटनी की तलवार अब भी लटक रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने वॉइस ऑफ अमेरिका में भी बड़े पैमाने पर छंटनी कर दी है और कई चैनल बंद कर दिए हैं। एलन मस्क का कहना है कि विदेश में अमेरिका के खर्च पर प्रसारण करके केवल लोगों के टैक्स की बर्बादी की जा रही है। इसलिए एडिटर्स को भी छुट्टी पर भेज दिया गया और कई चैनलों पर समाचारी की जगह सिर्फ संगीत ने ले ली है।

नासा के ऑफिस में बुरा हाल : पिछले साल अगस्त में बजट के मुताबिक लगभग 2

लाख से ज्यादा कर्मचारी घर से काम कर रहे थे। वहीं यह काम 11 लाख लोगों से लिया जा सकता है। पिछले महीने वॉशिंगटन स्थित नासा के हेडक्वार्टर में भी कर्मचारी अपने काम पर लौटे तो उनका सामना कॉक्रोच से हुआ। खटमल, कॉक्रोच और अन्य कीड़े ऑफिस पर कब्जा कर चुके थे। वहीं कर्मचारियों के लिए पर्याप्त कुर्सियां और डेस्क तक मौजूद नहीं थीं। टॉइलेट पेपर खत्म हो गए थे।

नासा के करीब 8 हजार कर्मचारियों को ऑफिस बुलाया गया है। उनका कहना है कि बिना कंप्यूटर और डेस्क के काम करना संभव ही नहीं है। मैरीलैंड के नासा ऑफिस के कर्मचारी भी ट्रैफिक से परेशान हो गए। वहीं यूएस सिटिजनशिप ऐंड इमिग्रेशन सर्विस के ऑफिस के कर्मचारी भी अपनी डेस्क ही ढूंढते रह गए। कई कर्मचारियों को संदूकों पर बैठकर काम करना पड़ा। कई कर्मचारियों का कहना है कि ऑफिस लौटना चिड़ियाघर जाने जैसा हो गया है जहां टॉइलेट में टिशू तक मौजूद नहीं है।

सीमा हैदर और सचिन के घर आया नया मेहमान

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तानी भाभी के नाम से मशहूर सीमा हैदर पांचवी बार मां बन गई है। यह बच्चा सीमा और सचिम मीणा का है। हैदर ने ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे बच्ची को दिया जन्म। करीब दो साल पहले चार बच्चों के साथ पाकिस्तान से दुबई और नेपाल के रास्ते सीमा भारत आई थी। हालांकि उसे अभी तक भारत की नागरिकता नहीं मिली है। दोनों की मुलाकात ऑनलाइन पबजी गेम खेलते हुई थी। इसके बाद दोनों में नजदीकियां बढ़ीं और सीमा बच्चों सहित अपने प्रेमी सचिन के पास रहन के लिए आ गई।सीमा और सचिन ने पिछले साल दिसंबर के महीने में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में सीमा के गर्भवती होनी की जानकारी दी गई थी। दोनों काफी खुश दिखाई दे रहे थे। वीडियो में हैदर प्रेग्नेंसी किट दिखाते हुए सचिन को पिता बनने की खुशखबरी दे रही थीं। जिसके बाद सचिन सीमा को गले लगा लेता है। तब सीमा ने बताया था कि वह सात महीने की गर्भवती है। जल्द ही उनके घर किलकारी गूंजने वाली है।

शिरडी एयरपोर्ट परिसर में खुलेआम घूम रहे तेंदुए, भयभीत हैं यात्री और स्टाफ

शिरडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शिरडी एयरपोर्ट इलाके में एक मादा तेंदुए ने दो शावकों को जन्म दिया है। इसके चलते एयरपोर्ट स्टाफ में दहशत का माहौल है। हालांकि वन विभाग ने एयरपोर्ट के अंदर पिंजरे लगा दिए हैं और तेंदुओं को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। इस बीच एयरपोर्ट परिसर में खुलेआम घूम रहे तेंदुए से यात्री और स्टाफ भयभीत हैं। खबर है कि शिरडी एयरपोर्ट इलाके में दो शावकों के साथ घूम रही मादा तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा है। वन विभाग ने कहा है कि ये वीडियो सही हैं। जानकारी मिलने के बाद एयरपोर्ट क्षेत्र में चार पिंजरे लगाए गए हैं। बता दें कि वन विभाग ने कुछ महीने पहले एक नर तेंदुए को पकड़ने में सफलता पाई थी। कहा जा रहा है कि अब जल्द ही मादा तेंदुए और उसके दो शावकों को भी पकड़ लिया जाएगा। मालूम हो कि शिरडी एयरपोर्ट क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ और झाड़ियां होने के कारण इस क्षेत्र में तेंदुओं की आवाजाही बढ़ गई है। वन विभाग पिछले कुछ महीनों से मादा तेंदुए और उसके शावकों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। तेंदुए की आवाजाही के बाद एयरपोर्ट पर यात्रियों और स्थानीय निवासी की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक मादा तेंदुआ एयरपोर्ट परिसर के अंदर चली गई और उसने शावकों को जन्म दिया। तब तक प्रशासन क्या कर रहा था। एयरपोर्ट क्षेत्र में पेड़ों और झाड़ियों के कारण यह देखा जा रहा है कि इस क्षेत्र में तेंदुए खुलेआम घूम रहे हैं। तेंदुए एयरपोर्ट के अंदर घूम रहे हैं, इसलिए विमानों की लैंडिंग और टेक-ऑफ में बाधा आ सकती है। साथ ही तेंदुआ एयरपोर्ट क्षेत्र में यात्रियों पर भी हमला कर सकते हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल अर्जी पर सुनवाई टली

वाराणसी (एजेंसी)। सिखों पर दिए गए बयान मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल निगरानी अर्जी पर सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। हालांकि राहुल गांधी के अधिवक्ता ने विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए)की अदालत में वकालतनामा दाखिल किया। अदालत ने सुनवाई की अगली तिथि 14 अप्रैल तय की है। तिलमापुर सारनाथ के नागेश्वर मिश्र ने अदालत में निगरानी अर्जी दाखिल की है। उनका आरोप था कि राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका दौरे के दौरान बयान दिया था। राहुल ने कहा था कि सिखों के लिए भारत में अच्छा माहौल नहीं है। ऐसे बयान से देश में गृह युद्ध जैसे हालात हो सकते हैं। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कर रहे हैं।

24 दलितों की सामूहिक हत्याकाण्ड मामले में 44 साल बाद तीन को फांसी की सजा

मैनपुरी (एजेंसी)। उप्र के फिरोजाबाद के जसराना के गांव दिहुली में 18 नवंबर 1981 को हुई 24 दलितों की सामूहिक हत्या में मंगलवार को कोर्ट ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। इसके साथ ही दो दोषियों पर दो-दो लाख और एक दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। कोर्ट से आदेश होने के बाद पुलिस तीनों को जिला कारागार मैनपुरी ले गई। वहां उन्हें दाखिल किया गया। एडीजे विशेष डकैती इंदिरा सिंह की अदालत में सुबह 11.30 बजे दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को मैनपुरी जिला कारागार से भारी सुरक्षा के बीच लाकर पेश किया गया। इनकी पेशी के बाद 12.30 बजे करीब फिर से इनको दीवानी की अदालत में भेज दिया गया। लंच बाद कोर्ट से फिर इनकी पुकार हुई। दोपहर तीन बजे तीनों दोषियों को फिर से पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से रोहित शुक्ला ने तमाम दलीलें पेश करते हुए नरसंहार के साक्ष्यों और गवाही का हवाला देते हुए फांसी की मांग की। कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाही के आधार पर उस भयावह नरसंहार के दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई। कप्तान सिंह, रामसेवक को दो-दो लाख और रामपाल को एक लाख रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया गया। सजा सुनते ही तीनों के चेहरों पर मायूसी छा गई। यह रोने लगे। कोर्ट के बाहर इनके परिजन भी मौजूद थे, वह भी रोने लगे। इसके बाद पुलिस ने इन्हें जेल ले जाकर दाखिल कर दिया।

मोमोज बनाने वाली एक फैक्ट्री के फ्रिज में कुत्ते का सिर मिला, पुलिस जांच में जुटी , पंजाब के मोहाली का मामला

मोहाली(एजेंसी)। पंजाब के मोहाली में नगर निगम की मेडिकल टीम ने चिकन की दुकानों पर छापेमारी कर करीब 60 किलो बदबूदार फोजन चिकन जब्त किया। साथ ही टीम ने चिकन को नष्ट कर दुकानों का चालान काटा है। दावा है कि इस दौरान मोमोज बनाने वाली एक फैक्ट्री के फ्रिज में कुत्ते का सिर भी मिला है। मोहाली के सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. अमृत वारिंग ने कहा कि फैक्ट्री चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को सूचित कर दिया गया है। वितरण के लिए मोमोज और स्प्रिंग रोल बनाने वाली फैक्ट्री की जांच हो रही है, ताकि पता लग सके कि कुत्ते का मांस इस्तेमाल हुआ था या नहीं।

नीतीश के बेटे निशांत की राजनीति में होगी एंट्री, जेडीयू नेता दे रहे ट्रेनिंग

पटना (एजेंसी)। बिहार सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार पहली बार सार्वजनिक रूप से 8 जनवरी को सामने आए थे। वे अपने पिता के साथ स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि देने अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचे थे। मीडिया से वे पहली बार रुबरु हुए थे। वे जितना बोले, उससे यही लगा कि उन्हें जितना बोलने के लिए कहा गया था, उतना ही उन्होंने कहा। नपे-तुले शब्दों और पोलिटिकल अंदाज में उन्होंने पिता के कार्यों के लिए उन्हें वोट देने की अपील की। उसी दिन से यह बात चल पड़ी की निशांत राजनीति में एंट्री करने वाले हैं।

निशांत पिता नीतीश कुमार के साथ सीएम आवास पर लोगों से मिलते रहे। नीतीश की ही तरह वे जेडीयू नेताओं और सरकारी अधिकारियों से मिले। इतना ही नहीं, पार्टी के बड़े नेताओं को भी उनसे मिलना औपचारिकता से ज्यादा जरुरी लगा। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी ने तो निशांत को ऐसा भाव दिया, जैसे वे जेडीयू के सीनियर लीडर हों।

निशांत की 50 के आसपास है। निशांत मौजूदा सीएम के बेटे हैं और तेजस्वी पूर्व मुख्यमंत्री के। चिराग पासवान भी पिता की विरासत ही संभाल रहे हैं। 10 साल के राजनीतिक करियर में तेजस्वी डिप्टी सीएम दो बार बन गए तो चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री बन गए। लगता है कि निशांत ने अब जिद छोड़ दी है। वे भी दूसरे नेता पुत्रों की तरह राजनीति में आना चाहते हैं। उम्र के हिसाब से निशांत की समझ तो बढ़ी ही होगी। फिर भी पहली बार राजनीति में जगह बनाने के लिए निशांत को राजनीतिक प्रशिक्षण की जरूरत होगी। उन्हें जेडीयू के कुछ नेता राजनीति की बारीकियां समझा रहे हैं।

अब लगता है कि नीतीश कुमार ने भी अपनी जिद छोड़ दी है। वे तो वंशवादी राजनीति के कट्टर विरोधी रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर को अपना आदर्श मानते हैं, जिन्होंने जीते जी परिवार के किसी व्यक्ति को राजनीति में आने से रोका। नीतीश कुमार दूसरे समाजवादियों की तरह ही इस बात के पक्षधर रहे हैं कि रानी की कोख से जन्मा व्यक्ति ही राजा नहीं बनेगा. लालू यादव की वंशवादी राजनीति पर नीतीश के तेवर हाल तक तल्ख रहे हैं. जब तक निशांत की एंट्री की औपतारिक घोषणा नहीं हो जाती, तब तक यही मान कर चलना होगा कि नीतीश कुमार की वंशवादी राजनीति पर धारणा बदली नहीं है।

नीतीश कुमार जानते हैं कि पिछली बार जैसी ही अगर जेडीयू की खराब स्थिति रही तब भी वे सब पर भारी पड़ेंगे। बीजेपी और जेडीयू को पिछली बार जितनी ही सीटें मिली तब भी नीतीश को खेल करने का मौका मिल जाएगा। आरजेडी और बीजेपी को सरकार बनाने के लिए जेडीयू पर ही निर्भरता रहेगी। यानी नीतीश किंगमेकर की भूमिका में रहेंगे। बीजेपी उन्हें आरजेडी की ओर मुखातिब होने नहीं देना चाहेगी। शायद यही वजह है कि बीजेपी द्वारा सीएम फेस घोषित न करने के बावजूद नीतीश को कोई बेचैनी नहीं है।

रिपोर्ट में खुलासा : देश के 45 फीसदी विधायकों पर दर्ज हैं आपराधिक मामले

-आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 138 तो सिक्किम में है सिर्फ एक

नई दिल्ली, ।चुनाव सुधार पर काम करने वाले एक एनजीओ की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के 45 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विशेषण किया जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 (79फीसदी) विधायकों ने जबकि, सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक (3फीसदी) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 (86फीसदी) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। 24 विधायकों के हलफनामे का एनालिसिस खराब स्कैनिंग की वजह से नहीं किया जा सका, जबकि विधानसभाओं में सात सीटें खाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं, 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर 376 और 376 (2)(एन) के तहत रेप का आरोप है। धारा 376 (2)(एन) एक ही पीड़ित के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है।

मणिपुर में हालात हो रहे सामान्य, 7,000 नए आवास मंजूर किए गए

-केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में हालात अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। यहां हिंसक घटनाओं में काफी कमी आई है। हिंसा में बेघर हुए लोगों के लिए करीब 7,000 नए आवास मंजूर कर दिए गए हैं। राहत और पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक फंड दिया जा रहा है। राज्य में कानून व्यवस्था के लिए सेना व असम राइफल्स की तैनाती कर दी गई है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 286 कंपनियों को राज्य पुलिस के साथ मणिपुर में तैनात किया गया है। मंगलवार को यह जानकारी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में दी।

उन्होंने बताया कि मणिपुर में हालात सामान्य करने के लिए मोदी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। नेशनल हाईवे पर सुरक्षित और सुचारू आवागमन सुनिश्चित किया जा रहा है। आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। हेलीकॉप्टर सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि करीब 60 हजार लोग अभी भी रिलीफ कैंप में रहने को मजबूर हैं। वहीं करीब 7000 लोग अपने घरों को लौट चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के विशेष पैकेज के तहत 400 करोड़ रुपए रिलीफ कैंप ऑपरेशन के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत बेघर हो गए लोगों के लिए सात हजार घरों को मंजूरी दी गई है। मणिपुर वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट, रेलवे प्रोजेक्ट कंपनी, मेडिकल कॉलेज, ट्रिपल आईटी और सरकारी आवास योजनाएं उपलब्ध की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था को नियंत्रित और बेहतर करने के लिए राज्य में लगातार काम हो रहा है। इसके साथ ही आर्थिक गतिविधियां शुरू करने पर ध्यान दिया जा रहा है। मणिपुर में रिलीफ के लिए सौ करोड़ रुपए की राशि दी जा चुकी है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए 200 करोड़ रुपये की राशि एनडीआरएफ और 68 करोड़ रुपए की राशि एसडीआरएफ के तहत रखी गई है। उन्होंने बताया कि मणिपुर राज्य के लिए 500 करोड़ का आपातकालीन फंड बनाया गया है। यह फंड राज्य के लिए है ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में इस धन राशि का उपयोग किया जा सके।

सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन पर जनता का विश्वास खत्म हुआ

सुप्रीम कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर जाताई नाराजगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग और इसमें सत्ता में बैठे लोगों के शामिल होने पर नाराजगी जताई है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए गए मामलों में गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी प्रदीप शर्मा की याचिका खारिज कर दिया गया और कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन में जनता का विश्वास खत्म हुआ है और वित्तीय संस्थानों में प्रणालीगत कमजोरियां पैदा हुई हैं।

न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने उस याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें प्रदीप शर्मा ने गुजरात पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के कई मामलों की शुरूआती जांच का अनुरोध किया था। मनी लॉन्ड्रिंग, एक ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी है जिसमें अपराधी अपनी सम्पत्ति के अवैध स्रोत को छिपाते हैं। इस धोखाधड़ी का मकसद कालेधन को सरकार और कानूनी एजेंसियों की नजरों से छिपाना होता है ताकि इसे बिना किसी शक के इस्तेमाल किया जा सके।

मनी लॉन्ड्रिंग, दुनिया के ज्यादातर देशों में एक गंभीर अपराध है। भारत में, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों को सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम मामले में कहा कि धन शोधन के दूरगामी परिणाम होते हैं, न केवल भ्रष्टाचार के व्यक्तिगत कृत्यों के संदर्भ में, बल्कि इससे सरकारी खजाने को भी काफी नुकसान होता है।

युगल पीठ ने कहा कि वर्तमान मामले में कथित अपराधों का अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि अवैध वित्तीय लेन-देन राज्य को वैध राजस्व से वंचित करते हैं, बाजार की

अखंडता को प्रभावित करते हैं और आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं। सत्ता में बैठे व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले ऐसे कृत्य शासन में जनता के विश्वास को खत्म करते हैं और वित्तीय संस्थानों के अंदर प्रणालीगत कमजोरियों को जन्म देते हैं।

अमेरिकी एनएसए तुलसी गबार्ड ने कहा, ट्रंप और मोदी शांति के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ।अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह शांति के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। भारत दौरे पर आईं तुलसी गबार्ड ने रायसीना डायलॉग 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ही तरह पीएम मोदी भी शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी एनएसए गबार्ड ने रायसीना डायलॉग 2025 में स्पष्ट किया कि 'अमेरिका फर्स्ट' का मतलब अमेरिका इकलौता नहीं है। उन्होंने बताया कि कैसे राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए को अक्सर गलत समझा जाता है। तुलसी गबार्ड ने कहा, यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि हमारे राष्ट्रपति अमेरिका फर्स्ट का आह्वान कर रहे हैं तब वे अलगाववादी हैं। यह आरोप एक गहरी गलतफहमी या गलत धारणा को दिखाता है कि दूसरे देशों के साथ जुड़ने का एकमात्र तरीका संघर्ष है। वे एक शांतिदूत और एकजुट करने वाले नेता के रूप में अपनी विरासत चाहते हैं। तुलसी गबार्ड ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प एक शांतिदूत और एकजुट करने वाले नेता के रूप में अपनी विरासत छोड़ना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य अपने नेतृत्व को सबसे अच्छी और समय पर खुफिया जानकारी प्रदान करना है। जब पीएम मोदी वाशिंगटन में थे, तब राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि साइबर सुरक्षा साधनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास के लिए हमारे सुरक्षा हितों को मजबूत करने का एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के लिए पीएम मोदी का वॉशिंगटन का शुरुआती दौरा एक निजी दोस्ती थी।

तेलंगाना में बिल पास: पिछड़ों को मिलेगा 42 फीसदी आरक्षण, भाजपा ने किया समर्थन

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में पहले जाति आधारित गणना की गई इसके बाद पिछड़ी जातियों को 42 फीसदी आरक्षण देने वाला विधेयक भी पास कर दिया गया। विधेयक के मुताबिक पिछड़ी जातियों को ना केवल सरकारी नौकरियों बल्कि शिक्षण संस्थानों और शहरी और ग्रामीण निकाय के चुनावों में भी इतना आरक्षण मिलेगा। इस विधेयक का सत्ताधारी कांग्रेस के अलावा विपक्षी बीआरएस और बीजेपी ने भी समर्थन कर कर दिया है।

बीआरएस नेता हरीश राव ने कहा, हम पिछड़ों के लिए 42 फीसदी के आरक्षण का बिना शर्त समर्थन करते हैं। पार्टी के नेता गांगुला कमलाकर ने कहा, देश में पिछड़ी जातियों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। हमारे हाथ में जो कुछ भी है हम इस आरक्षण के लिए करेंगे। बीजेपी की पायल शंकर ने कहा, कांग्रेस की वजह से ओबीसी आरक्षण में देरी हुई। हम बिल का समर्थन करते हैं लेकिन यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कास्ट सर्वे वैज्ञानिक तरीके से करवाया गया या नहीं। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं मिलना चाहिए। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन

ओवैसी ने कहा कि जिस तरीके से आरक्षण लागू किया जा रहा है, वह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह आरक्षण मुस्लिमों के लिए नहीं है बल्कि मुस्लिमों में पिछड़ी जातियों के लिए है। कांग्रेस को धर्म के आधार पर देश को बांटना छोड़ देना चाहिए।

विधानसभा में इससे संबंधित तीन विधेयक पेश किए गए थे। एक में उपजातियों को भी आरक्षण देने के प्रावधान है। तेलंगाना की सरकर ने कास्ट सर्वे करवाया था जिसमें पता चला था कि 56.33 फीसदी पिछड़ी जातियां हैं। इसमें मुस्लिम समुदाय की भी जातियां शामिल थीं। बिल पेश करते हुए पिछड़ी जाति कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा, तेलंगाना विधासनभा से एक संदेश जाना चाहिए कि हम सब पिछड़ी जातियों के लिए 42 फीसदी रिजर्वेशन का समर्थन करते हैं। ये जातियां देश का आधार बन गई हैं।विधानसभा में सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो 42 फीसदी रिजर्वेशन बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन आरक्षण विधेयकों का सभी पार्टियां समर्थन दे रही हैं। यह देश को बड़ा संदेश है। उन्होंने कहा कि जो लोग भी इस ऐतिहासिक बिल का समर्थन कर रहे हैं, सभी धन्यवाद के पात्र हैं। सीएम ने कहा कि 42 फीसदी आरक्षण का वादा पूरा करने के लिए सारे प्रयास किए जाएंगे।उन्होंने कहा, सभी पार्टियों के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करके आरक्षण की सीमा बढ़ाने की अपील करनी चाहिए। इस आरक्षण को तभी लागू किया जा सकता है जब केंद्र सरकार संविधान की नौवीं सूची में इसे शामिल करेगी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बांदी संजय कुमार से भी अपील की कि वे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का समय दिलवाएं। वहीं इस मामले को राहुल गांधी संसद में भी उठा सकते हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने लालू और ममता की खोली पोल, तब हर दिन एक या दो रेल दुर्घटनाएं होती थीं

1 किलोमीटर यात्रा की लागत करीब 1.4 रुपये, ले रहे सिर्फ 73 पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल दुर्घटनाओं की हालिया घटनाओं के बाद विपक्ष की ओर से किए गए हमलों के बीच राज्यसभा में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी और लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहते हुए हर दिन एक या दो रेल दुर्घटनाएं होती थीं जबकि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण संख्या घटकर प्रति वर्ष केवल 30 दुर्घटनाओं तक रह गई है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि जब राजद सुप्रीमो लालू यादव रेल मंत्री थे (2005-06) तब कुल 698 दुर्घटनाएं और पटरी से उतरने की घटनाएं हुई थीं। वहीं ममता बनर्जी के रेल मंत्री रहने के दौरान 395 दुर्घटनाएं और पटरी से उतरने की घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा, पहले औसतन प्रतिदिन एक दुर्घटना होती थी लेकिन अब यह संख्या घटकर प्रति वर्ष सिर्फ 30 हो गई है। यदि हम 43 रेल दुर्घटनाओं को भी शामिल करें तब कुल दुर्घटनाएं 73 होती हैं यानी पहले जो

आंकड़ा करीब 700 था वह अब 80 से भी कम हो गया है जोकि 90 प्रतिशत रेल हादसों की की कमी को दिखाता है।

वैष्णव ने बताया कि रेलवे ने कोविड महामारी के दौरान अपनी कार्यकुशलता को साबित किया है और अब यात्री और माल ढुलाई दोनों में वृद्धि देखी जा रही है।

उन्होंने राज्यसभा को संबोधित कर बताया कि एक किलोमीटर यात्रा की लागत करीब 1.4 रुपये है, लेकिन यात्रियों से सिर्फ 73 पैसे लेते हैं। इस साल भारतीय रेलवे ने 1,400 इंजनों का उत्पादन किया है जो अमेरिका और यूरोप के संयुक्त उत्पादन से अधिक है। उन्होंने कहा कि जनरल कोचों की संख्या एसी कोचों की तुलना में 2.5 गुना बढ़ाई जा रही है। साथ ही मौजूदा उत्पादन योजना के तहत 17,000 नॉन-एसी कोचों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे की वित्तीय स्थिति मजबूत हो रही है और बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है।

घर में मौजूद कुछ सामान्य चीजें भी बढ़ा सकती हैं कैंसर का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जानलेवा बीमारी कैंसर के लिए कई बाहरी और आंतरिक कारक जिम्मेदार होते हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि हमारे घर में मौजूद कुछ सामान्य चीजें भी कैंसर का खतरा बढ़ा सकती हैं। ये चीजें हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन अगर आप स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं, तो इनसे दूरी बनाना ही बेहतर होगा। नॉन-स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल अब आम हो चुका है, लेकिन रिसर्च में पाया गया है कि इन बर्तनों की कोटिंग में मौजूद परफ्लूरोऑक्टेनिक एसिड और अन्य टॉक्सिक पदार्थ कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसलिए स्टील या लोहे के बर्तनों का उपयोग करना ज्यादा सुरक्षित है। इसी तरह, प्लास्टिक की बोतलों में बिस्फेनॉल और फटालेट्स नामक कंपाउंड पाए जाते हैं, जो शरीर के अंदर जाकर गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कई शोध बताते हैं कि प्लास्टिक के बारीक कण पानी के जरिए हमारे शरीर में चले जाते हैं, जिससे कैंसर सहित अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसलिए, प्लास्टिक की बोतलों के बजाय कांच या तांबे की बोतलों का इस्तेमाल करना बेहतर होगा। कई लोग रोटियां और अन्य खाने की चीजें रखने के लिए एल्युमिनियम फॉयल का उपयोग करते हैं, लेकिन इसमें मौजूद अधिक मात्रा में एल्युमिनियम लंबे समय तक शरीर में जमा होकर ब्रेस्ट कैंसर का कारण बन सकता है। इसी तरह, किचन में इस्तेमाल किए जाने वाले प्लास्टिक कंटेनर भी कैंसर कारक हो सकते हैं, क्योंकि इनमें मौजूद बीपीए केमिकल खाद्य पदार्थों में मिलकर सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी जगह स्टील या सिलिकॉन के कंटेनर का उपयोग करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। रिफाइंड ऑयल का अधिक इस्तेमाल भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

उच्च तापमान पर गर्म होने पर यह टूटकर हानिकारक केमिकल्स उत्पन्न करता है, जो कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसलिए सरसों, नारियल या जैतून के तेल का उपयोग करना सेहत के लिए अधिक फायदेमंद है। इसके अलावा, घरों में इस्तेमाल होने वाली सेंटेड कैंडल्स से निकलने वाले केमिकल्स, प्लास्टिक चॉपिंग बोर्ड से निकलने वाले जहरीले तत्व भी कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसलिए, इन चीजों से बचाव ही सुरक्षित और स्वस्थ जीवन का आधार है। बता दें कि विज्ञान ने आज भले ही कई बीमारियों का इलाज खोज लिया हो, लेकिन कैंसर के लिए अब तक कोई फुलप्रूफ इलाज विकसित नहीं हो सका है। यह बीमारी आज भी दुनिया भर में लाखों लोगों की जान ले रही है।